UGC : NTA NET-JRF/SET
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा
जूनियर रिसर्च फेलोशिप एवं लेक्चररशिप
पात्रता हेतु

दर्शनशास्त्र

हल प्रश्न-पत्र

प्रधान सम्पादक
आनन्द कुमार महाजन

संपादन एवं संकलन
यू.जी.सी. दर्शनशास्त्र परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण, चरन सिंह

संपादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com
© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा
सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने E:Book by APP YCT BOOKS, से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है
फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सहयोग और सुझाव सादर अपेक्षित है

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

विषय-सूची

दर्शनशास्त्र

भाग-1

- यू. जी. सी. NTA नेट दर्शनशास्त्र नवीन परीक्षा पाठ्यक्रम ---------- 3-4
- यू.जी.सी. NTA नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा दिसम्बर-2023 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल (परीक्षा तिथि : 08.12.2023)------5-20
- यू.जी.सी. NTA नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा जून-2023 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल (परीक्षा तिथि : 19.06.2023) -------- 21-46
- यू.जी.सी. NTA नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा दिसम्बर-2022 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल (परीक्षा तिथि : 24.02.2023)---- 47-68

भाग-2

- यू. जी. सी. NTA नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा दिसम्बर-2021/जून-2022 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल----------5-28 (परीक्षा तिथि : 14.10.2022)
- यू. जी. सी. NTA नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा दिसम्बर-2020/जून-2021 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल---------- 29-51 (परीक्षा तिथि : 20.11.2021)
- यू. जी. सी. NTA नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा दिसम्बर-2020/जून-2021 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल---------- 52-72 (परीक्षा तिथि : 20.11.2021)
- यू. जी. सी. NTA नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा जून-2020 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल ---------- 73-88
- यू. जी. सी. NTA नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा दिसम्बर-2019 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल----------89-102
- यू. जी. सी. NTA नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा जून-2019 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल ---------- 103-116

भाग-3

- यू. जी. सी. NTA नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा दिसम्बर-2018 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल----------5-17
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा जुलाई-2018 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल ---------- 18-31
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा नवम्बर-2017 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल ---------- 32-39
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा नवम्बर-2017 : तृतीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल---------- 40-49
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा जनवरी-2017 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल ---------- 50-57
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा जनवरी-2017 : तृतीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल---------- 58-68
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा जुलाई-2016 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल ---------- 69-76
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा जुलाई-2016 : तृतीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल---------- 77-85
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा दिसम्बर-2015 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल ---------- 86-92
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा दिसम्बर-2015 : तृतीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल----------93-101
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा जून-2015 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल---------- 102-108
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा जून-2015 : तृतीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल---------- 109-117
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा दिसम्बर-2014 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल ---------- 118-123
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा दिसम्बर-2014 : तृतीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल---------- 124-132
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा जून-2014 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल---------- 133-138
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा जून-2014 : तृतीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल---------- 139-147
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा दिसम्बर-2013 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल ---------- 148-154
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा दिसम्बर-2013 : तृतीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल---------- 155-162
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा जून-2013 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल---------- 163-169
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा जून-2013 : तृतीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल---------- 170-177
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा दिसम्बर-2012 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल ---------- 178-183
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा दिसम्बर-2012 : तृतीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल---------- 184-191
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा जून-2012 : द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल---------- 192-198
- यू. जी. सी. नेट दर्शनशास्त्र परीक्षा जून-2012 : तृतीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल---------- 199-208

असिस्टेंट प्रोफेसर

- राजस्थान लोक सेवा आयोग कॉलेज लेक्चरर-2014 दर्शनशास्त्र प्रथम प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल ---------- 209-232
- राजस्थान लोक सेवा आयोग कॉलेज लेक्चरर-2014 दर्शनशास्त्र द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल---------- 233-249
- मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर-2017 दर्शनशास्त्र व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र ---------- 250-276
- राजस्थान लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर-2020 दर्शनशास्त्र प्रथम प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल ---------- 277-300
- राजस्थान लोक सेवा आयोग असिस्टेंट प्रोफेसर-2020 दर्शनशास्त्र द्वितीय प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित हल ---------- 301-320

यूजीसी NTA नेट दर्शनशास्त्र : नवीन पाठ्यक्रम

इकाई–I : पारम्परिक भारतीय ज्ञान मीमांसा और तत्व मीमांसा

- **वैदिक एवं औपनिषदिक :** ऋत – विश्व व्यवस्था, दैवी एवं मानवीय परिक्षेत्र, यज्ञ (बलि) संस्थान की केन्द्रीयभूतता, सृष्टि सिद्धान्त, आत्मा, जाग्रत, स्वप्न, सुषुप्ति तथा तुरीय, ब्रह्म।
- **चार्वाक :** प्रत्यक्षमात्र प्रमाण, अनुमान एवं शब्द की समीक्षा, उपोत्पाद के रूप में चेतना।
- **जैनदर्शन :** सत्ता (Satta) की अवधारणा–सत्, द्रव्य, गुण, पर्याय, जीव, अजीव, अनेकांतवाद, स्याद्वाद तथा नयवाद, ज्ञानमीमांसा।
- **बौद्धधर्म :** चार आर्य सत्य, अष्टांगिक मार्ग, ब्राह्मण एवं भ्रमण परम्परा में भेद, प्रतीत्य समुत्पाद, क्षणभंगवाद, अनात्मवाद। बौद्धदर्शन के सम्प्रदाय, वैभाषिक, सौत्रांतिक, योगाचार माध्यमिक तथा तिब्बती बौद्धदर्शन।
- **न्याय :** प्रमा तथा अप्रमा, प्रमाण के सिद्धान्त, प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान एवं शब्द। हेत्वाभास। ईश्वर की अवधारणा। बौद्ध और न्याय की प्रमाण व्यवस्था तथा प्रमाण संप्लव के विषय में विवाद। अन्यथाख्याति।
- **वैशेषिक :** पदार्थ की अवधारणा तथा इसके प्रकार, असत्कार्यवाद, कारण के प्रकार, समवायि, असमवायी, तथा निमित्त कारण, परमाणुकारणवाद।
- **सांख्य :** सत्कार्यवाद, प्रकृति और उसके उद्‌भूत, प्रकृति के अस्तित्व की सिद्धि हेतु युक्तियाँ, पुरुष का स्वरूप, पुरुष के अस्तित्व और बहुलता के लिए युक्तियाँ, पुरुष और प्रकृति के बीच संबंध, निरीश्वरवाद।
- **योग :** पतंजलि द्वारा प्रतिपादित प्रमाण का सिद्धान्त, चित्त की अवधारणा और चित्तवृत्तियाँ, चित्तभूमियाँ, योग में ईश्वर की भूमिका।
- **पूर्व-मीमांसा :** प्रामाण्यवाद : स्वतःप्रामाण्यवाद तथा परतःप्रामाण्यवाद, श्रुति तथा इसका महत्व, श्रुति-वाक्यों का वर्गीकरण, विधि, निषेध और अर्थवाद, धर्म, भावना, शब्द-नित्यवाद, जाति, शक्तिवाद, मीमांसा के कुमारिल एवं प्रभाकर सम्प्रदाय तथा उनके प्रमुख मतभेद, त्रिपुटी – संबित, ज्ञातता, अभाव और अनुपलब्धि, अन्विताभिधानवाद, अभिहितान्वयवाद, भ्रम के सिद्धान्तः अख्याति, विपरीत ख्याति, निरीश्वरवाद।
- वेदान्तः
- **अद्वैत :** ब्रह्म, ब्रह्म और आत्मा के बीच सम्बन्ध, सत्ता त्रैविध्य, अध्यास, माया, जीव, विवर्तवाद, अनिवर्चनीय-ख्याति।
- **विशिष्टाद्वैत :** सगुण ब्रह्म, माया का निराकरण, अपृथकसिद्धि, परिणामवाद, जीव, भक्ति एवं प्रपत्ति, ब्रह्म-परिणामवाद सत्ख्याति।
- **द्वैत :** निर्गुण ब्रह्म तथा माया का निराकरण, भेद तथा साक्षी, भक्ति।
- **द्वैताद्वैत :** ज्ञानस्वरूप की अवधारणा, निर्जीव के प्रकार
- **शुद्धाद्वैत :** अविकृत-परिणामवाद की अवधारणा।

इकाई–II : पारम्परिक पाश्चात्य दर्शन : प्राचीन, मध्यकालीन तथा आधुनिक : ज्ञान मीमांसा तथा तत्व मीमांसा

- **सुकरात-पूर्व दार्शनिक :** थेल्स, अनेक्सागोरस, अनाक्जमेनीज, आयोनियन्स, पायथागोरस, पारमेनाइडीज, हेराक्लिटस और डेमॉक्रिटस।

सोफिस्ट और सुकरात

प्लेटो और अरस्तू :

- **प्लेटो :** ज्ञान मीमांसा, ज्ञान और मत, प्रत्यय के सिद्धान्त, द्वन्द्वात्मक पद्धति, आत्मा और ईश्वर।
- **अरस्तू :** विज्ञानों का वर्गीकरण, सैद्धान्तिक, व्यावहारिक तथा उत्पादक, अन्वीक्षिकी के रूप में तर्कशास्त्र, प्लेटो के प्रत्यय सिद्धान्त की मीमांसा, कारणता का सिद्धान्त, आकार एवं जड़ द्रव्य, संभाव्यता एवं वास्तविकता, आत्मा और ईश्वर।

मध्यकालीन दर्शन :

- **संत ऑगस्टाइन :** अशुभ की समस्या
- **संत एन्सेल्म :** सत्तामूलक तर्क
- **संत थॉमस एक्विनास :** आस्था और तर्कबुद्धि, सार एवं अस्तित्व, ईश्वर का अस्तित्व।

आधुनिक पाश्चात्य दर्शन

- **डेकार्त :** दार्शनिक पद्धति की संकल्पना, सत्य की कसौटी, संदेह तथा संशय-पद्धति, 'कोजिटो इर्गो सम', जन्मजात संप्रत्यय, देकार्तवादी द्वैतवाद मन तथा जड़ द्रव्य, ईश्वर के अस्तित्व हेतु प्रमाण, क्रिया-प्रतिक्रिया वाद।
- **स्पिनोजा :** द्रव्य, गुण व पर्याय, ईश्वर अथवा प्रकृति की अवधारणा, ईश्वर के प्रति बौद्धिक प्रेम, समानांतरवाद, सर्वेश्वरवाद, ज्ञान के तीन स्तर।
- **लाइबनित्ज :** चिद्‌णुवाद, तर्कबुद्धि और तथ्य के सत्य, प्रत्ययों की जन्मजातता, ईश्वर के अस्तित्व के लिए प्रमाण, अव्याघात, पर्याप्त कारण और अदृश्यों के अभेद के सिद्धांत, पूर्व-स्थापित सामंजस्य का सिद्धान्त, स्वतंत्रता की समस्या।
- **लॉक :** प्रत्यय तथा उनका वर्गीकरण, सहज प्रत्ययों का खण्डन, द्रव्य सिद्धांत, प्राथमिक एवं गौण गुणों के बीच अन्तर, ज्ञानमीमांसा, ज्ञान के तीन स्तर।
- **बर्कले :** प्राथमिक तथा गौण गुणों का खंडन, अभौतिकवाद, अमूर्त प्रत्ययों की आलोचना, सत्ता-दृश्यता, अहंमात्रतावाद की समस्या, ईश्वर और आत्मा।
- **ह्यूम :** संस्कार एवं प्रत्यय, प्रत्ययों के संबंध से संबंधित ज्ञान तथा तथ्य से संबंधित ज्ञान, आगमन तथा कारणता, वाह्यजगत एवं आत्मा, वैयक्तिक अनन्यता, तत्वमीमांसा का खण्डन, संशयवाद, बुद्धि और वासनाएँ।
- **काण्ट :** समीक्षात्मक दर्शन, निर्णयों का वर्गीकरण, संश्लेषणात्मक प्रागनुभविक निर्णयों की संभावना कोपर्निकीय क्रान्ति, संवेदन-शक्ति के आकार, बुद्धि-विकल्प, बुद्धि-विकल्पों का तत्वमीमांसीय एवं अतीन्द्रिय निगमन, व्यवहार तथा परमार्थ, तर्कबुद्धि के प्रत्यय – आत्मा, ईश्वर तथा विश्व की समग्रता, परिकल्पनात्मक तत्व मीमांसा का खण्डन।
- **हेगल :** आत्मा की अवधारणा, द्वन्द्वात्मक प्रणाली, सत्, असत् तथा संभवन की अवधारणा, निरपेक्ष प्रत्ययवाद, स्वतंत्रता।

इकाई–III भारतीय नीतिशास्त्र

- पुरुषार्थ, श्रेयस तथा प्रेयस की अवधारणा
- वर्णाश्रम, धर्म, साधारण धर्म
- ऋण तथा यज्ञ, कर्त्तव्य की अवधारणा
- कर्मयोग, स्थितप्रज्ञ, स्वधर्म, लोकसंग्रह
- अपूर्व तथा अदृष्ट
- साध्य – साधन – इतिकर्त्तव्यता
- कर्म के नियम, नीतिपरक निहितार्थ
- ऋत और सत्य
- योग-क्षेम
- अष्टांग योग
- जैनवाद : संवर-निर्जरा, त्रि-रत्न, पंच-व्रत
- बौद्धवाद : उपाय कौशल, ब्रह्मविहार : मैत्री, करुणा, मुदिता, उपेक्षा, बोधिसत्व
- चार्वाक का सुखवाद

इकाई–IV पाश्चात्य नीतिशास्त्र

- प्रयोजनवादी तथा अप्रयोजनवादी सिद्धान्तों में प्रतिपादित शुभ, अधिकार, न्याय, कर्त्तव्य, दायित्व, मूल सदगुण, आत्म-पूर्णतावाद तथा अन्तःप्रज्ञा की संकल्पनाएँ।
- अहंवाद, परार्थवाद, सार्वभौमिकवाद
- व्यक्तिनिष्टतावाद, सांस्कृतिक सापेक्षतावाद, अति-प्रकृतिवाद
- नैतिक यथार्थ, अन्तःप्रज्ञावाद
- कांट द्वारा प्रतिपादित नैतिक सिद्धान्त, नैतिकता की पूर्व मान्यताएँ, शुभसंकल्प, निरपेक्ष आदेश, कर्त्तव्य, साधन और साध्य, सूक्तियाँ।
- उपयोगितावाद : उपयोगिता का सिद्धान्त, नैतिकता को संस्वीकृत करने तथा न्यायसंगत ठहराने की समस्या, उपयोगितावाद के प्रकार, बेंथम, जे.एस. मिल, सिडविक, बर्नर्ड विलियम्स के नैतिक सिद्धान्त।
- दंड के सिद्धांत
- नैतिक संज्ञानवाद तथा असंज्ञानवाद, संवेगवाद, आदेशवाद, वर्णनवाद।

इकाई–V समकालीन भारतीय दर्शन

- **विवेकानन्द :** व्यावहारिक वेदान्त, सार्वभौमिक धर्म, धार्मिक अनुभव, धार्मिक अनुष्ठान
- **श्री अरविन्द :** विकास, मन एवं अतिमनस, समग्र योग

- **इकबाल :** आत्म, ईश्वर, मानव तथा अतिमानव, बुद्धि तथा अन्तःप्रज्ञा
- **टैगोर :** मानवधर्म, शिक्षा सम्बन्धी विचार, राष्ट्रवाद की अवधारणा
- **के सी भट्टाचार्य :** विचारों में स्वराज, दर्शन की अवधारणा, स्वतंत्रता के रूप में ज्ञाता, मायावाद
- **राधाकृष्णन :** बुद्धि तथा अन्तःप्रज्ञा, जीवन का आदर्शवादी दृष्टिकोण, सार्वभौमिक धर्म की संकल्पना, जीवन के प्रति हिन्दू दृष्टिकोण
- **जे. कृष्णामूर्ति :** विचार, प्रत्यय, ज्ञात से स्वतंत्रता, आत्म का विश्लेषण, विकल्प विहीन जागरूकता
- **गाँधी :** सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, स्वराज, आधुनिक सभ्यता की समीक्षा
- **अम्बेडकर :** जाति का उच्छेदन, हिन्दूवाद का दर्शन, नवबुद्धवाद
- **डी डी उपाध्याय :** समग्र मानववाद, अद्वैत वैदान्त, पुरुषार्थ
- **नारायण गुरु :** आध्यात्मिक स्वतंत्रता और सामाजिक समानता, एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर
- **तिरुवल्लूर :** तिरुक्कुरल
- **जोतिबा फूले :** जाति व्यवस्था का महत्वपूर्ण बोध
- **एम एन राय :** उग्र मानवतावाद, भौतिकवाद
- **मौलाना आजाद :** मानवतावाद

इकाई–VI समकालीन पाश्चात्य दर्शन

विश्लेषणात्मक एवं महाद्वीपीय दर्शन

- **फ्रेगे :** अर्थ और संदर्भ
- **तार्किक प्रत्यक्षवाद :** अर्थ का सत्यापन सिद्धांत, तत्व मीमांसा का निरसन, दर्शन की अवधारणा
- **मूर :** अर्थ एवं संदर्भ के बीच अन्तर, प्रत्ययवाद का खण्डन, सामान्य बुद्धि के पक्ष में तर्क, बाह्य-विश्व का प्रमाण
- **रसेल :** तार्किक अणुवाद, निश्चयात्मक वर्णन, प्रत्ययवाद का खण्डन
- **विट्गेस्टाइन :** भाषा और सत्ता, तथ्य और चीजें, नाम तथा प्रतिज्ञप्ति, निजी भाषा की आलोचना, अर्थ तथा प्रयोग, जीवन के आकार, दर्शन की धारणा, विट्गेस्टाइन का आस्थावाद, ऑन सर्टेंटी
- **गिल्बर्ट राइल :** योजनाबद्ध भ्रामक अभिव्यक्तियाँ, कोटि-दोष, मन की अवधारणा, देकार्तवादी द्वैतवाद की मीमांसा
- **ए जे ऐयर :** ज्ञान की समस्या
- **डब्ल्यू वी ओ क्वाइन :** अनुभववाद की दो हटधर्मिताएँ
- **एच पी ग्राइस तथा पी एफ स्ट्रासन :** हटधर्मिता सिद्धांतों की रक्षा

संवृत्तिशास्त्र एवं अस्तित्ववाद

- **हुसर्ल :** सांवृत्तिक पद्धति, दर्शनशास्त्र एक दृढ़ विज्ञान के रूप में, विषय-सापेक्षता, सांवृत्तिक अपचयन, अन्तर्विषयता
- **हाईडेगर :** मानव-अस्तित्व (डासीन) की अवधारणा, विश्व में सत् के रूप में मनुष्य, प्रौद्योगिकीय सभ्यता की आलोचना
- **किर्केगार्ड :** सत्य के रूप में आत्मनिष्ठता, आस्था की छलाँग
- **सार्त्र :** स्वतंत्रता की अवधारणा, गन्दी आस्था, मानवतावाद
- **मार्ले पोंटी :** प्रत्यक्ष बोध, अन्तर्भूत चेतनता

अर्थक्रियावाद

- **विलियम जेम्स :** अर्थ तथा सत्य के अर्थक्रियावादी सिद्धान्त, धार्मिक अनुभव के विविध प्रकार
- **जॉन डी वी :** सत्य की अवधारणा, सर्वनिष्ठ आस्था, शिक्षा

उत्तर आधुनिकतावाद :

- **नीत्शे :** प्रबुद्धता की समालोचना, शक्ति का संकल्प, नैतिकता की वंशावली
- **रिचर्ड रॉर्टी :** प्रतिनिधित्ववाद की आलोचना, ज्ञान-मीमांसीय विधि के विरुद्ध, उपदेशात्मक (इडिफायिंग)

दर्शन :

- **इम्मेनुअल लेविनस :** नैतिकता प्रथम दर्शन के रूप में, 'अन्य' का दर्शन

इकाई–VII सामाजिक तथा राजनीतिक दर्शन : भारतीय

- **महाभारत :** दण्ड नीति, आधार, राजधर्म, कानून और प्रशासन, राजा युधिष्ठर को नारद के प्रश्न
- **कौटिल्य :** संप्रभुता, राज्य शिल्प के सात स्तम्भ, राज्य, समाज, सामाजिक जीवन, राज्य प्रशासन, राज्य की अर्थव्यवस्था, विधि और न्याय, आन्तरिक सुरक्षा, कल्याण और विदेश नीति
- **कामन्दकीय :** सामाजिक व्यवस्था और राज्य के तत्व, संवैधानिक नैतिकता, धर्म निरपेक्षता और मौलिक अधिकार संविधानवाद, पूर्ण क्रांतिवाद, आतंकवाद, स्वदेशी, सत्याग्रह, सर्वोदय, सामाजिक लोकतंत्र, राज्य का समाजवाद, सकारात्मक क्रिया, सामाजिक न्याय
- **सामाजिक संस्थाएँ :** परिवार, विवाह, सम्पत्ति, शिक्षा और धर्म उपनिवेशवाद

इकाई–VIII सामाजिक और राजनीतिक दर्शन : पाश्चात्य

- **प्लेटो :** आदर्श राज्य तथा न्याय
- **लॉक, हाब्स, रूसो :** सामाजिक संविदा सिद्धान्त
- **एसाय बर्लिन :** स्वतंत्रता की अवधारणाएँ
- **बर्नार्ड विलियम्स :** समानता का विचार
- **उदारतावाद : राल्स :** वितरणात्मक न्याय, नॉजिक : पात्रता के रूप में न्याय, डोर्किन : समानता के रूप में न्याय, अमर्त्य सेन : वैश्विक न्याय, स्वतंत्रता तथा सक्षमता
- **मार्क्सवाद :** द्वंद्वात्मक भौतिकवाद, परकीयन, पूंजीवाद की आलोचना, वर्ग संघर्ष और वर्गहीन समाज का सिद्धांत
- **समुदायवाद :** स्व-उदार की समुदायपरक आलोचना, सार्वभौमिकवाद बनाम विशेषवाद चार्ल्स टेलर का सिद्धान्त, मैकइंटायर, माइकेल संडल का सिद्धान्त
- **बहुसंस्कृतिवाद : चार्ल्स टेलर :** पहचान की राजनीति, विल किमलिका, अल्पसंख्यक अधिकार की अवधारणा
- **नारीवाद :** मूलभूत संकल्पनाएँ, पितृतंत्र, नारी द्वेष, लिंग, नारीवाद के सिद्धान्त, उदारतावादी, समाजवादी, उग्रवादी तथा पारिस्थितिकीय-नारीवाद।

इकाई–IX तर्कशास्त्र

- सत्य और वैधता
- वस्तवर्थ और गुणार्थ प्रतिज्ञप्तियों की प्रकृति
- निरपेक्ष न्याय वाक्य
- विचार के नियम
- प्रतिज्ञप्तियों का वर्गीकरण
- परम्परागत विरोध वर्ग
- सत्यता-फलन तथा प्रतिज्ञप्तिपरक तर्कशास्त्र
- परिमाणन और परिमाणन के नियम
- प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र : प्रतीकों का प्रयोग
- निर्णय प्रक्रियाएँ : सत्यता सारिणी, युक्तियों की वैधता के परीक्षण हेतु सत्यता सारिणियों का प्रयोग
- वेन आरेख, अनौपचारिक एवं औपचारिक तर्क दोष
- वैधता का परीक्षण तथा युक्ति और युक्ति आकार
- स्वयं सिद्धि प्रणाली, संगति, पूर्णता
- निगमनात्मक एवं आगनात्मक तर्कशास्त्र में भेद

इकाई–X अनुप्रयुक्त दर्शन शास्त्र

अनुप्रयुक्त दर्शन शास्त्र क्या है?

- **प्रौद्योगिकी का दर्शन :** प्रौद्योगिकी, प्रभुत्व, शक्ति तथा सामाजिक असमानताएँ, प्रौद्योगिकियों का लोकतन्त्रीयकरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का लोक मूल्यांकन, सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और अप्रौद्योगिकी का नीतिशास्त्रीय निहितार्थ।
- **पर्यावरणीय नीतिशास्त्र :** साधन अथवा साध्य के रूप में प्रकृति, आल्डो-लियोपोल्ड : भूनीतिशास्त्र, अर्नेनैस : गहन पारिस्थितिकी, पीटर सिंगर : जानवरों के अधिकार।
- **आयुर्विज्ञान का नीतिशास्त्र :** स्थानापन्न मातृत्व, चिकित्सक-मरीज संबंध, गर्भपात, इच्छामृत्यु, कन्या भ्रूण हत्या।
- **व्यावसायिक नीतिशास्त्र :** व्यवसायिक प्रशासन तथा नैतिक उत्तरदायित्व।
- **मीडिया नीतिशास्त्र :** निजीगोपनीयता, साइबर स्पेस, अश्लील विवरण (पोर्नोग्राफी) से सम्बन्धित नैतिक मुद्दे, प्रतिनिधित्व तथा मतभेद, पार्श्वीकरण।
- **विधिक नीतिशास्त्र :** विधि और नैतिकता, विधिक दायित्व, विधि का प्राधिकार और अधिमान्यता।
- **दार्शनिक परामर्शन :** दैनिक समस्याओं का प्रबन्धन।

NTA यू.जी.सी. नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2023

दर्शनशास्त्र (PHILOSOPHY)

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल (परीक्षा तिथि : 08.12.2023)

1. Which one among the following is accepted by Immanuel Kant as moral imperative?
निम्नलिखित में से कौन-सा एमानुएल कांट द्वारा नैतिक नियोग/आदेश के रूप में स्वीकार्य है?

(a) Hypothetical Imperative/सापेक्ष नियोग/आदेश
(b) Categorical Imperative/निरपेक्ष नियोग/आदेश
(c) Scientific imperative/वैज्ञानिक नियोग/आदेश
(d) Assertorial Imperative/स्वीकारात्मक नियोग/आदेश

Ans. (b) : निरपेक्ष नियोग/आदेश एमानुएल कांट द्वारा नैतिक नियोग आदेश के रूप में स्वीकार्य है। पश्चिमी दर्शन में निरपेक्षवादी या कर्तव्यवाद नीतिमीमांसा का चरम विकास कांट के दर्शन में हुआ है। उनके नैतिक सिद्धान्त को निरपेक्ष आदेश का सिद्धान्त कहा जाता है। इस सिद्धान्त का सार यह है कि नैतिकता न तो मनुष्य की इच्छाओं व भावनाओं से सम्बन्धित होती है और न ही कार्यों के परिणामों से। नैतिकता का एकमात्र संबंध कर्तव्य की चेतना से होता है।

2. Kant claims that the moral law is given to each person by :/कांट का मत है नैतिक विधि प्रत्येक व्यक्ति को निम्नलिखित के द्वारा प्रदत्त है :

(a) Law of state/राज्य की विधि
(b) Constitution of the state/राज्य का संविधान
(c) One's own will/किसी व्यक्ति का स्वयं का संकल्प
(d) Will of the other/किसी अन्य व्यक्ति का संकल्प

Ans. (c) : कांट का मत है कि नैतिक विधि प्रत्येक व्यक्ति को उसके स्वयं के संकल्प द्वारा प्रदत है। कांट के अनुसार, सभी व्यवहारिक बौद्धिक प्राणियों के नैतिक नियम केवल अभिकर्ता की स्वायता स्वतंत्रता में निहित है। नैतिकता के स्रोत बौद्धिक प्राणी को बिना किसी वाह्य कारक से प्रभावित हुए स्वयं के लिए विधानों को बनाने की स्वतंत्रता की क्षमता में पाये जाते हैं।

3. In kant's epistemology, the concept of the thing-in-itself is something not knowable by the senses, but at least thinkable, is a :
कांट की ज्ञानमीमांसा में वस्तुनिजरूप (थिंग इन इटसेल्फ) की अवधारणा, जो इंद्रियों द्वारा अज्ञेय है, परन्तु कम से कम विचार योग्य है

(a) Limiting concept/सीमित करने वाली अवधारणा
(b) Liberating concept/मुक्तिदायी अवधारणा
(c) Paradoxical concept/विरोधाभासी अवधारणा
(d) Logical concept/तार्किक अवधारणा

Ans. (a) : कांट की सीमित करने वाली अवधारणा ज्ञानमीमांसा में वस्तुनिजरूप (थिंग इन इटसेल्फ) की अवधारणा जो इंद्रियों द्वारा अज्ञेय है, परन्तु कम से कम विचार योग्य है।

4. The objects of mathematical knowledge for Plato are :/प्लेटो के अनुसार गणितीय ज्ञान का विषय क्या है?

(a) Sensible particulars/संवेदय विशिष्ट
(b) Real universals/यथार्थ सामान्य
(c) Intelligible particulars/बुद्धिगम्य विशिष्ट
(d) Addable numbers/योगयोग्य संख्याएँ

Ans. (c) : प्लेटों के अनुसार गणितीय ज्ञान का विषय बुद्धिगम्य है। प्लेटो ग्रीस के एक ऐसे महान दार्शनिक हुए है, जिनके विचारों की झलक उनके बाद आए लगभग सभी दार्शनिकों के विचारों मं देखने को मिलता है। प्लेटों ने बुद्धिवाद और ज्ञान की वस्तुनिष्ठा को स्वीकार किया।

5. Which one of the following statements is not true according to the Philosophy of Vivekananda?/निम्नलिखित कथनों में कौन-सा कथन विवेकानंद के दर्शन के अनुसार सत्य नहीं है?

(a) There is identical relationship between soul and God./आत्मा एवं ईश्वर में अभेद संबंध है।
(b) Vivekananda's Philosophy is called Neo-Vedanta./विवेकानन्द के दर्शन को नव्य-वेदान्त कहा जाता है।
(c) The world is totally different from God. जगत पूरी तरह से ईश्वर से भिन्न है।
(d) Maya is ground of the creation of the world. संसार की उत्पत्ति का आधार माया है।

Ans. (c) : जगत पूरी तरह से ईश्वर से भिन्न है, यह कथन विवेकानन्द के दर्शन के अनुसार सत्य नहीं है। उनके दर्शन के अनुसार आत्मा एवं ईश्वर में अभेद संबंध है। उनके दर्शन को नव्य वेदान्त कहा जाता है। उनके अनुसार संसार की उत्पत्ति का आधार माया है। विवेकानंद ने आन्तरिक शुद्धता एवं आत्मा की एकता के सिद्धान्त पर आधारित नैतिकता की नवीन अवधारणा प्रस्तुत की। विवेकानन्द की शिक्षाओं पर उपनिषद, गीता के दर्शन, बुद्ध एवं ईसा मसीह के उपदेशों का प्रभाव है।

6. Which one of the following statements regarding Shankara's concept of Maya is not true?
शंकर की 'माया' सम्बन्धी अवधारणा के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सत्य नहीं है?

(a) It is inherent power of potency of Brahman. यह ब्रह्म की अन्तर्निहित शक्ति है
(b) It is Spiritual and self-conscious. यह आध्यात्मिक और आत्म-चेतन है
(c) It is beginningless/यह अनादि है
(d) It is indescribable and indefinable यह अवर्णनीय और अपरिभाष्य है

Ans. (b) : शंकर की 'माया' सम्बन्धी अवधारणा के सम्बन्ध में यह आध्यात्मिक और आत्म-चेतन है' कथन सत्य नहीं है। शंकर के अनुसार माया ब्रह्म की अन्तर्निहित शक्ति है। यह अनादि है। यह अवर्णनीय और अपरिभाष्य है।

7. "Being is what it is not and is not what it is"– this statement is associated with the philosophy of/''सत वह है जो वह नहीं है और जो वह नहीं है वह वो है'' यह वाक्य सम्बंधित है किसके दर्शन से-

(a) Beauvoir/बुव्वा (b) Kierkegaard/किर्केगार्ड
(c) Sartre/सार्त्र (d) Nietzche/नीत्शे

Ans. (c) : 'संत वह है जो वह नहीं है और जो वह नहीं है वह वो है' वह वाक्य संबंधित है सार्त्र के दर्शन से। ज्यां पाल सार्त्र एकल व्यक्तिवादी, प्रकृति और मानव अस्तित्व में क्रमों की क्षणिक निश्चितता, असम्बद्धता और अपूर्णता की एक सैद्धांतिकी निर्मित करने वाले दार्शनिक है।

8. The claim that philosophy is a rigorours a science from its earliest beginnings is a position that is denied by/अपनी सबसे प्रारम्भिक शुरुआतों के समय से ही दर्शनशास्त्र को एक कठोर विज्ञान के रूप में मानने के दावे को अस्वीकार करते है?

(a) Descrates/देकार्त (b) Husserl/हुर्सत
(c) Heideggar/हाइडेगर (d) Merleu-Ponty/मॉर्लो पन्ती

Ans. (b) : आस्ट्रियाई-जर्मन दार्शनिक एवं गणितज्ञ एडमंड हुसर्ल अपने प्रारम्भिक समय से ही दर्शनशास्त्र को एक कठोर विज्ञान के रूप में मानने के दावे को अस्वीकार करते हैं।

9. Humans for sartre are free because their being is based on./सार्त्र के अनुसार मनुष्य स्वतंत्र है क्योंकि उनका सत होना निम्न पर आधारित है?

(a) A living body/एक जीवंत शरीर
(b) Annihilation of being in itself
स्वयं में सत का निषेध (इनहेलेशन)
(c) Surrender before being in itself
स्वयं में सत के समक्ष समर्पण
(d) Its relation to itself is primitive
स्वयं के साथ इसका सम्बंध आदिम है

Ans. (b) : ज्यां-पाल सार्त्र आस्तित्ववाद के पहले विचारकों में से माने जाते है। उनके अनुसार मनुष्य स्वतंत्र है क्योंकि उनका सत् होना स्वयं में सत के निषेध (इनहेलेशन) पर आधारित है।

10. Which one of the following schools of Indian philosophy does not support Parinam vada?
भारतीय दर्शन के निम्नलिखित मतों में से कौन परिणामवाद का समर्थन नहीं करता?

(a) Samkhya/सांख्य (b) Yoga/योग
(c) Ramanuja/रामानुज (d) Nyaya/न्याय

Ans. (d) : भारतीय दर्शन के न्यायमत परिणामवाद का समर्थन नहीं करता। न्याय दर्शन के प्रवर्तक ऋषि गौतम है। न्याय का शाब्दिक अर्थ तर्क या निर्णय है। यह भारतीय दर्शन में ज्ञानमीमांसा की दृष्टि से सर्वाधिक महत्वपूर्ण दर्शन है।

11. Which one of the following statements is not true according to Samkhya philosophy?
सांख्य दर्शन के अनुसार निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सत्य नहीं है?

(a) Purusa is itself pure and transcendeutal consciousness/पुरुष स्वयं विशुद्ध और इंद्रियातीत चेतना है
(b) Purusa is principle of pure consciousness
पुरुष विशुद्ध चेतन का प्रधान है
(c) Purusa is the ultimate knower/पुरुष परम ज्ञाता है
(d) Purusa is a by-product of matter
पुरुष पुद्गल का एक उप-उत्पाद है

Ans. (d) : सांख्य दर्शन के अनुसार पुरुष पुद्गल का एक उत्पाद है, सत्य नहीं है। सांख्य दर्शन के सन्दर्भ में सत्य कथन यह है कि पुरुष स्वयं विशुद्ध और इंद्रियातीत चेतना है। पुरुष विशुद्ध चेतन का प्रधान है। पुरुष परम ज्ञात है।

12. Which one of the following views is acceptable to Charvaka regarding Vyapti?
'व्याप्ति' के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन-से दृष्टिकोण चार्वाक को स्वीकार्य है-

(a) 'Vyapti's is universal and invariable relationship between middle term and major term./'व्याप्ति' सार्वभौमिक है और मध्यम पद (हेतु) एवं मुख्य (साध्य) पद के बीच अपरिवर्तनीय सम्बन्ध है
(b) 'Vyapti' cannot be proved by perception or inference or testimony/'व्याप्ति' को प्रत्यक्ष से या अनुमान से या साक्ष्य से सिद्ध नहीं किया जा सकता
(c) Vyapti' is universal and invariable relationship between major term and middle term.
'व्याप्ति' सार्वभौमिक है और मुख्य पद (साध्यपद) तथा मध्यम पद (हेतु) के बीच अपरिवर्तनीय संबंध है
(d) Vyapt' is universal and invariable relationship between major term and minor term.
'व्याप्ति' सार्वभौमिक है और मुख्य-पद (साध्यपद) तथा अमुख्य (पक्ष पद) के बीच अपरिवर्तनीय संबंध है

Ans. (b) : व्याप्ति के सम्बन्ध में व्याप्ति को प्रत्यक्ष से या अनुमान से या साक्ष्य से सिद्ध नहीं किया जा सकता है। यह मत चार्वाक को स्वीकार्य है। चावकि दर्शन में प्रत्यक्ष को छोड़कर अनुमान आदि को प्रमाण नहीं माना गया है। चूँकि शरीर से पृथक आत्मा नामक किसी वस्तु का प्रत्यक्ष नहीं होता है। इसलिए आत्मा के लिए इस दर्शन में कोई स्थान नहीं है।

13. Which one of the following views regarding 'Samavaya has been propounded by Vaisesika?
समवाय के बारे में निम्नलिखित मतों में से किसका प्रतिपादन वैशेषिक द्वारा किया गया है?

(a) Samavaya is separable and transient relation
समवाय वियोज्य और अस्थायी संबंध है
(b) Samavaya is separable and inseparable relation/समवाय वियोज्य और अवियोज्य संबंध है
(c) Samavaya is inseparable relation
समवाय अवियोज्य संबंध है
(d) Samavaya is accidental relation
समवाय आकस्मिक संबंध है

Ans. (c) : समवाय के सम्बन्ध में वैशेषिक का मत है कि समवाय अवियोज्य संबन्ध है। वैशेषिक दर्शन में समवाय को पदार्थ माना गया है। इसके अनुसार समवाय सम्बन्ध का ज्ञान प्रत्यक्ष नहीं कर सकते, इसका ज्ञान केवल वस्तुओं के प्रथम न होने वाले सम्बन्ध से अनुमान द्वारा कर सकते हैं।

14. According to whom 'Truth' is Human truth.
'सत्य, मानव सत्य है' यह किसका कथन है?

(a) Jyotiba Phule/ज्योहितबा फुले
(b) Mahatma Gandhi/महात्मा गांधी
(c) J. Krishnamurti/जे. कृष्णमूर्ति
(d) Rabindra Nath Tagore/रबिन्द्रनाथ टैगोर

Ans. (d) : सत्य मानव सत्य है, यह रविन्द्रनाथ टैगोर का मत है। रवीन्द्रनाथ टैगोर एक दार्शनिक, चित्रकार, कवि, मानवतावादी, कहानीकार और उपन्यासकार थे। उनकी सबसे लोकप्रिय रचना गीतांजलि रही जिसके लिए 1913 में उन्हें नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया।

15. Moral evils cannot mar the beauty of universal creation, since it springs from the will of man or of fallen angels, it merely represents a privation of good (Privation boni). Who says so?/किसने कहा था कि 'नैतिक अशुभ (अनिष्ट) सार्वभौम सृजन के सौंदर्य को विकृत नहीं कर सकते क्योंकि यह मनुष्य या पतित देवदूतों की इच्छा-शक्ति से उद्भूत हुआ है, यह शुभ के अभाव (प्राइवेशन बोनी) का प्रतिनिधित्व मात्र करता है?

(a) Marcus Aurelieus/मार्कस आरेलियस
(b) St. Augustine/सेंट ऑगस्टीन
(c) St. Anselm/सेंट एन्सेल्म
(d) St. Thomes Aqvinas/सेंट थामस एक्विनास

Ans. (b) : सेंट ऑगस्टीन ने कहा था कि नैतिक अशुभ (अनिष्ट सार्वभौम सृजन के सौन्दर्य को विकृत नहीं कर सकते क्योंकि यह मनुष्य या पतित देवताओं की इच्छा-शक्ति से उद्भूत हुआ है, यह शुभ के अभाव का प्रतिनिधित्व मात्र करता है।

16. The term 'Infosphere' is an idea associated with :/'इन्फोस्फेयर' नामक पद का विचार किससे संबंधित है

(a) Herman T. Tavani/हरमन टी. टवानी
(b) David F. Noble/डेविड एफ. नोबल
(c) Luciano Floridi/लूसियानो फ्लोरिदी
(d) Martin Heideggar/मर्टिन हाइडेगर

Ans. (c) : इन्फोस्फेयर नामक पद का विचार लूसियानी फ्लोरिदी से सम्बन्धित है।

17. "Women are not born, but made, "The above mentioned statement has been asserted by : 'औरतें पैदा नहीं होती हैं, बल्कि बनायी जाती है'' उपर्युक्त कथन का दावा किसने किया?

(a) Mary Wolstencraft/मैरी वुल्सटेनक्राफ्ट
(b) Simone De Beauvoir/सिमोन दी बुव्वा
(c) Mary Fleming/मेरी फ्लेमिंग
(d) John Stuart Mill/जॉन स्टूअर्ट मिल

Ans. (b) : सिमोन दी बोउवार का कथन है कि औरत पैदा नहीं होती बल्कि बनायी जाती है। सिमोमन दी बोउवाद फ्रांसीसी लेखिका, नारीवादी, सामाजिक सिद्धान्तकारी और अस्तित्ववादी दार्शनिक थे।

18. Which method of causal analysis of NOT eliminative in nature?/कारणात्मक विश्लेषण की कौन-सी पद्धति विलोपनात्मक (इलीमिनेटिव) प्रकृति की नहीं है?

(a) Method of Agreement/अन्वय विधि
(b) Method of Difference/व्यतिरेक विधि
(c) Method of Residues/अवशेष विधि
(d) Method of Concomitant Variation
सहपरिवर्तन विधि

Ans. (d) : कारणात्मक विश्लेषण की सहपरिवर्तन विधि विलोपनात्मक प्रकृति की नहीं है। सह परिवर्तन विधि के अनुसार, ''यदि एक घटना किसी अन्य घटना के साथ-साथ किसी विशिष्ट प्रकार से परिवर्तित होती है तो वह दूसरी घटना या तो कारण है या कार्य है या किसी अन्य प्रकार से उससे कारण सम्बन्ध से सम्बन्धित होती है।

19. Which one of the following statements is not correct according to Iqbal :/इकबाल के अनुसार निम्न में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है?

(a) Creation and God are Ego-nature.
सृष्टि और ईश्वर अहम् प्रकृति है
(b) Reconstruction of Islamic Truth
इस्लामिक सत्य की पुनर्संचना
(c) Introspection is immedioacy
अन्तर्अनुभूति तात्कालिक है
(d) Islam believers in polytheism
इस्लाम, अनेकेश्वरवाद में विश्वास करता है

Ans. (d) : इकबाल के अनुसार इस्लाम, अनेकेश्वरवाद में विश्वास करता है, यह कथन सत्य नहीं है। इकबाल के अनुसार सृष्टि और ईश्वर अहम प्रकृति है। इस्लामिक सत्य की पुनर्संचना है। अन्तर्अनुभूति तात्कालिक है।

20. Some German Shepherds are not good hunters.
कुछ जर्मन शेफर्ड अच्छे शिकारी नहीं है
All German Shepherds are gentle dogs.
सारे जर्मन शेफर्ड विनम्र कुत्ते है
Therefore, no gentle dogs are good hunters.
इसलिए कोई भी विनम्र कुत्ता अच्छा शिकारी नहीं है
Identify the fallacy that is committed in the above invalid syllogism :
उपर्युक्त अवैध न्याय वाक्य में कौन-सा दोष है?

(a) Fallacy of the undistributed middle
अव्याप्त हेतु दोष
(b) Fallacy of the Illicit Major
अवैध मुख्य पद (बृहत-पद) दोष
(c) Fallacy of the Illicit Minor
अवैध अमुख्य पद (लघु-पद) दोष
(d) Fallacy of Exclusive Premises
ऐकान्तिक आधारिका दोष

Ans. (c) : कुछ जर्मन शेफर्ड अच्छे शिकारी नहीं हैं। सारे जर्मीन शेफर्ड विनम्र कुत्ते हैं। इसलिए कोई भी विनर्म कुत्ता अच्छा शिकारी नहीं है। उपर्युक्त अवैध न्यायवाक्य में अवैध अमुख्य पद (लघु पद) दोष है।

21. In traditional square of opposition, the superaltern of the proposition, "Some scientists are Mathematicians" are as follows–/परापंरागत विरोध वर्ग में तर्कवाक्य 'कुछ वैज्ञानिक, गणितज्ञ है' का उपाश्रयण निम्नलिखित होगा :-

(a) Some Scientists are not Mathematicians
कुछ वैज्ञानिक, गणितज्ञ नहीं है
(b) All Scientists are Mathematicians
सभी वैज्ञानिक गणितज्ञ है
(c) No Scientists are Mathematician
कोई वैज्ञानिक गणितज्ञ नहीं है
(d) Some Scientists are Mathematician
कुछ वैज्ञानिक गणितज्ञ है

Ans. (b) : परम्परागत विरोध वर्ग में तर्कवाक्य कुछ वैज्ञानिक गणितज्ञ है का उपाश्रयण होगा ''सभी वैज्ञानिक गणितज्ञ है।''

22. Which one of the following is a believer in 'Law as command'/निम्नलिखित में से कौन ''आदेश के रूप में नियम'' में आस्था रखता है?

(a) H.L.A Hart/एच.एल.ए. हार्ट
(b) Thomas Aquinas/थॉमस एक्विनास
(c) J.L. Austin/जे.एल. आस्टिन
(d) Jeremy Bentham/जेरेमी बेन्थम

Ans. (c) : जे.एल. आस्टिन ''आदेश के रूप में नियम में आस्था'' रखता है। आस्टिन एक ब्रिटिश दार्शनिक थे। उनके विधि के आदेशात्मक सिद्धान्त के अनुसार विधि उचित या अनुचित पर आधारित न होकर सम्प्रभु के आदेशों पर आधारित है।

23. Which one of the following is not true according to Kamandaka?/कामांदक के अनुसार निम्नलिखित में क्या सत्य नहीं है?

(a) Mantra Shakti/मंत्र शक्ति
(b) Prabhav Shakti/प्रभाव शक्ति
(c) Utsah Shakti/उत्साह शक्ति
(d) Daivi Shakti/दैवी शक्ति

Ans. (d) : कामांदक के अनुसार दैवी शक्ति सत्य नहीं है।

24. The political ideology known as liberalism is Characterised by :/उदारवाद के नाम से जानी जाने वाली राजनैतिक विचारधारा की लाक्षणिक विशेषता निम्न है?

(a) Individuality and freedom
वैयक्तिकता और स्वतंत्रता
(b) Collectivism and equality/समूहवाद और समानता

(c) Individuality and equality
वैयक्तिकता और समानता

(d) Equality and freedom/समानता और स्वतंत्रता

Ans. (a) : उदारवाद के नाम से जानी जाने वाली राजनैतिक विचारधारा की लाक्षणिक विशेषता वैयक्तिकता और स्वतंत्रता है। उदारवाद व्यक्तिगत स्वतंत्रता, सहमति और समानता स्थापित करने वाली एक राजनीतिक और दार्शनिक विचारधारा है।

25. Who has asserted that reason dictates that there should be a state of peace and that every man should seek after peace?/किसने यह आग्रह किया कि तर्क बुद्धि यह आदेश देती है कि शांति की एक अवस्था होनी चाहिए और हर व्यक्ति को शांति की तलाश करनी चाहिए?

(a) Locke/लॉक (b) Rousseau/रूसो
(c) Hobbes/हॉब्स (d) Kant/कान्ट

Ans. (c) : हॉब्स ने आग्रह किया कि तर्क बुद्धि यह आदेश देती है कि शांति की एक अवस्था होनी चाहिए और हर व्यक्ति को शांति की तलाश करनी चाहिए। उनकी सबसे महानतम् रचना लेवियाथन (1651) है।

26. Who maintains that the nature of social contract indicates that absolute monarchy is inconsistent with civil society?/किसका मत है कि सामाजिक अनुबंध की प्रकृति यह संकेत करती है कि पूर्ण राजतंत्र नागरिक समाज के साथ असंगत है?

(a) Hobbes/हाब्स (b) Rousseau/रूसो
(c) Locke/लॉक (d) David Hume/डेविड ह्यूम

Ans. (c) : अमेरिकी दार्शनिक जॉन लॉक का मत है कि सामाजिक अनुबंध की प्रकृति यह संकेत करती है कि पूर्ण राजतंत्र नागरिक समाज के साथ असंगत है।

27. 'Individual cannot attain the good in isolation, but only in society, the mission of the state is to promote virtue and happiness' is the statement of/'व्यक्ति केवल समाज में रहकर ही शुभ की उपलब्धि कर सकता है, अलग रहकर नहीं, राज्य का मिशन सद्गुणों और प्रसन्नता का संवर्धन करना है'

(a) Aristotle/अरस्तू (b) Plato/प्लेटो
(c) Socrates/सुकरात (d) Protagoras/प्रोटागोरस

Ans. (b) : प्लेटों के अनुसार व्यक्ति केवल समाज में रहकर ही शुभ की उपलब्धि कर सकता है, अलग रहकर नहीं। राज्य का मिशन सद्गुणों और प्रसन्नता का संवर्धन करना है। प्लेटो द्वारा रचित ग्रन्थों की संख्या 36 या 38 मानी जाती है, किन्तु इनमें से प्रामाणिक ग्रन्थ केवल 28 ही है। उनकी रचनाएँ हैं- रिपब्लिक, अपॉलॉजी, प्रोटागोरस, स्टेट्समैन, सॉज आदि।

28. From any true substitution instance of a propositional function, we may validly inter the existential quantification of that propositional function. This effect comes from which quantification Rule/तर्कवाक्यीय फलन के किसी सत्य प्रतिस्थापन उदाहरण से, हम प्रामणिक तौर पर उस तर्कवाक्योय फलन का अस्तित्वमूल परिमाणन का अनुमान कर सकते है, यह प्रभाव, किस परिमाणन नियम से निगमित होता है

(a) Universal Instantiation/सार्वभौमिक दृष्टांतीरण
(b) Universal Generalization
सार्वभौमिक सामान्यीकरण
(c) Existential Instantiation/अस्तित्वमूलक दृष्टांतीकरण
(d) Existential Generalization
अस्तित्वमूलक सामान्यीकरण

Ans. (d) : तर्कवाक्यीय फलन के किसी सत्य प्रतिस्थापन उदाहरण से हम प्रमाणिक तौर पर उस तर्क वाक्योग फलन का आस्तित्वमूलक परिमाणन का अनुमान कर सकते है, यह प्रभाव आस्तित्व मूलक सामान्यीकरण परिमाणन नियम से निगमित होता है।

29. "The architype of extension and colour can exist only in some other mind, and the objects of senses are nothing but sensations combined, blended together in a concrete nexus.' This view is adhered to/यह दृष्टिकोण किसका है ''विस्तार और रंग का आद्यप्रारूप केवल किसी अन्य मन में अस्तित्वमान रह सकता है और इंद्रियों के विषय कुछ और नहीं, बल्कि सम्मिलित संवेदन है जो एक ठोस अभिबंध में एक साथ मिश्रित है'

(a) Descartes/देकार्त (b) Berkeley/बर्कले
(c) Leibunitz/लीबनिट्ज (d) Hume/ह्यूम

Ans. (b) : यह दृष्टिकोण बर्कले का है 'विस्तार और रंग का आद्यप्रारूप केवल किसी अन्य मन में आस्त्विमान रह सकता है और इंद्रियों के विषय कछ और नहीं'' बल्कि सम्मिलित संवेदन है जो एक ठोस अभिबंध में एक साथ मिश्रित है।

30. Which of the following is the correct conversion of the proposition, "No politicians are idealists"/निम्नलिखित में से कौन तर्क वाक्य ''काई राजनीतिज्ञ आदर्शवादी नहीं है'' का सही परिवर्तन है?

(a) All idealists are politicians
सभी आदर्शवादी राजनीतिज्ञ है
(b) No idealists are politicians
कोई आदर्शवादी राजनीतिज्ञ नहीं है
(c) Some idealists are politicians
कुछ आदर्शवादी राजनीतिज्ञ है
(d) Some idealists are not politicians
कुछ आदर्शवादी राजनीतिज्ञ नहीं है

Ans. (b) : 'कोई आदर्शवादी' राजनीतिज्ञ नहीं है' तर्क वाक्य कोई राजनीतिज्ञ आदर्शवादी नहीं है का सही परिवर्तन है।

31. Which one of the following statements is NOT true according to S. Radhakrishnan?
एस. राधाकृष्णन के अनुसार निम्न में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है?

(a) Ultimate reality is Absolute/परमसत् निरपेक्ष
(b) Absolute reality is pure-consciousness
परमसत् विशुद्ध चेतना है
(c) Absolute is Pure-freedom
निरपेक्ष सत विशुद्ध स्वतंत्रता है
(d) Absolute is personal God
निरपेक्ष सत व्यक्तिगत ईश्वर है

Ans. (d) : एस. राधाकृष्णन के अनुसार निरपेक्ष सत व्यक्तिगत ईश्वर है, कथन सत्य नहीं है। सत्य कथन है-परमसत निरपेक्ष है, परमसत् विशुद्ध चेतना है, निरपेक्ष सत् विशुद्ध स्वतंत्रता है।

32. According to Kant which of the following is accompanied by an appropriate degree of happiness for perfectly good universe?
कांट के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा पूर्णतः शुभ ब्रह्मांड के लिए प्रसन्नता की उपयुक्त मात्रा से युक्त होगा?

(a) Moral will/नैतिक इच्छाशक्ति
(b) Political will/राजनैतिक इच्छाशक्ति
(c) Good will/सदिच्छा/गुडविल
(d) Human will/मानवीय इच्छाशक्ति

Ans. (c) : कांट के अनुसार सदिच्छा (गुडविल) पूर्णतः शुभ ब्रह्माण्ड के लिए प्रसन्नता की उपयुक्त मात्रा से युक्त होगा। पश्चिमी दर्शन में निरपेक्षवादी नीति मीमांसा का चरम विकास कांट के दर्शन में हुआ हैं। उनके नैतिक सिद्धान्त को निरपेक्ष आदेश का सिद्धान्त कहा जाता है।

33. Who said that Maya is 'Principle of Cosmic Error'?/किसने कहा है कि माया ब्रह्माण्डीय भ्रम का सिद्धांत है?

(a) Vivekanand/विवेकानंद
(b) Rabindra Nath Tagore/रवींद्रनाथ टैगोर
(c) S. Radha Krishnan/एस. राधाकृष्णन
(d) Mahatma Gandhi/महात्मा गांधी

Ans. (a) : विवेकानन्द ने कहा है कि माया ब्रह्माण्डीय भ्रम का सिद्धान्त है।

34. Ludwig (Wittgenstein terms philosophy as "a battle against the bewitchment of our intelligence by means of language" in his book. लुडविग विटजेन्स्टाइन अपनी किस पुस्तक में दर्शन को भाषा के माध्यम से हमारी बुद्धि के समोहन के विरुद्ध संघर्ष के रूप में बताते है?

(a) Tractatus-Logico-Philosophicus
ट्रैक्टेटस-लजिको-फिलोसेफिकस
(b) Philosophical investigation
फिलॉसोफिकल इन्वेस्टीगेशन्स
(c) On certainty/ ऑन सर्टेनटी
(d) The blue and Brown Books
द ब्लू एंड ब्राउन बुक्स

Ans. (b) : लुडविग विटजेन्स्टाइन अपनी पुस्तक 'फिलॉसोफिकल इन्वेस्टीगेशन्स' में दर्शन को भाषा के माध्यम से हमारी बुद्धि के सम्मोहन के विरुद्ध संघर्ष के रूप में बताते है।

35. That the world history is in the process of working out the knowledge of that which it is potentially' is a view held by
निम्नलिखित दृष्टिकोण किसका है, कि विश्व इतिहास ''उस ज्ञान को विकसित करने की प्रक्रिया में है जो इसमें अंतर्निहित है''?

(a) Aristotle/अरस्तू
(b) Friedrich Schiller/फ्रेडरिख शिलर
(c) G.W.D. Hegel/जी. डब्ल्यू डी हीगेल
(d) Arthur Schopenhauer/आर्थर शोपेनहावर

Ans. (c) : जी. डब्ल्यू डी हीगेल का दृष्टिकोण है कि विश्व इतिहास ''उस ज्ञान को विकसित करने की प्रक्रिया में है जो इसमें अंतर्निहित है।''

36. According to Jainism Aprigrah means?
जैन धर्म के अनुसार अपरिग्रह का अर्थ निम्न है

(a) To lead a celibate life
एक ब्रह्मचारी का जीवन जीना
(b) Not to injure only living beings
केवल जीवित प्रणियों को चोट न पहुंचाना
(c) Renunciation by thoughts words and deeds
विचार, शब्द (वाणी) और कर्म से त्याग
(d) Not to steal/चोरी न करना

Ans. (c) : जैन धर्म के अनुसार अपरिग्रह का अर्थ विचार, शब्द (वाणी) और कर्म से त्याग है। जैन दर्शन में विशयामशक्ति का परित्याग अपरिग्रह है। जैन दर्शन के अनुसार मुमुक्ष केा शब्द, स्पर्श, रूप, रस और गन्ध इन विषयों को परित्याग करना चाहिए। जैन सन्यासी से पूर्ण अपरिग्रह की अपेक्षा की गयी है।

37. Who among the following propounds accidentalism (yadicchayada)?
यद्दच्छवाद निम्न में से किसके द्वारा प्रतिपादित है?

(a) Mimamsa/मीमांसा (b) Vaisesika/वैशेशिक
(c) Charvaka/चारवाक (d) Nyaya/न्याय

Ans. (c) : यद्दच्छवाद चार्वाक द्वारा प्रतिपादित है।

38. 'All the waters of all the seas are not to be compared with the flood of tears which has flowed since the universe first was", this is related to the idea of :/'सभी समुद्रों के सभी जल की तुलना आंसुओं को इस बाढ़ से नहीं करनी चाहिए जो ब्रह्मांड के प्रारंभ से अब तक बहाये गये है' यह किसकी अवधारणा से संबंधित है?

(a) Astang Yoga/अष्टांग योग
(b) Sarvam Dukham/सर्वम् दुःखम
(c) Law of Karma/कर्म का नियम
(d) Charvaka's Hedonism/चार्वाक का सुखवाद

Ans. (b) : सभी समुद्रों के सभी जल की तुलना आंसुओं की इस बाढ़ से नहीं करनी चाहिए जो ब्राह्मांड के प्रारम्भ से अब तक बहाये गये है यह 'सर्वमदुखः म्' अवधारण से संबंधित है।

39. David Hume agrees that genuine knowledge must be self-evident, but he finds no such knowledge anywhere except in _____ which merely analyses is own concepts./डेविड ह्यूमस यह स्वीकार करते है कि प्रामाणिक ज्ञान को स्वयं-स्पष्ट होना चाहिए, लेकिन वह ऐसा ज्ञान .....के सिवा कहीं नहीं है जो केवल अपनी स्वयं की अवधारणाओं का विश्लेषण करना है।

(a) Theology/धर्मशास्त्र
(b) Mathematics/गणित
(c) Metaphysics/पराभौतिकी/तलमीमांसा
(d) Epstemology/ज्ञानमीमांसा

Ans. (b) : डेविड ह्यूम यह स्वीकार करते हैं कि प्रमाणिक ज्ञान को स्वयं स्पष्ट होना चाहिए लेकिन वह ऐसा ज्ञान गणित के सिवा कहीं नहीं है जो केवल अपनी स्वयं की अवधारणाओं का विश्लेषण करना है।

40. St. Anselm offers his ontological proof for the existence of God in his work :/सेंट एन्सेल्म अपनी किस रचना में ईश्वर के अस्तित्व के लिए प्रत्ययसत्तामूलक प्रमाण प्रस्तुत करते है

(a) Monologium/मोनोलोजियम
(b) Proslogium/प्रोस्लोजियम
(c) Summa Theologca/सुम्मा थियोलॉजिका
(d) Cur Deus Homo/क्योर डयूस होमो

Ans. (b) : सेंट एन्सेलम अपनी रचना प्रोस्लोजियम में ईश्वर के आस्तित्व के लिए प्रत्ययस्तामूलक प्रमाण प्रस्तुत करते है।

41. Who among the following philosophers are proponents of Sunyvada?/शून्यवाद के प्रतिपादक दार्शनिक निम्नलिखित में से कौन है?

(A) Sri Harsha/श्री हर्ष (B) Nagarjuna/नागार्जुन
(C) Brhaspati/बृहस्पति (D) Chandrakirti/चंद्रकीर्ति
Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

(a) (A) and (C) only/केवल (A) और (C)
(b) (B) and (D) only/ केवल (B) और (D)
(c) (B), C and (D) only/केवल (B), (C) और (D)
(d) (A), (B) and C only/ केवल (A), (B) और C

Ans. (b) : शुन्यवाद के प्रतिपादक दार्शनिक नागार्जुन और चन्द्रकीर्ति है।

42. Who among the following thinkers are considered rationalists?/निम्नलिखित चिंतकों में से कौन-से चिंतक तर्कबुद्धिवादी माने जाते है

(A) Berkley/इर्कले **(B) Descartes/डेकार्ट**

(C) Liebniz/लीबनित्ज **(D) Spinoza/स्पिनोजा**

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

(a) (A) and (C) only/केवल (A) और (C)

(b) (A), (C) and (D) only/ केवल (A), (C) और (D)

(c) (B), (C) and (D) only/केवल (B), (C) और (D)

(d) (B) and (C) only/ केवल (B) और (C)

Ans. (c) : डेकार्ट, लीबनित्ज एवं स्पिनोजा चिंतक तर्कबुद्धिवादी माने जाते है। तर्कबुद्धिवाद/बुद्धिवाद ज्ञान मीमांसा का वह सिद्धान्त है जिसके अनुसार बुद्धि ही ज्ञान प्राप्ति का वास्तविक कार्य है। लाइबनित्ज और हिंगल दर्शन बुद्धिवाद का चरम उदाहरण माना जाता है।

43. Which of the following arguments is correct according to Samkhya philosophy given for existence of pursuit./पुरुष के अस्तित्व के लिए सांख्य दर्शन के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा तर्क सही है?

(A) Sanght parathatvat/संघात् परार्थत्वात्

(B) Trigunadi Viparyayat/त्रिगुणादि विपर्ययात

(C) Bhedanam Pravirmanal/भेदानाम् परिमाणात्

(D) Kaivalyartha Pravirteh/कैवल्यार्थ प्रवृत्तेः

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

(a) (A) and (D) only/केवल (A) और (D)

(b) (A) and (C) only/ केवल (A) और (C)

(c) (B) and (C) only /केवल (B) और (C)

(d) (A), (B) and (D) only/केवल (A), (B) और (D)

Ans. (*) : इस प्रश्न को आयोग द्वारा मूल्यांकन से बाहर कर दिया गया है।

44. Which of the following are included as the central tenets of Budhisism/निम्नलिखित में से कौन-से बौद्ध दर्शन के केंद्रीय तत्व के रूप में सम्मिलित है?

(A) Sanghatvada/संघातवाद

(B) Pratitya Samutpada/प्रतीत्यसमुत्पाद

(C) Anekatmavad/अनेकात्मवाद

(D) Anitytavad/अनित्यवाद

(E) Astangyoga/अष्टांग योग

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

(a) (A), (B) and (E) only/केवल (A), (B) और (E)

(b) (A), (B) and (C) only/केवल (A), (B) और (C)

(c) (A), (B) and (D) only/केवल (A), (B) और (D)

(d) (C), (E) and (B) only/केवल (C), (E) और (B)

Ans. (c) : संघातवाद, प्रतीत्यसमुत्पाद और अनित्यवाद बौद्ध दर्शन के केन्द्रीय तत्व के रूप में सम्मिलित है।

45. Substance Dualism, also referred to as Cartesian/Classical dualism, asserts that there are two kinds of 'things' Descartes' main arguments in favour of dualism are
द्रव्य द्वैतवाद, जिसे देकार्त के द्वैतवाद के रूप में भी संदर्भित किया जाता है, मान्यता है कि वस्तुएं दो प्रकार की होती है। द्वैतवाद के पक्ष में देकार्त का मुख्य तर्क निम्नलिखित में से क्या है

(A) The argument from doubt
संदेह पर आधारित तर्क

(B) The argument from indivisibility
अविभाज्यता पर आधारित तर्क

(C) The argument from irreducibility
अन अपचयनीयता पर आधारित तर्क

(D) The argument from category error
कोटी दोष पर आधारित तर्क

(E) The argument from scientific evidence
वैज्ञानिक साक्ष्य पर आधारित तर्क

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

(a) (A), (B) and (C) only/केवल (A), (B) और (C)

(b) (B), (C) and (D) only/केवल (B), (C) और (D)

(c) (D), (C) and (E) only/केवल (D), (C) और (E)

(d) (A), (D) and (E) only/केवल (A), (D) और (E)

Ans. (a) : द्रव्य दैत्यवाद, जिसे देकार्ट के द्वैत्वाद के रूप में भी संदर्भित किया जाता है मान्यता है, कि वस्तुएं दो प्रकार की होती है। द्वैतवाद के पक्ष में देकार्त का मुख्य तर्क संदेह पर आधारित, अविभाज्यता पर आधारित तथा अन अपचयनीयता पर आधारित तर्क है।

46. Which of the following purusharthas are included in Tri-Varg/त्रिवर्ग मे निम्नलिखित में से कौन-कौन से पुरुषार्थ शामिल है?

(A) Moksha/मोक्ष **(B) Dharma/धर्म**

(C) Kaam/काम **(D) Arth/अर्थ**

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

(a) (A), (B) and (C) only/केवल (A), (B) और (C)

(b) (B), (C) and (D) only/केवल (B), (C) और (D)

(c) (A), (C) and (D) only/केवल (A), (C) और (D)

(d) (B), (A) and (D) only/केवल (B), (A) और (D)

Ans. (b) : त्रिवर्ग में धर्म, काम, अर्थ पुरुषार्थ शामिल है।

47. Which of the following are included in Ekadash-vrata (Eleven vratas) of Mahatma Gandhi–/निम्नलिखित में से कौन-से महात्मा गांधी के एकादश व्रत में शामिल है?

(A) Education/शिक्षा

(B) Fearlessness/निर्भयता

(C) Non-Stealing/अस्तेय

(D) Physical Labour/शारीरिक श्रम

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

(a) (A), (B) and (C) only/केवल (A), (B) और (C)

(b) (A), (C) and (D) only/केवल (A), (C) और (D)

(c) (A), (B) and (D) only/केवल (A), (B) और (D)

(d) (B), (C) and (D) only/केवल (B), (C) और (D)

Ans. (d) : महात्मा गाँधी के एकादश व्रत में निर्भयता, अस्तेय और शारीरिक श्रम शामिल है। गाँधीजी के एकादस व्रत में-अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रहाचर्य, असंग्रह शरीर श्रम, अस्वाद, सर्वत्र भयवर्जन, सर्वधर्म सम्भाव, स्वदेशी एवं स्पर्श भावना है।

48. Arrange the following in chronological order in accordance with Jain Philosophy/निम्नलिखित पर विचार करते हुए जैन धर्म के अनुसार सही कालक्रम में व्यवस्थित कीजिए :

(A) Asrava/आस्त्रव **(B) Nirjara/निर्जरा**

(C) Bandh/बन्ध **(D) Samvara/संवर**

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, C, D, B (b) A, B, C, D

(c) B, C, A, D (d) A, D, B, C

Ans. (a) : जैन धर्म के अनुसार सही कालक्रम है-आस्त्रव-बन्ध संवर-निर्जरा है।

49. Which of the following statements are true with reference to Samkhya Philosophy?/सांख्य दर्शन के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है?

(A) Prakriti is root cause of the world.
विश्व का मूल कारण प्रकृति है

(B) Prakriti is intelligent and conscious principle/प्रकृति बुद्धिमान और सचेत सिद्धांत है

(C) Prakriti is the first principle of the universe/प्रकृति ब्राह्माड का पहला सिद्धांत है

(D) Prakriti is manifested state of all effects.
प्रकृति सभी कार्यों की व्यक्त अवस्था है

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

(a) (A) and (C) only/केवल (A) और (C)

(b) (A) and (B) only/केवल (A) और (B)

(c) (B) and (D) only /केवल (B) और (D)

(d) (B) and (C) only/केवल (B) और (C)

Ans. (a) : सांख्य दर्शन के सन्दर्भ में सत्य कथन है विश्व का मूल कारण प्रकृति है और प्रकृति ब्रह्माण्ड का पहला सिद्धांत है।

50. According to the Gandhi, which of the following is the supreme end?/गांधी के अनुसार सर्वोच्च साध्य क्या है?

(A) Morality/नैतिकता

(B) Aparigrah/अपरिग्रह

(C) Truth/सत्य

(D) Non-violence/अहिंसा

(E) Self-Purification/आत्म-शुद्धिकरण

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (A) and (E) only/केवल (A) और (E)

(b) (C) only/केवल (C)

(c) (E) only /केवल (E)

(d) (B) and (D) only/केवल (B) और (D)

Ans. (b) : गाँधी के अनुसार सर्वोच्च साध्य सत्य है। सत्य का विचार वह सिद्धान्त है जिस पर महात्मा ने इस पर्वत पर जोर दिया जिसे सत्याग्रह कहा, जहाँ उन्होंने सत्य की खोज की आवश्यकता र जोर दिया।

51. If A, B and C are true attachments and X, Y and Z are false statements, which of the following is true?/यदि A, B और C सत्य कथन है और X, Y और Z असत्य कथन है, तो निम्नलिखित में से कौन सत्य है

(A) (A.X) v (B.Y)
(B) ~(XvZ).(~XvZ)
(C) ~[(A.B)v~(B.A)]
(D) ~{~[(B.~C)v(Y.~Z)].[(~BvX)v(Bv~Y)}
(E) ~[(AvB).~(BvA)]

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (A) and (C) only/केवल (A) और (C)

(b) (B) only/केवल (B)

(c) (A) and (D) only /केवल (A) और (D)

(d) (C) and (D) only/केवल (C) और (D)

Ans. (b) : यदि A, B और C सत्य कथन है और X, Y और Z असत्य कथन है तो ~ (XvZ) (~XvZ) सत्य होगा।

52. Which of the following are included among the central tenets of John Rawl's Theory of Justice?/निम्नलिखित में से कौन जॉन रॉल्स के न्याय के सिद्धान्त के केन्द्रीय मत में सम्मिलित हैं?

(A) The Fairness principle/निष्पक्षता का सिद्धांत

(B) Retributive justice/प्रतिकारात्मक न्याय

(C) The difference Principle/अंतर का सिद्धांत

(D) The veil of ignorance/अज्ञानता का पर्दा

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (A) and (B) only/केवल (A) और (B)

(b) (B) and (C) only/केवल (B) और (C)

(c) (A), (B) and (C) only/केवल (A), (B) और (C)

(d) (A), (B), (C) and (D) only
केवल (A), (B), (C) और (D)

Ans. (d) : निष्पक्षता का सिद्धान्त, प्रतिकारात्मक न्याय, अंतर का सिद्धान्त और अज्ञानता का पर्दा जॉन रॉलन के न्याय सिद्धान्त के केन्द्रीय मत में सम्मिलित है।

53. The opponents of verificationism place these objections to refute this principle.
सत्यापनवाद के विरोधी इस सिद्धांत का खंडन करने के लिए क्या-क्या आपत्तियाँ करते है?

(A) It is not a tautology/यह पुनरुक्ति नहीं है

(B) It is not contingent/यह आकस्मिक नहीं है

(C) It is not empirically verifiable
यह आनुभविक आधार पर सत्यापन के योग्य नहीं है

(D) It is not theoretically verifiable
यह सैद्धांतिक रूप से सत्यापन के योग्य नहीं है

(E) It is intuitive/यह अंतर्दृष्टिपरक है

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (A) and (B) only/केवल (A) और (B)

(b) (B) and (C) only/केवल (B) और (C)

(c) (A) and (C) only/केवल (A) और (C)

(d) (D) and (E) only/केवल (D) और (E)

Ans. (c) : सत्यापनवाद के विरोधी इस सिद्धान्त का खण्डन करने के लिए आपत्तियां करते हैं कि यह पुनरुक्ति नहीं है तथा यह अनुभाविक आधार पर सत्यापन के योग्य नहीं है।

54. For Spinoza everything is substance or requires substance as its basis because it has attributes of/स्पीनोजा के अनुसार प्रत्येक चीज द्रव्य है अथवा इसे आधार के रूप में द्रव्य की आवश्यकता है क्योंकि इसके निम्नलिखित विशेषताएं है

(A) Only Extension/केवल विस्तार

(B) Only Thought/केवल विचार

(C) Neither Thought nor extension
न विचार और न विस्तार

(D) Both thought and extension
विचार और विस्तार दोनों

(E) Attributes are infinite but only two are knowable by us humans./विशेषताएं अनंत है परंतु हम मानवों के लिए उनमें से दो ही ज्ञेय है

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (A) and (E) only/केवल (A) और (E)
(b) (B) and (C) only/केवल (B) और (C)
(c) (D) and (B) only/केवल (D) और (B)
(d) (D) and (E) only/केवल (D) और (E)

Ans. (d) : स्पीनोजा के अनुसार प्रत्येक चीज द्रव्य है अथवा इसे आधार के रूप में द्रव्य की आवश्यकता है क्योंकि इसके विचार और विस्तार दोनों हैं तथा विशेषताएं अनंत हैं परन्तु हम मानवों के लिए उसमें दो ही ज्ञेय है।

55. Who among the following has supported social contract Theory?/निम्नलिखित में से किसने 'सामाजिक समझौते के सिद्धांत' का समर्थन किया

(A) John Locke/जॉन लॉक **(B) Berkeley/बर्कले**

(C) Hobbes/हॉब्स **(D) Rousseau/रुसो**

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (A) and (B) only/केवल (A) और (B)
(b) (B) and (C) only/केवल (B) और (C)
(c) (A), (C) and (D) only/केवल (A), (C) और (D)
(d) (B) and (D) only/केवल (B) और (D)

Ans. (c) : जॉन लॉक, हॉब्स तथा रूसो ने सामाजिक समझौते के सिद्धान्त का समर्थन किया। इस सिद्धान्त के अनुसार, लोग समाज में समझौते के साथ रहते हैं, जो व्यवहार के नैतिक और राजनीतिक नियमों को स्थापित करता है।

56. Which of the following statements is not true according to Plato's Philosophy?/प्लेटो के दर्शन में निम्नलिखित में से कौन-से कथन सत्य नहीं है?

(A) The ideal society forms a complete only
आदर्श समाज पूर्ण एकता को प्राप्त करता है

(B) Plato supports right to private property.
प्लेटो व्यक्तिगत संपत्ति के अधिकार का समर्थन करता है

(C) The state is an educational institution as the instrument of civilization./सभ्यता के उपकरण के रूप में राज्य एक शैक्षणिक संस्था है

(D) Laws are necessary to the realization of our true good./हमारे वास्तविक शुभ की अनुभूति के लिए कानून आवश्यक है

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (A) and (B) only/केवल (A) और (B)
(b) (A), (C) and (D) only
केवल (A), (C) और (D)
(c) (B) and (C) only/केवल (B) और (C)
(d) (B) and (D) only/केवल (B) और (D)

Ans. (*) : इस प्रश्न को आयोग मूल्यांकन से बाहर कर दिया है।

57. According to Hume, the association of ideas is a : ह्यूम के अनुसार, प्रत्ययों का साहचर्य निम्न है

(A) Logical Necessity/तार्किक अनिवार्यता

(B) Psychological Necessity
मनोवैज्ञानिक अनिवार्यता

(C) Sociological Necessity
समाजशास्त्रीय अनिवार्यता

(D) Mathematical Necessity/गणितीय अनिवार्यता

(E) Emotional Necessity/संवेगात्मक अनिवार्यता

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (C) and (D) only/केवल (C) और (D)
(b) (B) only/केवल (B)
(c) (E) only/केवल (E)
(d) (A) and (B) only/केवल (A) और (B)

Ans. (b) : ह्यूम के अनुसार मनोवैज्ञानिक अनिवार्यता प्रत्ययों का साहचर्य है।

58. Identify the fallacy in the given statement that is-'You must agree that Times of India is best daily newspaper in the city because seventy percent people read it./निम्नलिखित कथन में तर्कदोष की पहचान करे आपको इससे सहमत होना चाहिए कि टाइम्स ऑफ इण्डिया, शहर का सबसे अच्छा अखबार है, क्योंकि स्तर प्रतिशत व्यक्ति इसको पढ़ते हैं।

(A) Argumentum ad misericordiam
दयामूलक युक्ति

(B) Argumentum ad Populum/लोकोत्तेजक युक्ति

(C) Argumentum ad Baculum/मुष्टि-युक्ति

(D) Argumentum ad Hominem/लांछन-युक्ति

(E) Argumentum Ad Verecandium
श्रद्धामूलक-युक्ति

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (A) and (C) only/केवल (A) और (C)
(b) (B) only/केवल (B)
(c) (A) and (D) only/केवल (A) और (D)
(d) (C) and (E) only/केवल (C) और (E)

Ans. (b) : दिये हुए वाक्य में लोकोत्तेजक युक्ति तर्कदोष है कि आपको इससे सहमत होना चाहिए कि टाइम्स ऑफ इंडिया शहर का सबसे अच्छा अखबार है क्योंकि स्तर प्रतिशत व्यक्ति इसको पढ़ते हैं।

59. The categorical syllogism having major terms distributed in the conclusion but undistributed in the major premises is invalid and having the fallacy known as :/निरुपाधिक न्यायवाक्य, जिसमें मुख्यपद निष्कर्ष में व्याप्त है, लेकिन प्रमुख आधारिका में अव्याप्त हो, अवैध है और इसमें निम्नलिखित दोष है :

(A) Fallacy of Illicit Major/अवैध मुख्य पद-दोष

(B) Fallacy of Exclusive premises
एकान्तिक आधारिका दोष

(C) Fallacy of illicit minor
अवैध अमुख्य या गौंण पद-दोष

(D) Fallacy of undistributed middle
अव्याप्त हेतु-दोष

(E) Fallacy of Four terms/चतुष्पदी दोष

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (A) only/केवल (A)
(b) (A) and (B) only/केवल (A) और (B)
(c) (B) and (C) only/केवल (B) और (C)
(d) (A) and (D) only/केवल (A) और (D)

Ans. (a) : निरूपाधिक न्यायवाक्य जिसमें मुख्यपद निष्कर्ष में व्याप्त है लेकिन प्रमुख आधारिका में अव्याप्त हो अवैध है और इसमें अवैध मुख्य पद दोष है।

60. In Kant's transcendental procedure, the unity of self-consciousness is presupposed by the categories, as the categories are presupposed by./कांट की इनिद्रयातीत प्रक्रिया में, आत्म-चेतना की एकता बुद्धि-विकल्पों द्वारा वैसे हि पूर्व-कल्पित है जैसे कि बुद्धि-विकल्प निम्न द्वारा पूर्व-कल्पित है :

(A) Intuition/अंत: प्रज्ञा

(B) Experience/अनुभव

(C) Understanding/तर्कबुद्धि

(D) Reason/प्रज्ञा (रीजन)

(E) Holy will/पवित्र संकल्प

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (D) only/केवल (D)
(b) (B) only/केवल (B)
(c) (A) and (C) only/केवल (A) और (C)
(d) (A) and (B) only/केवल (A) और (B)

Ans. (b) : कांट की इन्द्रियातीत प्रक्रिया में आत्म चेतना की एकता बुद्धि विकल्पों द्वारा वैसे ही पूर्व कल्पित है जैसे कि बुद्धि-विकल्प अनुभव द्वारा पूर्व कल्पित है।

61. A pattern of inductive inference in which it is concluded that when one phenomenon varies consistently with some the phenomenon in some manner, there is some causal relation between the two phenomena is called.
आगमनात्मक अनुमान का वह नमूना जिसमें यह निष्कर्ष होता है कि, जब कोई/एक घटना, अन्य घटना के साथ सुसंगति के साथ कुछ मामलों में परिवर्तित होता हैं, इन दोनों घटनाआं में कुछ कारणात्मक सम्बन्ध होता है, यह कहा जाता है

(A) Joint Method/संयुक्त विधि

(B) Concomitant Variation/सहगामी परिवर्तन

(C) Method of Residues/अवशेष विधि

(D) Method of Difference/व्यतिरेक विधि

(E) Method of Doubt/संदेह पद्धति

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (A) and (E) only/केवल (A) और (E)
(b) (B) only/केवल (B)
(c) (C) only/केवल (C)
(d) (D) and (B) only/केवल (D) और (B)

Ans. (b) : आगमनात्मक अनुमान का वह नमूना जिसमें यह निष्कर्ष होता है कि जब कोई एक घटना अन्य घटना के साथ सुसंगति के साथ कुछ मामलों में परिवर्तित होता है। इन दोनों घटनाओं में कुछ कारणात्मक सम्बन्ध होता उसे सहगामी परिवर्तन कहा जाता है।

62. Who among the following classical Indian thinkers belong to Nyaya School?
निम्नलिखित में से कौन से भारतीय शास्त्रीय चिन्तक न्याय मत से सम्बंधित है?

(A) Jayant Bhatt/जयंत भट्ट

(B) Dharamaraja Adhvarin/धर्मराज अध्वरिन

(C) Gangesa/गंगेश

(D) Vimal Kirti/विमल कीर्ति

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (A), (B) and (C) only/केवल (A), (B) और (C)
(b) (A) and (C) only/केवल (A) और (C)
(c) (B) and (D) only/केवल (B) और (D)
(d) (A), (C) and (D) only/केवल (A), (C) और (D)

Ans. (b) : भारतीय शास्त्रीय चिंतक जयंत भट्ट और गंगेश न्याय मत से संबंधित है।

63. Which of the following means of knowledge are accepted by Nyaya school?/निम्नलिखित में से कौन से ज्ञान के साधन न्याय मत द्वारा स्वीकार्य है?

(A) Perception (Pratyaksh)/प्रत्यक्ष

(B) Inference (Anuman)/अनुमान

(C) Comparison (upman)/उपमान

(D) Postulation (Arthapatti)/अर्धापत्ति

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (A), (B) and (D) only/केवल (A), (B) और (D)
(b) (A) and (B) only/केवल (A) और (B)
(c) (A), (B), (C) and (D) only
केवल (A), (B), (C) और (D)
(d) (A), (B) and (C) only/केवल (A), (B) और (C)

Ans. (d) : प्रत्यक्ष, अनुमान और उपमान ज्ञान के साधन न्याय मत द्वारा स्वीकार्य है।

64. Which of the following schools of thought maintain the absence (abhava) is known through anuplabdhi/निम्नलिखित में से किन सम्प्रदायों का मत है कि अभाव को अनुपलब्धि द्वारा जाना जाता है?

(A) Mimasa/मीमांसा

(B) Myaya/न्याय

(C) Advaita Vedanta/अद्वैत वेदांत

(D) Vaisesika/वैशषिक

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (B) and (C) only/केवल (B) और (C)
(b) (A), (B) and (C) only/केवल (A), (B) और (C)
(c) (A) and (C) only/केवल (A) और (C)
(d) (B), (C) and (D) only/केवल (B), (C) और (D)

Ans. (c) : मीमांसा और अद्वैत वेदान्त सम्प्रदायों का मत है कि अभाव को अनुपलब्धि द्वारा जाना जाता है।

65. Which of the following classical Indian texts belong is Nyaya school?/निम्नलिखित में से कौन से भारतीय शास्त्रीय ग्रन्थ न्याय मत से सम्बन्धित है?

(A) Mandukyakarika/माण्डुक्य कारिका

(B) Bhasa Pariccheda/भाषा परिच्छेद

(C) Nyayamanjari/न्याय मंजरी

(D) Nyaya bindu/न्यायबिन्दु

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) (A), (C) and (D) only/केवल (A), (C) और (D)
(b) (B) and (C) only/केवल (B) और (C)
(c) (B), (C) and (D) only/केवल (B), (C) और (D)
(d) (C) and (D) only/केवल (C) और (D)

Ans. (b) : भाषा शास्त्रीय ग्रन्थ भाषा परिच्छेद तथा न्याय मंजरी न्याय मत से सम्बन्धित है।

66. Match List I with List II
सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

List-I/सूची-I Theory		List-II/सूची-II School of Philosphy	
A.	Prakrti Parinamvada प्रकृति परिणामवाद	1.	Buddhism बौद्ध दर्शन
B.	Brahma Parinamvada ब्रह्म परिणामवाद	2.	Samikhya/सांख्य
C.	Arambhavada/आराम्भ्वाद	3.	Nayaya/न्याय
D.	Anitya Parmanu Karanavada अनित्य परमाणुकारणवाद	4.	Ramanuja/रामानुज

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

Codes/कूट :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	2	4	3	1	(b)	3	1	2	4
(c)	4	3	2	1	(d)	1	2	3	4

Ans. (a) : सही सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I	सूची-II
प्रकृति परिणामवाद	सांख्य
ब्रह्म परिणामवाद	रामानुज
आराम्भ्वाद	न्याय
अनित्य परमाणुकारणवाद	बौद्ध दर्शन

67. Match List I with List II
सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

List-I/सूची-I Theory		List-II/सूची-II School	
A.	Anyathakhyativada अन्यथाख्यातिवाद	1.	Prabhakar प्रभाकर
B.	Viparit Khyativada विपरीत ख्यातिवाद	2.	Kumarila कुमारिल
C.	Anirvachniya Khyativada अनिर्वचनीय ख्यातिवाद	3.	Shankara/शंकर
D.	Akhyativad/अख्यातिवाद	4.	Nyaya/न्याय

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

Codes/कूट :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	1	2	3	4	(b)	4	3	2	1
(c)	4	2	3	1	(d)	1	4	2	3

Ans. (c) : सही सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I	सूची-II
अन्यथाख्यातिवाद	न्याय
विपरीत ख्यातिवाद	कुमारिल
अनिर्वचनीय ख्यातिवाद	शंकर
अख्यातिवाद	प्रभाकर

68. Match List I with List II/सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

List-I/सूची-I Theory		List-II/सूची-II Philosophy School	
A.	Theory of Relativity of Knowledge/ज्ञान की सापेक्षता का सिद्धांत	1.	Charvaka/चार्वाक
B.	Materialism/भौतिकवाद	2.	Nyaya/न्याय
C.	Logical Realism तार्किक यथार्थवाद	3.	Jainism/जैन दर्शन
D.	Triputi-pratyakshvada त्रिपुटी प्रत्यक्षवाद	4.	Prabhakar/प्रभाकर

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

Codes/कूट :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	1	2	3	4	(b)	2	1	3	4
(c)	4	3	2	1	(d)	3	2	1	4

Ans. (*) : इस प्रश्न को आयोग मूल्यांकन से बाहर कर दिया है।

69. Match List I with List II/सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

List-I/सूची-I Theory		List-II/सूची-II Philosophy School	
A.	Charvaka/चार्वाक	1.	Apurva/अपूर्व
B.	Jainism/जैन-दर्शन	2.	Astangikmarga आष्टांगिक मार्ग
C.	Buddhism बौद्ध-दर्शन	3.	Hedonism/सुखवाद
D.	Mimansa/मीमांसा	4.	Tri-ratna/त्रिरत्न

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

Codes/कूट :

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	2	4	3	1	(b)	3	1	2	4
(c)	4	3	2	1	(d)	1	2	3	4

Ans. (*) : इस प्रश्न को आयोग मूल्यांकन से बाहर कर दिया है।

70. Match List I with List II/सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

List-I/सूची-I Book/पुस्तक		List-II/सूची-II Author/लेखक	
A.	The Republic दि रिपब्लिक	1.	Aristotle/अरस्तु

B.	Fragment on Government/फ्रैगमेंट ऑन गवर्नमेंट	2.	Robert Nozick रोबर्ट नोजिक
C.	Politics/पोलिटिक्स	3.	Plato/प्लेटो
D.	Anarchy, State and utopia/अनार्की स्टेट एंड यूटोपिया	4.	J. Bentham जे. बेन्थम

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

Codes/कूट :

	A	**B**	**C**	**D**		**A**	**B**	**C**	**D**
(a)	3	2	1	4	(b)	1	2	3	4
(c)	3	4	1	2	(d)	4	1	3	2

Ans. (c) : सही सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I	**सूची-II**
पुस्तक	लेखक
दि रिपब्लिक	प्लेटो
फ्रैगमेंट ऑन गवर्नमेंट	जे. बेन्थम
पोलिटिक्स	अरस्तु
अनार्की स्टेट एंड यूटोपिया	रोबर्ट नोजिक

71. Match List I with List II/सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

List-I/सूची-I Philosophy/दार्शनिक		**List-II/सूची-II Theory/सिद्धांत**	
A.	Pythagoras/पायथागोरस	1.	Plenum & Vacuum प्लेनम एंड वैक्यूम
B.	Anaximander/एनेक्सीमेण्डर	2.	Flux/फ्लक्स
C.	Heracleitus/हेराक्लाइटिस	3.	Apeiron/एपिरॉन
D.	Democritus/डेमोक्रिटिस	4.	Numbers/नंबर्स

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

Codes/कूट :

	A	**B**	**C**	**D**		**A**	**B**	**C**	**D**
(a)	4	3	1	2	(b)	6	3	2	1
(c)	3	1	4	2	(d)	4	2	1	3

Ans. (b) : सही मिलान इस प्रकार है-

सूची-I		**सूची-II**
दार्शनिक		**सिद्धान्त**
पाइथागोरस	-	नंवर्स
एनेक्सीमेण्डर	-	एपिरॉन
हेराक्लाइटिस	-	फ्सक्स
डेमोक्रिटिस	-	प्लेनम एंड वैक्यूम

72. Match List I with List II/सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

List-I/सूची-I View/अभिमत		**List-II/सूची-II Thinker/विचारक**	
A.	Critique of Enlightenment क्रिटिक ऑफ एनलाइ टेन	1.	Merleau-Porty मोर्लो-पोंटी
B.	Embodied Consciousness एम्बडिड कॉन्शसनैस	2.	Rorty/रोर्टी
C.	Philosophy of 'Other' फिलॉसफी ऑफ 'अदर'	3.	Nietzsche/नीत्शे
D.	Critique of reprentationalism क्रिटिक ऑफ रिप्रजेटंशलिस्म	4.	Levinas/लेविनास

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

Codes/कूट :

	A	**B**	**C**	**D**		**A**	**B**	**C**	**D**
(a)	3	2	1	4	(b)	4	1	3	2
(c)	3	1	4	2	(d)	2	3	4	1

Ans. (c) : सही सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I (अभिमत)	**सूची-II (विचारक)**
क्रिटिक ऑफ एनलाइ टेन	नीत्शे
एम्बडिड कॉन्शसनैस	मोर्लो-पोंटी
फिलॉसफी ऑफ 'अदर'	लेविनास
क्रिटिक ऑफ रिप्रजेटंशलिस्म	रोर्टी

73. Match List I with List II/सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

List-I/सूची-I Book/पुस्तक		**List-II/सूची-II Author/लेखक**	
A.	Leviathan/लेवायथन	1.	John Locke/जॉन लॉक
B.	A theory of Justice/थ्योरी ऑफ जस्टिस	2.	H.L.A. Hart एच.एल.ए. हार्ट
C.	Two Treatises on Government टू ट्रीटाइस ऑन गवर्नमेंट	3.	John Rawls/जॉन रॉल्स
D.	The Concept of Law/दि कॉन्सेप्ट ऑफ लॉ	4.	Hobbes/हॉब्स

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

Codes/कूट :

	A	**B**	**C**	**D**		**A**	**B**	**C**	**D**
(a)	4	3	1	2	(b)	1	2	3	4
(c)	2	3	4	1	(d)	1	4	3	2

Ans. (a) : सही सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I	**सूची-II**
पुस्तक	**लेखक**
लेवायथन	हॉब्स
थ्योरी ऑफ जस्टिस	जॉन रॉल्स
टू ट्रीटाइस ऑन गवर्नमेंट	जॉन लॉक
दि कॉन्सेप्ट ऑफ लॉ	एच.एल.ए. हार्ट

74. Match List I with List II/सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

List-I/सूची-I Theory		**List-II/सूची-II Concept**	
A.	Active Voluntary Euthanasia/सक्रिय स्वैच्छिक इच्छामृत्यु	1.	Directly causing death without the consent of the patient/रोगी के सहमति के बिना मृत्यु कारित करना

B.	Active Non voluntary Euthanasia/सक्रिय अनैच्छिक इच्छामृत्यु	2.	Directly causing death with the consent of the patient/रोगी के सहमति के साथ मृत्यु कारित करना
C.	Passive voluntary Euthanasia/निष्क्रिय स्वैच्छिक इच्छामृत्यु	3.	Withdrawing life-sustaining measures with the consent of the patient/रोगी के सहमति के पश्चात/साथ जीवन रक्षक साधन/यंत्र हटाना
D.	Pasive Non-voluntary Euthanasia/निष्क्रिय अनैच्छिक इच्छामृत्यु	4.	With drawing life-sustaining measures without the consent of the patient./रोगी के सहमति के बिना जीवन रक्षक यंत्र हटाना

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

Codes/कूट :

	A	**B**	**C**	**D**		**A**	**B**	**C**	**D**
(a)	1	2	3	4	(b)	2	1	3	4
(c)	2	1	4	3	(d)	1	3	3	2

Ans. (b) : सही सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I	**सूची-II**
सक्रिय स्वैच्छिक इच्छामृत्यु	रोगी के सहमति के साथ मृत्यु कारित करना
सक्रिय अनैच्छिक इच्छामृत्यु	रोगी के सहमति के बिना मृत्यु कारित करना
निष्क्रिय स्वैच्छिक इच्छामृत्यु	रोगी के सहमति के पश्चात/साथ जीवन रक्षक साधन/यंत्र हटाना
निष्क्रिय अनैच्छिक इच्छामृत्यु	रोगी के सहमति के बिना जीवन रक्षक यंत्र हटाना

75. Match List I with List II/सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

List-I/सूची-I Author/Thinker लेखक/विचारक		**List-II/सूची-II Theory/सिद्धांत**	
A.	D.P. Chattopadhyaya डी.पी. चटोपध्याय	1.	Humanism ह्यूमनिज्म
B.	Narayan Guru नारायण गुरु	2.	Marxist Aproach मार्क्सिस्ट एप्रोच
C.	Maulana Azad मौलाना आजाद	3.	Mahima Dharma महिमा धर्मा (धर्म)
D.	Sant Kabi Bhima Bhai संत कवि भीमा भाई	4.	One caste, one religion, one god/एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

Codes/कूट :

	A	**B**	**C**	**D**		**A**	**B**	**C**	**D**
(a)	1	2	3	4	(b)	2	4	1	3
(c)	4	2	3	1	(d)	2	4	3	1

Ans. (b) : सही सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I (लेखक/विचारक)	**सूची-II (सिद्धांत)**
डी.पी. चटोपध्याय	मार्क्सिस्ट एप्रोच
नारायण गुरु	एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर
मौलाना आजाद	ह्यूमनिज्म
संत कवि भीमा भाई	महिमा धर्मा (धर्म)

76. As per Samkhya view of evolution, arrange the following in sequential order./विकास के साख्य मत के अनुसार निम्नलिखित को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए :

A. Prakriti in Homogenous state साम्यावस्था अवस्था में प्रकृति

B. Manas/मनस्

C. Mahat/महत्

D. Ahankara/अहंकार

Choose the correct answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, C, D, B (b) A, D, C, B
(c) D, C, B, A (d) C, D, B, A

Ans. (a) : विकास के क्रम में सांख्य मत का कालानुक्रम है-

साम्यावस्था में प्रकृति
↓
महत्
↓
अहंकार
↓
मनस्

77. Arrange the following in accordance with Plato's affirmation of hierarchy of knowledge starting from the lowest level to the highest level./प्लेटो की सोपानिकी की अभिस्वीकृति के अनुसार निम्नलिखित को निम्नतम स्तर से उच्चतम स्तर के क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

A. Conjecture as a kind of sensuous knowledge एन्द्रिय ज्ञान के प्रकार के रूप में प्राक्कल्पना (कॉन्जेक्चर)

B. Belief as the knowledge of sensible objects संवेद्य वस्तुओं के ज्ञान के रूप में विश्वास

C. Discursive intellect the knowledge of hypothetical nature/विमर्शात्मिक प्रज्ञा-परिकल्पनात्मक स्वरूप का ज्ञान

D. Dialedical knowledge as achieved in dialectic/द्वन्द्व न्याय में अर्जित द्वन्द्वात्मक ज्ञान

Choose the correct answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, C, B, D (b) D, C, B, A
(c) A, B, C, D (d) B, A, C, D

Ans. (c) : प्लेटो की सोपानिकी की अभिस्वीकृति के अनुसार निम्नतम स्तर से उच्चतम स्तर के क्रम में व्यवस्थित है-

एन्द्रिय ज्ञान के प्रकार के रूप में प्राक्कलपना
↓
संवेद्य वस्तुओं के ज्ञान के रूप में विश्वास
↓
विमर्शात्मिक प्रज्ञा-परिकल्पनात्मक स्वरूप का ज्ञान
↓
द्वन्द्व न्याय में अर्जित द्वन्द्वात्मक ज्ञान

78. Arrange the names of following medieval thinkers in chronological order starting with the latest./निम्नलिखित मध्यकालीन चिंतकों को नवीनतम से आरम्भ करते हुए कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए :

A. Augustine/आगस्टाइन

B. Anselm/एन्सेल्म

C. Aquinas/एक्वीनॉस

D. Duns Scotus/डंस स्कॉट्स

Choose the correct answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) D, C, A, B (b) D, C, B, A
(c) C, D, B, A (d) A, B, C, D

Ans. (b) : मध्यकालीन चिंतकों का कालानुक्रम है-
डंस स्कॉट्स → एक्वीनॉस → एन्सेल्म → आगस्टाइन

79. As per Locke's philosophy, arrange the following operations of mind in sequential order beginning from the last up to the first. लॉक के दर्शन के अनुसार मनस की निम्नलिखित संक्रियाओं को अंतिम से सर्वप्रथम के अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए :

A. Perception/प्रत्यक्ष

B. Discerning comparing and compounding विभेदीकरण, तुलना करना और प्रशमन

C. Abstraction/अमूर्तीकरण

D. Retention and recalling प्रतिधारण एवं पुनः स्मरण

E. Naming/नामन

Choose the correct answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) B, C, E, D, A (b) A, B, D, C, E
(c) C, E, B, D, A (d) A, D, B, E, C

Ans. (c) : लॉक के दर्शन के अनुसार मनस की संक्रियाओं को अंतिम से सर्वप्रथम के अनुक्रम में व्यवस्थित है-
अमूर्तीकरण → नामन → विभेदीकरण तुलना करना और प्रशमन → प्रतिधारण एवं पुनःस्मरण → प्रत्यक्ष।

80. As per Chanakya's view of seven organs of the State arrange the following starting with the one lowermost in hierarchy up to the supreme./चाणक्य द्वारा प्रदत्त राज्य के सप्तांगों के अनुसार निम्नलिखित को सोपानिकी में निम्नतम से सर्वोच्च के अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए :

A. Swami/स्वामी **B. Amatya/अमात्य**

C. Janpad/जनपद **D. Durga/दुर्ग**

Choose the correct answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, C, B, D (b) D, C, B, A
(c) A, B, C, D (d) D, B, C, A

Ans. (b) : चाणक्य द्वारा प्रदत राज्य के सप्तांगों के अनुसार सोपानों में निम्नतम से सर्वोच्च के अनुक्रम है-
दुर्ग → जनपद → अमात्य → स्वामी

81. Arrange the following in sequential order in accordance with Buddhist notion of twelve links of the causal wheel of dependent origination./प्रतीत्यसमुत्पाद के कारण चक्र के द्वादश निदान की बौद्ध धारणा के अनुसार निम्नलिखित को अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए :

A. Jati/जाति **B. Trsna/तृष्णा**

C. Bhava/भाव **D. Upadana/उपादान**

E. Vedana/वेदना

Choose the correct answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) B, C, D, A, E (b) A, C, D, B, E
(c) E, B, D, C, A (d) B, D, C, A, E

Ans. (b) : प्रतीत्यसमुत्पाद के कारण चक्र के द्वादश निदान को बौद्ध धारणा के अनुसार व्यवस्थित क्रम है-
जाति → भाव → उपादान → तृष्णा → वेदना

82. Arrange the following statements in sequential order in accordance with Buddhist notion of noble truths./निम्नलिखित कथनों को आर्य सत्य की बौद्ध धारणा के अनुसार अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए :

A. There is a way of suffering/दुःख का उपाय है

B. There is cause of suffering/दुःख का कारण है

C. There is cessation of suffering दुःख का निदान है

D. There is suffering/दुःख है

Choose the correct answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, B, D, D (b) B, D, C, A
(c) D, B, C, A (d) D, C, B, A

Ans. (c) : आर्य सत्य के बौद्ध धारणा के अनुसार अनुक्रम है-
दुःख है → दुःख का कारण है → दुःख का निदान है → दुःख का उपाय है।

83. As per Nyaya's philosophy, arrange the following steps of inference in sequential order./न्याय दर्शन के अनुसार अनुमान के निम्नलिखित सोपानों को अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए :

A. Wherever there is smoke, there is fire, as in the kitchen./जहाँ कहीं भी धुंआ है, वहाँ आग है, जैसाकि रसोई में होता है

B. The mountain has fire./पहाड़ पर आग है

C. Because mountain has smoke. क्योंकि पहाड़ पर धुंआ है

D. Therefore, the mountain has fire रसोई की तरह ही पहाड़ पर भी धुंए के साथ आग है

E. The mountain also has smoke accompanied by fire, like the kitchen./रसोई की तरह ही पहाड़ पर भी धुंए के साथ आग है

Choose the correct answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) B, C, E, A, D (b) B, E, A, C, D
(c) B, C, A, E, D (d) B, A, E, C, D

Ans. (c) : न्याय दर्शन के अनुसार अनुमान के निम्नलिखित सोपानों का व्यवस्थित अनुक्रम है-
पहाड़ पर आग है
↓
क्योंकि पहाड़ पर धुंआ है
↓

जहाँ कहीं भी धुंआ है वहाँ आग है जैसाकि रसोई में होता है
↓
उसी प्रकार पहाड़ पर भी आग है
↓
रसोई की तरह ही पहाड़ पर भी धुंए के साथ आग है।

84. Arrange the following in sequential order in accordance with eight-fold Yoga./अष्टंग योग के अनुसार निम्नलिखित को अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए :

A. Samadhi/समाधि

B. Meditation/ध्यान

C. Sense-withdrawal/प्रत्याहार

D. Concentration/धारणा/एकाग्रता

Choose the correct answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) D, C, B, A (b) C, D, B, A
(c) A, B, D, C (d) C, B, D, A

Ans. (b) : अष्टांग योग के अनुसार निम्नलिखित क्रमों में व्यवस्थित है- प्रत्याहार → धारणा/एकाग्रता → ध्यान → समाधि

85. As per Nyaya definition of perception, arrange the following in sequential order./प्रत्यक्ष को न्याय व्याख्या के अनुसार निम्नलिखित को अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए :

A. Sense-object contact (indriyartha Sannikarsa)/इंद्रिय-अर्थ सन्निकर्ष

B. Indeterminate (Avyapadesyam)/अव्यपदेश्यम्

C. Determinate (vyavsayatmakam) व्यवसायात्मकम्

D. Non-erroneous (Avyabhichan)अव्यभिचारी

Choose the correct answer from the options given below/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) B, C, A, D (b) A. B, D, C
(c) A, D, B, C (d) C, B, D, A

Ans. (b) : प्रत्यक्ष को न्याय व्याख्या के अनुसार व्यवस्थित अनुक्रम है- इंद्रिय अर्थ सन्निकर्ष → अण्यप्रदेश्यम् → अव्यभिचारी → व्यवसायात्मकम्

86. Given below are two statements : one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R :/नीचे दो कथन दिए गए है एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उनके कारण (Reason R) के रूप में

Assertion/अभिकथन A : According to M.N. Roy Philosophy is materialistic./एम.एन. रॉय के अनुसार दर्शनशास्त्र भौतिकवादी है।

Reason/कारण R : Materialism is the only possible philosophy/भौतिकवाद एक मात्र संभव दर्शन शास्त्र है

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the option given below :/उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

(a) Both A and R are correct explanation of A./Aऔर R दोनों सत्य है और R, A की सही व्याख्या है
(b) Both A and R are correct but R is not the correct explanation of A./Aऔर R दोनों सत्य है और R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A is correct but R is not correct.
A सत्य है लेकिन R असत्य है
(d) A is not correct but R is correct.
A असत्य है लेकिन R सत्य है

Ans. (a) : एम.एन. रॉय के अनुसार दर्शनशास्त्र भौतिकवादी है कारण है भौतिकवाद एकमात्र संभव दर्शन है। अतः अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य है तथा कारण (R) का अभिकथन (A) सही व्याख्या है।

87. Given below are two statements : one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R :/नीचे दो कथन दिए गए है एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उनके कारण (Reason R) के रूप में

Assertion/अभिकथन A : According to Gandhi Truth is God/गाँधी के अनुसार सत्य ही ईश्वर है।

Reason/कारण R : He believed that non-voilence is the means to realize God/वे विश्वास करते थे कि अहिंसा ईश्वर की अनुभूति के लिए साधन है।

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the option given below :/उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

(a) Both A and R are correct explanation of A.
A और R दोनों सत्य है और R, A की सही व्याख्या है
(b) Both A and R are correct but R is not the correct explanation of A./Aऔर R दोनों सत्य है और R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A is correct but R is not correct.
A सत्य है लेकिन R असत्य है
(d) A is not correct but R is correct.
A असत्य है लेकिन R सत्य है

Ans. (a) : गाँधी के अनुसार सत्य ही ईश्वर हैं। कारण यह है कि वे विश्वास करते थे कि अहिंसा ईश्वर की अनुभूति के लिए साधन है। अतः कथन और कारण दोनों सत्य है तथा कारण (R) का अभिकथन (A) सही व्याख्या है।

88. Given below are two statements : one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R :/नीचे दो कथन दिए गए है एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उनके कारण (Reason R) के रूप में

According to Radhakrishnan/राधाकृष्णन के अनुसार

Assertion/अभिकथन A : The idea of welfare and public service have been quite active in Hinduism./हिंदुत्व में, लोक कल्याण और जन सेवा के विचार अधिक सक्रिय हैं

Reason/कारण R : Hindu Religion has accepted life in its entirety./हिन्दू धर्म ने जीवन को इसके पूर्णता में स्वीकार किया

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the option given below :/उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

(a) Both A and R are correct explanation of A.
Aऔर R दोनों सत्य है और R, A की सही व्याख्या है
(b) Both A and R are correct but R is not the correct explanation of A./Aऔर R दोनों सत्य है और R, A की सही व्याख्या नहीं है

(c) A is correct but R is not correct.
A सत्य है लेकिन R असत्य है

(d) A is not correct but R is correct.
A असत्य है लेकिन R सत्य है

Ans. (a) : हिन्दूत्व में लोक कल्याण और जन सेवा के विचार अधिक सक्रिय है। क्योंकि हिन्दू धर्म ने जीवन को इसके पूर्णता में स्वीकार किया। अतः अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य है तथा सही व्याख्या भी है।

89. Given below are two statements : one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R :/नीचे दो कथन दिए गए है एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उनके कारण (Reason R) के रूप में

Assertion/अभिकथन A : According to Buddhism in empirical world dominated by the intellect, everything is relative conditional, dependent and impermanent./बौद्ध दर्शन में अनुसार, बुद्धि के प्रभाव वाला यह अनुभवमूलक संसार, सापेक्ष, सोपाधिक, आश्रित और अस्थायी है।

Reason/कारण R : According to Buddhism, depending on the cause the effect arises. Thus every object of thought is necessarily relative.
बौद्ध दर्शन के अनुसार कारण पर आश्रित कार्य उत्पन्न होता है। प्रत्येक विचार का विषय आवश्यक रूप से सापेक्ष होते है

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the option given below :/उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

(a) Both A and R are correct explanation of A.
Aऔर R दोनों सत्य है और R, A की सही व्याख्या है

(b) Both A and R are correct but R is not the correct explanation of A./A और R दोनों सत्य है और R, A की सही व्याख्या नहीं है

(c) A is correct but R is not correct.
A सत्य है लेकिन R असत्य है

(d) A is not correct but R is correct.
A असत्य है लेकिन R सत्य है

Ans. (a) : बौद्ध दर्शन के अनुसार बुद्धि के प्रभाव वाला यह अनुभवमूलक संसार सापेक्ष, सोपाधिक, आश्रित और अस्थायी है। क्योंकि, बौद्ध दर्शन के अनुसार कारण पर आश्रित फर्म उत्पन्न होता है। प्रत्येक विचार का विषय आवश्यक रूप में सापेक्ष होते है। अतः अभिकथन और कारण दोनों सत्य है तथा व्याख्या भी है।

90. Given below are two statements : one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R :/नीचे दो कथन दिए गए है एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उनके कारण (Reason R) के रूप में

Assertion/अभिकथन A : According to Shankara Brahman associated with its potency, Maya is Saguna Brahman and is creator, preerver and destroyer of the world./शंकर के अनुसार माया शक्ति से युक्त ब्रह्म ही सगुण ब्रह्म है और वह जगत का सृजनकर्ता, पालनकर्ता एवं संहारकर्ता है।

Reason/कारण R : Maya is indescribable, neither existent nor non-existent nor both.
माया अवर्णनीय है, वह न तो सत् है नहीं असत् और न ही दोनों है

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the option given below :/उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

(a) Both A and R are correct explanation of A.
Aऔर R दोनों सत्य है और R, A की सही व्याख्या है

(b) Both A and R are correct but R is not the correct explanation of A./Aऔर R दोनों सत्य है और R, A की सही व्याख्या नहीं है

(c) A is correct but R is not correct.
A सत्य है लेकिन R असत्य है

(d) A is not correct but R is correct.
A असत्य है लेकिन R सत्य है

Ans. (b) : शंकर के अनुसार माया शक्ति से युक्त ब्रह्म ही सगुण ब्रह्म है और वह जगत का सृजनकर्ता, पालनकर्ता एवं संहारकर्ता है। क्योंकि माया अवर्णनीय है, वह न तो सत् है, नहीं असत् और न ही दोनों है। अतः अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य है लेकिन कारण, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।

Read the following Passage and answer the (91-95) questions :/निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे (91-95) प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

They say 'means are after all means' I would say means are after all everything; as the means so the end There is no wall of separation between means and end. Indeed, the Creator, has given as control (and that too very limited) over means, but none over the end. Realization of the goal is in exact proportion to that of the means. This is a proportion that admits of no exception./'वे कहते हैं 'साधन आखिरकार साधन है, मैं कहता हूँ' साधन आखिकर सब कुछ है।' जैसा साधन वैसा साध्य/साधन और साध्य में कोई पृथकता की दीवार नहीं है। वास्तव में, सृजनकर्ता में हमें साधन पर तो नियंत्रण दिया है (वह भी बहुत सीमित) परंतु साध्य पर नहीं। साध्य पर नहीं। साध्य की सिद्धि साधन ठीक अनुपात में होती है। इस अनुपात का कोई अपवाद नहीं।

91. The above mentioned paragraph is stated by Mahatma Gandhi in the following book.
उपरोक्त गद्यांश महात्मा गाँधी के निम्नलिखित में से किस पुस्तक से ली गई है?

(a) Young India/यंग इंडिया
(b) Hind Swaraj/हिंद स्वराज
(c) My Experiments with Truth
माई एक्सपेरिमेंट विद ट्रुथ
(d) Mooknayak/मूकनायक

Ans. (a) : उपरोक्त गद्यांश महात्मा गाँधी के पुस्तक यंग इंडिया से लिया गया है।

92. The given paragraph seems to advocate with particular model of ethics?
दिया गया गद्यांश निम्नलिखित में से किस विशेष नीति शास्त्र प्रारूप की पैरोकारी करता प्रतीत होता है?

(a) Virtue Ethics/सद्गुण नीतिशास्त्र
(b) Consequential Ethics/परिणामवादी नीतिशास्त्र
(c) Deontological Ethics/परिणाम निरपेक्ष नीतिशास्त्र
(d) Intuitionalistic Ethics/अंतः प्रज्ञावादी नीतिशास्त्र

Ans. (c) : दिये गये गद्यांश में परिणाम निरपेक्ष नीतिशास्त्र प्रारूप की पैरोकारी करता प्रतीत होता है।

93. In the Gandhian philosophy, the attainment of 'Truth-as-end' depends on :/गांधीवाद दर्शन में 'साध्य के रूप मे सत्य' की प्राप्ति निर्भर करती है :-

(a) Truth also as means./साधन के रूप में भी सत्य
(b) Non-violence as end./साध्य के रूप में अहिंसा
(c) Non-violence as means/साधन के रूप में अहिंसा
(d) Decentralization as end
साध्य के रूप में विकेंद्रीकरण

Ans. (c) : गाँधीवादी दर्शन में साध्य के रूप में सत्य की प्राप्ति साधन के रूप में अहिंसा पर निर्भर करती है।

94. In Gandhian ethics, the influence of disinterested action (Niskama Karma) is clearly visible in :
गाँधीवाद नीतिशास्त्र में निष्काम कर्म का प्रभाव निम्नलिखित पर स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है

(a) Realization of Truth/सत्य की प्राप्ति
(b) Purity of means/साधन की शुद्धता
(c) Attainment of liberation/मुक्ति की प्राप्ति
(d) Acquisition of knowledge/ज्ञान का अर्जन

Ans. (b) : गाँधीवादी नीतिशास्त्र में निष्काम कर्म का प्रभाव साधन की शुद्धता पर स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है।

95. Gandhiji strongly recommends that "As soon as we lose the moral basis, we cease to be _____'./गांधीजी दृढ़ता से अनुशंसा करते है ''हम ज्यों हि नैतिक आधार खाते है हम____नहीं रह पाते।''

(a) Political/राजनैतिक (b) Religious/धार्मिक
(c) Social/सामाजिक (d) Democratic/लोकतान्त्रिक

Ans. (b) : गाँधी जी दृढ़ता से अनुशंसा करते हैं 'हम ज्यों ही नैतिक आधार खोते हैं धार्मिक नहीं रहते हैं।

Read the following passage and answer the (96-100) question :/निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर नीचे दिए गए (96-100) प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

Contemporary defenders of the traditional natural Law approach might seek to mount a secular defense of Aquinas's notion that the purpose of law is to promote the common good. They may point out that what we understand as oppression and explotation was understood by those who enacted slave laws as just and right. Their point is not to endorse the relativist notion that something is made right by the simple fact that people think it is right. The traditional natural law view clearly rejects any such relativism in favor of the idea that there are objective moral truths. Rather their point is to suggest that in enacting laws people are trying to do what is right, however flawed their notions of right and wrong may be if this is what people are trying to do, then we can still say that the purpose of law is to promote morality and justice. This is the human aim of law, regardless of whether it is God's aim as well.

पारम्परिक प्राकृतिक कानून को संरक्षण प्रदान करने वाले समकालीन संरक्षकों को एविनवास की धारणा, जो कि कानून का उद्देश्य सामान्य शुभ का प्रोत्साहन होता है, को दृष्टिगत रखते हुए सामाजिक संरक्षण की इच्छा रखना चाहिए। वे रेखांकित कर सकते हैं कि जिसे हम दमन एवं शोषण समझते हैं, उसे न्यायपूर्ण और उचित समझा गया। जिन्होंने दास नियम अधिनियमित किया, उनकी दृष्टि इसे सापेक्षतावादी अवधारणा की पुष्टि नहीं करती है यह कि जिसे लोग सही समझते हैं, इसलिए वे सही है। पारम्परिक प्राकृतिक कानून के दृष्टिकोण से इस तरह के सापेक्षतावादी दृष्टिकोण को स्पष्टतया अस्वीकार करते है, इस पक्ष में कि वस्तुनिष्ठ नैतिक सत्य होता है। बल्कि वे यह सुझाव देते है कि कानूनों के अधिनियम से लोग वही करने का प्रयास कर रहे हैं, जो कि सही है भले ही उनकी अवधारणा गलत और त्रुटिपूर्ण हो सकती है। यदि यह वही है, जिसे लोग करने का प्रयास कर रहे हैं, तब हम फिर भी कह सकते हैं कि विधि का उद्देश्य नैतिकता एवं न्याय को प्रोत्साहन देना है। यहाँ कानून का मानवीय उद्देश्य है, भले ही यहीं ईश्वर का उद्देश्य हो।

96. What is the subject matter discussed in the passage. Given above?/उपर्युक्त गद्यांश में कौन से मुख्य बिंदु पर चर्चा की गई है-

(a) Traditional Natural Law
पारम्परिक प्राकृतिक विधि/कानून
(b) Divine Law/दैवीय विधि/कानून
(c) Constitutional Law/संवैधानिक विधि/कानून
(d) Statutory Law/सांविधिक विधि/कानून

Ans. (a) : उपर्युक्त गद्यांश में पारम्परिक प्राकृतिक विधि/कानून पर चर्चा की गई है।

97. According to Aquinas, the purpose of law is– एक्विनास के अनुसार, विधि/कानून का उद्देश्य है :

(a) To promote common good
सामान्य शुभ कल्याण का प्रोत्साहन
(b) To promote common will
सामान्य संकल्प का प्रोत्साहन
(c) To promote common right
सामान्य अधिकार का प्रोत्साहन
(d) To promote common divinity
सामान्य दैविकता का प्रोत्साहन

Ans. (a) : एक्विनास के अनुसार विधि/कानून का उद्देश्य सामान्य शुभ कल्याण का प्रोत्साहन है।

98. Which one of the following is a supporter of traditional natural law theory?/निम्न में से कौन पारम्परिक प्राकृतिक विधि/कानून के समर्थक हैं?

(a) Immanuel Kant/इमैनुअल काष्ट
(b) H.L.A. Hart/एच.एल.ए. हार्ट
(c) J.L. Austin/जे.एल. आस्टिन
(d) T. Aquinas/टी. एक्विनास

Ans. (c) : जे.एल. आस्टिन पारम्परिक प्राकृतिक विधि/कानून के समर्थक है।

99. What is the relation between morality and justice in Law?/विधि में नैतिकता और न्याय के बीच क्या सम्बन्ध है?

(a) Constituent components of law.
विधि के निर्मात्री संघटक
(b) Constituent connections of law.
विधि के निर्मात्री संसक्त तत्व
(c) Constituent components of reason.
तर्कबुद्धि के निर्मात्री संघटक
(d) Constituent connections of reason
तर्कबुद्धि के निर्मात्री संसक्त तत्व

Ans. (a) : विधि में नैतिकता और न्याय के बीच विधि के निर्मात्री संघटक का संबंध है।

100. Traditional natural law clearly rejects relativism in favor of the idea that–/पारम्परिक नैसर्गिक कानून सापेक्षतावाद को इस अवधारणा के पक्ष में स्पष्टतः खारिज करता है कि-

(a) There are subjective moral truth
आत्मनिष्ठ नैतिक सत्य है
(b) There are objective moral truth
वस्तुनिष्ठ नैतिक सत्य है
(c) There are objective legal truth
वस्तुनिष्ठ विधिक सत्य है
(d) There are subjective legal truth
आत्मनिष्ठ विधिक सत्य है

Ans. (b) : पारंपरिक नैसर्गिक कानून सापेक्षतावाद को इस अवधारणा के पक्ष में स्पष्टतः खारिज करता है कि वस्तुनिष्ठ नैतिक सत्य है।

NTA यू.जी.सी. नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2023
दर्शनशास्त्र (PHILOSOPHY)
व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल (परीक्षा तिथि : 19.06.2023)

1. Which one of the following is true?
निम्नलिखित में से कौन सा सत्य है?

(a) It 'p' and 'q' are true then p q is the false
यदि 'p' और 'q' सत्य हैं तो (IMAGE) असत्य है।

(b) If 'p' and 'q' are false then ~ (p. ~q) is true
यदि 'p' और 'q' असत्य हैं तो ~ (p ~q) सत्य है।

(c) If 'p' is true and 'q' is false then p. ~q is false
यदि 'p' सत्य और 'q' असत्य हैं तो p ~ q असत्य है।

(d) If 'p' is false and 'q' is true then p q is false
यदि 'p' असत्य और 'q' सत्य हैं तो (IMAGE) असत्य है।

Ans. (b) : यदि p और q असत्य हैं, तो (p ~q) सत्य है।
* एक वास्तविक अनुभव या अवलोकन से ज्ञात सत्य: कुछ सत्य माना जाता है।
* यह एक प्रकार का तर्क-वितर्क है, जिसमें कथन का प्रयोग करके, कथन की सत्यता को प्रमाणित करने के लिए किया जाता है। यही न्याय वाक्य है।

2. Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.
नीचे दो कथन दिए गए हैं. एक अभिकथन (Asseriton A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :
Consider them and select the correct code from the stand point of Buddhism:
बौद्धमत के दृष्टिकोण के आधार पर सही कूट चयन कीजिए :
Assertion A: Everything cannot be claimed to be momentary
अभिकथन A: प्रत्येक वस्तु के क्षणिक होने का दावा नहीं किया जा सकता।
Reason R: There would he none to observe it
कारण R: इसके प्रेक्षण के लिए कोई नहीं होगा।
In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Both A and R are correct and R is the correct explanation of A/A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(b) Both A and R are correct but R NOT the correct explanation of A/A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A is correct but R is not correct
A सही है लेकिन R सही नहीं है।

(d) A is not correct but R is correct
A सही नहीं है लेकिन R सही है।

Ans.(a) : बौद्ध दर्श तीन मूल सिद्वान्त पर आधारित माना गया है। (1) अनीश्वरवाद (2) अनात्मवाद (3) क्षणिक वाद यह दर्शन पूरी तरह से यथार्थ में जीने की शिक्षा देता है।
* बौद्ध धर्म के अनुसार 'सम्यक दृष्टि' वह है, जिसे बुद्ध अस्तित्व को देखने का सही तरीका मानते थे।
* बौद्धमत के दृष्टि कोण के आधार पर प्रत्येक वस्तु के क्षणिक होने का दावा नहीं किया जा सकता है।
* इसके प्रेक्षण के लिए कोई नहीं होगा। यह बौद्ध मत का मानना है।

प्रेक्षण : किसी सजीव प्राणी (मानव) द्वारा अपने ज्ञानेन्द्रियों के द्वारा अथवा किसी अन्य कृत्रिम उपकरण द्वारा बाह्य जगत का ज्ञान प्राप्त करना प्रेक्षण कहलाता है।

3. Which one of the following with reference to Satyagraha was maintained by Gandhi?
सत्याग्रह के संदर्भ में गाँधी द्वारा निम्नलिखित में से किसका समर्थन किया गया था?

(a) Satyagraha involves disrespecting the law
सत्यग्रह में कानून की उपेक्षा सम्मिलित थी

(b) Satyagraha involves passive resistance with force/सत्याग्रह में बलपूर्वक निष्क्रिय प्रतिरोध सम्मिलित था

(c) Satyagraha involves respect for law and a feeling of love/सत्याग्रह में कानून के प्रति आदर एवं प्रेम की भावना सम्मिलित थी

(d) Satyagraha involves a feeling of love passive resistance with forrce/सत्याग्रह में प्रेम की भावना एवं बलपूर्वक निष्क्रिय प्रतिरोध सम्मिलित था

Ans. (c) : सत्याग्रह : महात्मागाँधी ने अन्याय और बुराई का अहिंसक ढंग से विरोध करने तथा न्याय की मांग करने के लिए जिस नये तरीके का अविष्कार किया उसे ही उन्होने सत्याग्रह नाम दिया।
* सत्याग्रह के विचार का मतलब-'सत्य को ही अपनी शक्ति बनाकर अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना।
* गाँधी जी के लिए सत्याग्रह का उद्देश्य पूर्वाग्रह, दुर्भावना, मतांधता, दंभ और स्वार्थपरता की बाधाओं को भेदना था। गाँधी ने पीड़ित प्रेम के आध्यात्मिक प्रभाव के संदर्भ में सत्याग्रह की प्रभावशीलता की व्याख्या की।
* सत्याग्रह में गाँधी जी द्वारा सत्याग्रह में कानून के प्रति आदर एवं प्रेम की भावना सम्मिलित थी।
* गाँधी जी ने सत्याग्रह के प्रभाव को कष्ट साध्य प्रेम के आध्यात्मिक प्रभाव के रूप में समझाया है।

4. Consider the following and mark the correct code :
निम्नलिखित पर विचार कीजिए एवं सही कूट को चिन्हित कीजिए:

"Right" and "wrong" apply to-
''सही'' और ''गलत'' इन पर लागू होता है:-

A. Voluntary Actions/ऐच्छिक कर्मों पर

B. Habitual Actions/स्वाभाविक कर्मों पर

C. Involuntary Actions/अनैच्छिक कर्मों पर

D. Contingent Actions/आकस्मिक कर्मों पर

Choose the correct answer from the options given below :
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A only/केवल A
(b) B only/केवल B
(c) A and B only/केवल A, B
(d) C and D only/केवल C, D

Ans. (c) : <u>ऐच्छिक कर्म</u> : शरीर की वे प्रतिक्रियाएँ जो सीधे ही मस्तिष्क के नियंत्रण में होती हैं। ऐच्छिक क्रियाएँ कहलाती है।

<u>ऐच्छिक कर्म</u> : कर्म करता हो, जिसके साधन हेतु का उसे पूर्व ज्ञान हो, तब उस क्रिया को ऐच्छिक कर्म कहा जाता है।

<u>स्वभविक कर्म</u> : स्वभाविक कर्म ही परमेश्वर पूजा है। अपने स्वाभाविक कर्म में लगा हुआ मनुष्य जिस प्रकार से कर्म करके परम् सिद्धि को प्राप्त होती है।

* सही और गलत, ऐच्छिक और स्वाभाविक कर्मों पर लागू होता है।

5. Consider the following and select the code for correct sequence :
निम्नलिखित पर विचार कीजिए और सही अनुक्रम वाले कूट का चयन कीजिए :

A. Dhyana/ध्यान

B. Pranayama/प्राणायाम

C. Dharana/धारणा

D. Pratyahara/प्रत्याहार

Choose the correct answer from the options given below :
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) D, C, A, B (b) A, B, C, D
(c) B, D, C, A (d) B, A, C, D

Ans. (c) : <u>अष्टांग योग के आठ योगांग है</u>- यम → नियम → आसन→ प्राणायाम→ प्रत्याहार → धारणा → ध्यान → समाधि है।

* प्राणायामस्तथा ध्यान प्रत्याहारोस्थ धारणा। कर्तश्चैत्र समधिश्च षडाङ्गो योग उच्यते।।
* इसमें अष्टांग योग के यम, नियम और आसन को स्थान नहीं दिया गया है।
* शरीर, मन, प्राण, बुद्धि तथा आत्मा आदि अवयवों और उस समय प्रचलित योग विधानों को दृष्टि में रख कर उन पर शोध करने के बाद महर्षि पतंजली ने योग के अष्यांगों का निर्धाराण किया।

*** (b) <u>प्राणायाम</u> :** प्राण + आयाम

प्राण ⇒ शक्ति या सांस ही प्राण है।

आयाम ⇒ बढ़ाना या विस्तार करना है।

अर्थात् प्राणशक्ति को बढ़ाना या नियंत्रित करना प्राणायाम है।

(d) <u>प्रत्याहार</u> : मन एवं बुद्धि दोनो को शांत कर, उन्हें निर्मल, निश्चल एवं व्यवस्थित बनाये रखना ही प्रत्याहार कहलाता है।

(c) <u>धारणा</u> : किसी एक विषय पर एकाग्रता हासिल करना ही धारणा कहलाता है।

(a) <u>ध्यान</u> : एक विषय पर मन और मस्तिष्क को पूर्णत: केंन्द्रित कर उसका स्मरण करते रहना ध्यान है।

6. Which of the following is rejected by Berkeley?
निम्नलिखित में से किसे बर्कले अस्वीकार करते हैं?

(a) The objects of human knowledge are actually imprinted on the senses/मानव ज्ञान के विषय इंद्रियों पर वास्तविक रूप में छपे होते हैं
(b) Soul is something which perceives ideas आत्मा प्रत्ययों का अनुभव करती है
(c) There are abstract ideas/अमूर्त प्रत्यय होते हैं
(d) Soul is entirely distinct from ideas आत्मा प्रत्ययों से पूर्णतया भिन्न है।

Ans. (c) : बर्कले अमूर्त प्रत्यय को अस्वीकार करते है।

<u>बर्कले का सिद्धांत</u> : इनके अनुसार आत्मा और उसके प्रत्ययों के अतिरिक्त कोई सत्ता नहीं। हमारे प्रत्यय ही सत्य वस्तुएँ है। इसका कथन है-''मैं वस्तुओं को प्रत्यय नहीं बनाता, मैं प्रत्ययों को वस्तु बना रहा हूँ।''प्रत्यय ही सत्य विषय हैं और उनकी सत्ता आत्मा के बाहर नहीं है।

* बर्कले निष्क्रिय प्रत्ययों के अतिरिक्त बर्कले एक क्रियाशील पदार्थ अर्थात् आत्मा के अस्तित्व को भी स्वीकार करते हैं।

आत्मा के द्वारा अनुभव ग्रहण किये जाते हैं और बेदनाओं की प्रतीति होती है।

<u>बर्कले स्वीकार करते हैं</u> : मानव ज्ञान के विषय इंद्रियों पर वास्तविक रूप में छपे होते हैं।

* आत्मा प्रत्ययों का अनुभव करती है।
* आत्मा प्रत्ययों से पूर्णतया भिन्न है।

7. According to Gilbert Ryle, Philosophers misconstrue the logical grammar of terms:
गिल्बर्ट रॉयल के अनुसार दर्शनिकों ने तार्किक व्याकरण के पदों का गलत अर्थ लगाया:

(a) By treating them as denoting acts
उन्हें व्यक्तिनिर्देशक कृत्य के रूप में मानते हुए
(b) By treating them as argumentative passages
उन्हें युक्तियुक्त अवतरण के रूप में मानते हुए

(c) By treating then as categorical propositions
उन्हें निरुपाधिक तर्कवाक्य के रूप में मानते हुए

(d) By treating them as paraphrasing arguments
उन्हें पदव्याख्या तर्क के रूप में मानते हुए

Ans. (a) : गिल्बर्ट रॉयल के अनुसार दार्शनिकों ने तार्किक व्याकरण के पदों को लगाया है-

* उन्हें युक्तियुक्त अवतरण के रूप में मानते हुए।
* उन्हें निरुपाधिक तर्कवाक्य के रूप में मानते हुए।
* उन्हें पदव्याख्या तर्क के रूप में मानते हुए।
* राइल की प्रसिद्ध पुस्तक '' Concept of mind'' है तथा कोटि दोष एवं मशीन में स्थित प्रेत वाला सिद्धांत जिसे राइल काल्पनिक तथा भ्रामक कहते है।

राइल के अनुसार हम जब एक कोटि के तथ्यों को ऐसे वाक्य व्यवहारों में व्यक्त करते हैं। जो वाक्य-व्यवहार उस कोटि के अनुरूप नहीं है। बल्कि उससे सर्वथा भिन्न कोटि के अनुरूप है।

8. What makes Lock a consistent empiricist?
लॉक को क्या एक संगत इन्द्रियानुभववादी बनाता है:

(a) His acceptance of matter as 'something I know not what'/''भौतिक द्रव्य क्या है जिसे मैं नहीं जानता'' का स्विकार्यता ।

(b) His acceptance of the existence of God
उनकी ईश्वरीय सत्ता की स्वीकार्यता ।

(c) His refutation of the doctrine of innate ideas
उनका सहज प्रत्ययों के सिद्धान्त का खंडन।

(d) His view that there can be sensation without an object/उनका विचार कि वस्तु के बिना संवेदना हो सकता है।

Ans. (c) : <u>इंद्रियानुभववाद</u> : यह एक दार्शनिक सिद्धांत है। जिसमें इंद्रियों को ज्ञान का माध्यम माना जाता है। इसके अनुसार इंद्रियों से प्राप्त होने वाला अनुभव अथवा किसी भी रूप में होने वाला अनुभव ही ज्ञान का और हमारे संप्रत्ययों का एक मात्र अंतिम आधार है।

* लॉक को अनुभववाद के पिता के रूप में माना जाता है। क्योंकि सर्वप्रथम इन्होंने बुद्धिवाद की मान्यताओं का निषेध कर अनुभववाद की नई नींव रखी।

अनुभववाद के अनुसार हमारा समस्त ज्ञान अनुभवजन्य है। इसके अनुसार समस्त ज्ञान प्रत्ययात्मक है तथा सभी प्रत्यय अनुभव द्वारा प्राप्त होते है।

* लॉक को उनका सहज प्रत्ययों के सिद्धांत का खण्डन एक संगत इन्द्रियानुभववादी बनाता है।
* लॉक के अनुसार यह सम्भव है कि कोई प्रत्यय मनुष्य में है और वह उससे अनभिज्ञ हो।

9. Which of the following regarding Brahmavada is acceptable to both Ramanuja and Madhva?
ब्रह्मवाद के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा रामानुज और मध्व दोनों को स्वीकार्य है?

(a) Nirgunatva only/निर्गुणत्व मात्र

(b) Sagunatva only/सगुणत्व मात्र

(c) Nirgunatva- Sagunatva/निर्गुणत्व-सगुणत्व

(d) Anirvacaniyatva/अनिर्वचनीयत्व

Ans. (b) : <u>ब्रम्हवाद</u> : * वेद को पढ़ना-पढ़ाना।

* वह सिद्धांत जिसमें शुद्ध चेतना मात्र की सत्ता स्वीकार की जाय, अनात्म की सत्ता न मानी जाय, अद्वैतवाद है।

<u>रामानुज का सिद्धांत</u> : विशिष्टाद्वैत (विशिष्ट + अद्वैत) आचार्य रामानुज का प्रतिपादित किया हुआ यह दार्शनिक मत है। इनके अनुसार यद्यपि जगत् और जीवात्मा दोनों कार्यत: ब्रम्ह से भिन्न हैं। फिर भी वे ब्रम्ह से ही उद्भूत हैं और ब्रम्ह से उसका उसी प्रकार का संबंध है। जैसा कि किरणों का सूर्य से है। अत: ब्रह्म एक होने पर भी अनेक हैं।

<u>माधवाचार्य का सिद्धांत</u> : माधवाचार्य ने प्रस्थानत्रयी ग्रंथों से अपने द्वैतवाद सिद्धांत का विकास किया। द्वैत (संस्कृत: द्वैतवाद) वेदांत में एक महत्वपूर्ण विद्यालय है, जो भारतीय दर्शन की 6 दार्शनिक प्रणालियों में से एक है। इसके संस्थापक माधव थे। जिन्हें आनंदतीर्थ भी कहा जाता है।

* ब्रम्हवाद के संदर्भ में सगुणत्व मात्र रामानुज और माधव दोनों को स्वीकार करता है।

10. Which one of the following is correct with reference to Descartes?
देकार्त के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a) Descartes was a subjective idealist
देकार्त द्वैतवादी था

(b) Descartes was an subjective idealist
देकार्त विषयिनिष्ठ आदर्शवादी था

(c) Descartes was an empiricist
देकार्त अनुभववादी था

(d) Descartes was the author of 'Essay concerning human understanding'/देकार्त 'एस्से कन्सर्निंग ह्यूमन अंडरस्टैंडिंग' का लेखक था

Ans. (a) : <u>देकार्त</u> : देकार्त को द्वैतवादी कहा जाता था। देकार्त के अनुसार धर्म का सम्बन्ध आध्यात्मिक चेतना से है और विज्ञान का सम्बन्ध भौतिक बाह्य जगत से है। ये दोनों जगत पूर्णत: एक दूसरे के विरोधी हैं तथा दोनों स्वतंत्र है। दोनों के कार्यक्षेत्र नितान्त भिन्न हैं। इस प्रकार देकार्त के विज्ञान और धर्म में द्वैत है।

* देकार्त ने जन्मजात ज्ञान के सिद्धांत का तर्क दिया और कहा कि सभी मनुष्य परमेश्वर की उच्च शक्ति के माध्यम से ज्ञान के साथ पैदा हुए थे। यह देकार्त का प्रथम सिद्वांत था।

11. 'Perfection of God implies the existence of God'. This is the view of whom?
'ईश्वर का अस्तित्व उसकी पूर्णता में अंतर्निहित होता है।' यह किसका मत है?

(a) Hume/ह्यूम

(b) St Augustine/सेंट आगस्टाइन

(c) St Thomas Aquinos/सेंट थॉमस एक्विनॉस

(d) St Anselmn/सेंट ऐन्सेल्म

Ans. (d) : ''ईश्वर का अस्तित्व उसकी पूर्णता में अन्तर्निहित होता हैं।'' यह सेंट ऐन्सेल्म का मत है।

* सेंट एंसलम ग्यारहवीं शताब्दी के महत्वपूर्ण विचार थे। वह तथाकथित ''ऑन्टोलॉजिकल तर्क'' की खोज और अभिव्यक्ति के लिए दर्शनशास्त्र में सबसे प्रसिद्ध हैं। धर्मशास्त्र में प्रायाश्चित के अपने सिद्धांत के लिए।

* **ह्यूम :** एलेन ओक्टेवियन ह्यूम ब्रिटिशकालीन भारत में सिविल सेवा के अधिकारी एवं राजनैतिक सुधारक थे। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संस्थापक थे। ह्यूम प्रशासनिक अधिकारी और राजनैतिक सुधारक के अलावा माहिर पक्षी-विज्ञानी भी थे। भारतीय पक्षी विज्ञान का पितामह कहा जाता है।

12. What is not acceptable to Hegel?
हेंगल के अनुसार क्या स्वीकार्य नहीं है?

(a) Reality is a living. developing process
सत् एक जीवित, विकासशील प्रक्रिया है।

(b) The universe is at bottom a chaotic system
ब्रह्मांड मूलतः अव्यवस्थित है।

(c) Whatever is real is rational and whatever is rational is real/जो भी सत् है वह बौद्धिक है और जो भी बौद्धिक है वह सत् है।

(d) The Reality is not an un differentiated Absolute/सत् अविभेदित निरपेक्ष नहीं है।

Ans. (b) : हेंगल : इनके अनुसार किसी को ब्रम्ह ज्ञान तभी होता है। जब पहले ज्ञेय पदार्थ का विषय द्वारा ज्ञाता या विषय का विरोध होता है। तत्पश्चात वह विषय उस विषय से विशिष्ट होकर अपने आप में समाविष्ट होता है।

* हेंगल के अनुसार स्वीकार्य है-
  * सत् एक जीवित विकासशील प्रक्रिया है।
  * जो भी सत् है वह बौद्धिक है और जो भी बौद्धिक है वह सत् है।
  * सत् अविभेदित निरपेक्ष नहीं है।
* हेंगल एक कट्टर सत्कार्यवादी विचारक थे। उनके अनुसार कार्य अपने कारण में अपनी अभिव्यक्ति से पूर्व भी मौजूद रहता है।
* हेंगल मानवीय स्वतंत्रता को मानते हुए उसे ईश्वरीय स्वतंत्रता द्वारा सीमित स्वीकार करते हैं।

13. Which one of the following is the correct combination of moods in the first figure?
प्रथम आकृति में विन्यास (मूड्स) का सही संयोज्य निम्नलिखित में से कौन सा है?

(a) Barbara, Cesare, Datisi ad Ferio
(b) Barbara, Celarent, Datisi and Festino
(c) Barbara, Celarent, Datisi and Ferio
(d) Barbara, Camenes, Datisi and Ferio

Ans. (*) : प्रथम कोटि की अभिक्रिया - वह अभिक्रिया जिसकी दर एक अभिकारक की संद्रता के अनुक्रमानुपाती होती है। कोटि की अभिक्रिया कहते है।

Moods : श्रेणीबद्ध प्रस्तावों की व्यवस्था को डिकोड करना ही मनोदशा (Moods) है।

आकृति- मध्य अवधि के प्लेसमेंट को समझना ही आकृति है।

* प्रत्येक मूड- आकृति संयोजन में विशिष्ट नियम होते हैं। जो यह निर्धारित करते हैं कि सिलोगिज्म वैध है या अमान्य है।
* वैध न्यायवाक्य के लिए पदों का सही वितरण आवश्यक है।
* **पहला आंकड़ा-** AAA, EAE, AII, EIO

14. Russell held that most propositions, including those of mathematics and the sciences, are complex because :
बी. रसेल का मानना है कि गणित और विज्ञान सहित अधिकांश तर्कवाक्यों को जटिल हैं, क्योंकि :

(a) They are combinations of simpler propositions
वे सरल तर्कवाक्यों के समुच्चय हैं

(b) They are combinations of complex propositions
जो जटिल तर्कवाक्यों के समुच्च हैं

(c) They are combination of compound propositions/वे यौगिक तर्कवाक्यों के समुच्चय हैं

(d) They are combinations of singular propositions/वे पृथक (सिंगुलर) तर्कवाक्यों के समुच्चय हैं

Ans. (a) : बी. रसेल का मानना है कि गणित और विज्ञान सहित अधिकांश तर्कवाक्य जटिल हैं, क्योंकि वे सरल तर्कवाक्यों के समुच्चय हैं।

* बी. रसेल के लिए तर्क एक सिंथेटिक प्राथमिक विज्ञान है जो सभी प्रकार की संरचनाओं का अध्ययन करता है।
* बर्ट्रेंड रसेल ने लिखा है कि दर्शन ''अंतिम प्रश्नों'' का उत्तर देने का प्रयास है- उन अवधारणाओं और पूर्वधारणाओं की स्पष्टता, सुसंगतता या तर्कसंगतता के बारे में प्रश्न जिन्हें गैर-दार्शनिक समझदार या स्पष्ट रूप से सत्य मानते हैं।
* रसेल विशेष रूप से, औपचारिक तर्क और विज्ञान को दार्शनिक के प्रमुख उपकरण के रूप में देखते थे।

15. By which sannikarsa do we visually perceive the coolness of ice according to their naiyayikas
नैयायिकों के अनुसार बर्फ की शीतलता का चाक्षुप प्रत्यक्ष हम किस सन्निकर्ष द्वारा करते हैं?

(a) Yogaja/योगज
(b) Jnanalaksana/ज्ञान लक्षण
(c) Samanyalaksana/सामानय लक्षण
(d) Sasmyoga/संयोग

Ans. (b) : नैयायिकों के अनुसार बर्फ की शीतलता का चाक्षुप प्रत्यक्ष हम ज्ञान लक्षण सन्निकर्ष द्वारा करते है।

* नैयायिक कहते हैं कि शब्द और अर्थ में तीन प्रकार के संभावित संबंध बनाते हैं।

(1) शब्द के पास अर्थ की उपस्थिति

(2) अर्थ के पास शब्द की उपस्थिति

(3) दोनों की सापेक्ष भाव से उपस्थिति

इंद्रियों के संबंध मात्र से जो पदार्थ का ज्ञान होता है। उसका संज्ञा शब्द से व्यवहार नहीं होता।

* **ज्ञान लक्षण :** अक्रोध, वैराग्य, जितेन्द्रिय, क्षमा, दया, सर्वजनप्रिय, निर्लोभ, मदभयशोकरहित- ये दस ज्ञान के लक्षण हैं।

16. Which of the following statements are true with reference to Vivekananda?
विवेकानंद के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन सही हैं?

A. Conception of reality is pluralistic
उनकी यथार्थता की अवधारणा बहुवादी है

B. Conception of reality is monistic
उनकी यथार्थता की अवधारणा एकतत्वपरक है।

C. Conception of reality is heterogeneous
उनकी यथार्थता की अवधारणा विषमजातीय है।

D. Conception of universal religion is rooted in acceptation universal specialties of all religions/उनकी सार्वभौमिक धर्म की अवधारणा सभी धर्मों की विशेषताओं के स्वीकार से उपजी है।

Choose the correct answer the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A and B only/केवल A, B

(b) A and C only/केवल A, C

(c) B and D only/केवल B, D

(d) C and D only/केवल C, D

Ans. (c) : स्वामी विवेकानन्द का मानना था कि ब्रम्हाण्ड में केवल एक ही आत्मा है। अस्तित्व केवल एक ही है। उन्होंने सम्पूर्ण ब्रम्हाण्ड को पूर्ण एक ही अभिव्यक्ति के रूप में देखा।

* **इनका शैक्षिक विचार-** वे व्यवहारिक शिक्षा के प्रबल समर्थक थे। वे कहते थे कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली में मनुष्य भीरू व कायर बनाती है। एवं अपने उद्देश्यों को प्राप्त नहीं करती है।
* स्वामी विवेकानन्द की यथार्थता की अवधारणा एकतत्वपरक है।
* उनकी सार्वभौमिक धर्म की अवधारणा सभी धर्मों की विशेषताओं के स्वीकार से उपजी हैं।
* जिस अभ्यास से मनुष्य की इच्छा शक्ति, और प्रकाश संयमित होकर फलदाई बने उसी का नाम है शिक्षा।

17. Nozick advocates the theory of justice as:
नोज़िक न्याय के सिद्धांत का पक्ष इस रूप में रखते हैं:

(a) Fairness/निष्पक्षता (b) Right/अधिकार

(c) Entitlement/पात्रता (d) Liberty/स्वतंत्रता

Ans. (c) : नोजिक न्याय के सिद्धांत का पक्ष पात्रता के रूप में रखते हैं।

नोजिक न्याय का सिद्धांत :- नोजिक के अनुसार, जिसने भी इन साधनों के माध्यम से जो कुछ भी हासिल किया है। वह नैतिक रूप से इसका हकदार है। इस प्रकार न्याय का 'हकदार' सिद्धांत कहलाता है। किसी समाज में जोत का वितरण तभी होता है, जब उस समाज में हर कोई उस चीज़ का हकदार होता है, जो उसके पास है।

* नोजिक पुनर्वितरण के विचार को पूरी तरह से खारिज/विरोध करता है।
* रॉल्स के सिद्धांत के विकल्प के रूप में, नोजिक ने अपने 'पात्रता' सिद्धांत का सुझाव दिया।

18. Match List I with List II
सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

LIST I		LIST II	
A	Nietzsche/नीत्शे	I	Onto-centric/ऑन्टोसेंटिक
B	Sartre/सार्त्र	II	Subjectivity is truth वस्तुनिष्ठती सत्य है
C	Heidegger/हाइडेगर	III	Resentment रिसेन्टिमेंट
D	Kierkegaard कीर्केगार्ड	IV	Transcendence of the Ego अहं का उत्कर्ष

Choose the correct answer from the option given below :/निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A-III B-IV, C-I, D-II

(b) A-II, B-IV, C-III, D-I

(c) A-I, B-III, C-II, D-IV

(d) A-IV, B-II, C-III, D-I

Ans. (a) : * **नीत्शे :** जिस इच्छा को हम चाहते हैं वह है, जो हम चाहते हैं कि वह हमारे आस-पास क्या होता है, न केवल हमारे लूप में हमारे विचारों और भावनाओं सहित, अनन्त।

A → (iii) रिसंटिमेन्ट (नाराजगी, रोष)

* **सार्त्र :-** दर्शन शास्त्र के महान व्यक्ति थे। जो चेतना और अहंकार या स्वयं के मुद्दों से जूझते थे। ये ऐसे मामले हैं, जो लम्बे समय से दार्शनिकों को चिंतित करते है और विभिन्न दार्शनिक परंपराओं की सीमाओं को पार करते है।

B→ (iv) अहं का उत्कर्ष-

हाइडेगर : हइडेगर की मुख्य रूचि ऑन्टोलाजी या अस्तित्व का अध्ययन था। अपने मौलिक ग्रंथ, बीइंग एण्ड टाइम में, उन्होंने मानव अस्तित्व के अस्थायी और ऐतिहासिक चरित्र के संबंध में घटनात्मक विश्लेषण के माध्यम से अस्तित्व तक पहुँचने का प्रयास किया।

C→ (1)ऑन्टोसेंट्रिक

* **कीर्केगार्ड :** यह एक अस्तित्ववादी दार्शनिक के रूप में जाने जाते थे। दार्शनिक, धार्मिक लेखक, व्यंगकार, मनोवैज्ञानिक, पत्रकार, सहित्यिक आलोचक और आमतौर पर अस्तित्ववाद का पिता माना जाता है।

(D) → (II) वस्तुनिष्ठता सत्य

19. Given below are two statements :
नीचे दो कथन दिए गए हैं :

Consider the following with reference to Radhakrishnan
निम्नलिखित पर राधाकृष्णन के संबंध में विचार कीजिए।

Statement I: Philosophy is a synthesis of Advaita Vedanta and Philosophy of Absolute Idealism
कथन I : उनका दर्शन अद्वैत-वेदान्त का संश्लेषण और निरपेक्ष प्रत्ययवाद का दर्शन है

Statement II: Idealism is spiritualistic and teleological.
कथन II : उनका प्रत्ययवाद अध्यात्मवादी और सप्रयोजनवादी है।

In the light of the above statements, choose the correct from the options Given below:
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Both Statement I and Statement II are true
कथन I और II दोनों सत्य हैं

(b) Both Statement I and Statement II are falser
कथन I और II दोनों असत्य हैं

(c) Statement I is true but Statement II is false
कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य हैं

(d) Statement I is false but Statement II is true
कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य हैं

Ans. (a) : <u>डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के विचार-</u>
* पुस्तकें वह माध्यम हैं, जिसके द्वारा हम संस्कृतियों के बीच ब्रिज का निमार्ण करते है।
* ज्ञान और विज्ञान के आधार पर ही आनंदमय जीवन संभव है।
* राधाकृष्णन का दर्शन प्रत्ययवादी है और शंकर अद्वैतवाद से अत्यधिक प्रभावित है। अद्वैत वेदान्त की उनकी व्याख्या को नव वेदान्त की संख्या दी जाती है।
* **<u>उनका दर्शन अद्वैत</u>** - वेदान्त का संश्लेषण और निरपेक्ष प्रत्ययवाद का दर्शन है।
* राधाकृष्णन जी का प्रत्ययवाद अध्यात्मवादी और सप्रयोजनवादी है।
* इनके दर्शन को प्राय: नत्य धर्म मीमांसा के रूप में स्वीकार किया जाता है तथा पश्चिम के धर्म मीमांसक राधाकृष्णन को अपना सजातीय मानते है।
* अध्यात्मिकता और वैज्ञानिक ज्ञान का समन्वय ही जीवन को सुख तथा संतोष प्रदान कर सकता है। पश्चिम को यदि आध्यात्मिक पुनर्जागरण की आवश्यकता है तो पूर्व को वैज्ञानिक पुनर्जागरण की।

20. What is not correct meant in Kant's philosophy?
कांट के दर्शन में किसका अर्थ सही नहीं है?

(a) Thing -in-itself means Phenomenon
स्वतः सद्ववस्तु का अर्थ है परमार्थ

(b) Sensible world means phenomenon
ऐन्द्रियिक जगत का अर्थ है व्यवहार

(c) Self means ideal of Raton
आत्मा का अर्थ है तर्क का आदर्श

(d) Gods proven existence means the basic cosmological Argument/ईश्वर का अर्थ है सृष्टिमूलक तर्क

Ans. (*) : कांट के ''महत्वपूर्ण दर्शन'' का मूल विचार मानव स्वायन्तता है। उनका तर्क है कि मानवीय समझ प्रकृति के समान्य नियमों का स्रोत है। जो हमारे सभी अनुभवों को संरचित करती है और वह मानवीय तर्क स्वयं को नैतिक कानून देता है। जो ईश्वर, स्वतंत्रता और अमरता में विश्वास का हमारा आधार है।
* कांट के अनुसार शिक्षा वह है जो मनुष्य को भौतिक जगत को समझने में सहायता करे और साथ ही उसमें धर्म के प्रति आस्था और ईश्वर के प्रति विश्वास उत्पन्न करे।
* इनके अनुसार जीवन का उद्देश्य सर्वोच्च अच्छाई की खोज है।

21. Bio-Centrism maintains that :
जीवन केन्द्रिकवाद (बायोसोन्ड्रिज्म) समर्थन करता है कि :

(a) All life forms do not require moral consideration/जीवन के सभी स्वरूपों को नैतिक अनुचिंतन की आवश्यकता नहीं होती है

(b) Some life forms do not require moral consideration/जीवन के कुछ स्वरूपों को नैतिक अनुचिंतन की आवश्यकता नहीं होती है।

(c) All life forms require moral consideration
जीवन के सभी स्वरुपों को नैतिक अनुचिंतन की आवश्यकता होती है

(d) Some life forms require moral consideration
जीवन के कुछ स्वरुपों को नैतिक अनुचिंतन की आवश्यकता होती है।

Ans. (c) : जीवन केन्द्रिकवाद (बायोसोन्ड्रिज्म) समर्थन करता है कि जीवन के सभी स्वरूपों को नैतिक अनुचिंतन की आवश्यकता होती है।
* बायोसेंट्रिज्म शब्द में सभी पर्यावरणीय नैतिकताएँ शामिल हैं। जो मानव से प्रकृति में सभी जीवित चीजों तक नैतिक वस्तु की स्थिति का विस्तार करती है।
* बायोसेंट्रिक नैतिकता मनुष्य और प्रकृति के बीच सम्बधों पर पुनर्विचार करने का आहवाहन करती है।
* सभी जीवित चींजों की एक समान नैतिक स्थिति होती है और समान नैतिक विचार के लायक होते है।
* **<u>जैवकेन्द्रीयता</u>**- एक नैतिक दृष्टिकोण है जो मानता है कि सभी जीवित वस्तुओं को मान मिलना चाहिए। वास्तव में यह मानवकेंद्रीयता का विरोधी विचार है।

22. "Natural right is the right of the stronger, the laws are made by the few the strong and the privileged to protect their own intensity" who holds this view?
''नैसर्गिक अधिकार बलवान का अधिकार है, अपने स्वयं के हितों की रक्षा के लिए शक्तिशाली एवं विशेषाधिकार प्राप्त कुछ लोगों द्वारा नियम बनाये गये हैं।'' यह किसका मत है?

(a) Plato/प्लेटो (b) Socrates/सुकरात
(c) Sophists/सोफिस्ट (d) Aristotle/अरस्तू

Ans. (c) : ''नैसर्गिक अधिकार बलवान अधिकार है, अपने स्वयं के हितों की रक्षा के लिए शक्तिशाली एवं विशेषाधिकार प्राप्त कुछ लोगों द्वारा नियम बनाये गये हैं।'' यह मत सोफिस्ट का है।

* मानवीयता पर बल देने के कारण सुकरात को सर्वश्रेष्ठ सोफिस्ट कहा जाता है। इस विचार में भी वह सोफिष्ट था कि वह समाज के रीति रिवाजों और कानूनों कि परवाह न करते हुए व्यक्ति को विचार की स्वतंत्रता का अधिकार देने का प्रबल पक्षपाती था।
* **<u>सोफिस्ट विचार धारा</u> :** कानून एवं विधियों का जन्म, प्रकृतिजन्य न मानकर, राजा की सत्ता के स्वरूप मानते थे। जिसके कारण व्यक्ति अपनी स्वभाविक प्रकृति से कार्य न कर अपनी बुद्धि और चेतना के विरूद्ध, कानून के अनुरूप कार्य करता है।

23. Match List I with List II
सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

LIST I/सूची-I		LIST II/सूची-II	
A.	Absorption/अवशोषण	I.	$P \supset q, \sim q \therefore \sim p$
B.	Simplification/सरलीकरण	II.	$P, q \therefore P . q$
C.	Conjunction/संयोजन	III.	$P . q \therefore P$
D.	Modus tollens निषेधक हेतु फलानुमान	IV.	$P \supset q \therefore p \supset (p . q)$

Choose the correct answer from the options given below :/निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :
(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-III, B-II, C-I, D-IV
(c) A-IV, B-III, C-II, D-I
(d) A-II, B-III, C-I, D-IV

Ans. (c) : (A) अवशोषण : वह भौतिक या रासायनिक प्रक्रिया होती है, जिसमें कोई गैस या द्रव के अणु या परमाणु किसी अन्य द्रव या ठोस पदार्थ में समा जाते है। यही अवशोषण है।

<u>(iv) $p \supset q \therefore p \supset (p.q)$</u>

(B) सरलीकरण : किसी गणितीय व्यंजक को साधारण भिन्न या संख्यात्मक रूप में बदलने की प्रक्रिया, सरली करण कहलाती है। **जैसे-** जोड़ घटाव, गुण, भाग आदि को BODMAS क्रम में हल करते है।

<u>(iii) p,q ∴p</u>

(c) संयोजन : जिसे अभिक्रिया में दो या दो से अधिक अभिकारक किसी एक उत्पाद का निर्माण करते है। उसे संयोजन कहते है। संयोजन जोड़ने या मिलाने की क्रिया है।

<u>(ii) p,q ∴p.q</u>

(D) निषेध हेतु फलानुमान → $p \supset q, \sim q \therefore \sim p$

24. "Ideas are not continuous, loose or jointed by chance, but introduce themselves with each other with a certain degree of method and regularity" this is acceptable to whom?
''प्रत्यय सतत् शिथिल अथवा संयोग से नहीं जुड़े हैं, बल्कि स्वयं को एक दूसरे के साथ पद्धति और नियमितता की निश्चित मात्रा से समाविष्ट करते है'' यह किस दार्शनिक द्वारा स्वीकार्य है
(a) Kant/कांट (b) Leibnitz/लाइबनित्ज
(c) Hegel/हेगल (d) Hume/ह्यूम

Ans. (d) : ''प्रत्यय सतत्, शिथिल अथवा संयोग से नहीं जुड़े है, बल्कि स्वयं को एक दुसरे के साथ पद्वति और नियमितता की निश्चित मात्रा से समाविष्ट करते है''। यह ह्यूम दार्शनिक द्वारा स्वीकार किया गया है।

* ह्यूम का अर्थ, स्कॉटिश दार्शनिक जिनके संशयवादी दर्शन ने मानव ज्ञान को उस तक सीमित कर दिया। जिसे इंद्रियों द्वारा समझा जा सकता हैं।
* ह्यूम के अनुसार ऐसे बाह्य जगत् में विश्वास करने का भी कोई औचित्य नहीं है। हमें तो सिर्फ प्रत्यक्षानुभाव होते हैं। उनसे स्वतंत्र या उनको उत्पन्न करने वाले बाह्य पदार्थों का हमें कभी अनुभव नहीं होता। बाह्य वस्तुओं में विश्वास भी आत्मा के अस्तित्व में विश्वास की तरह कल्पना की उपज है।

25. Match List I with List II
सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

LIST I/सूची-I		LIST II/सूची-II	
A.	Sattva /सत्व	I.	Active / सक्रिय
B.	Rajas/ रजस्	II.	Inactive / निष्क्रिय
C.	Tamas / तमस्	III.	Light and bright हल्का एवं चमकीला
D.	Purusa / पुरूष	IV.	Heavy and dark भारी एवं गहरा

Choose the correct answer from the options given below :/निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :
(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-III, B-I, C-IV, D-II
(c) A-I, B-III, C-II, D-IV
(d) A-II, B-I, C-III, D-IV

Ans. (b) : * सत्व गुण हल्कापन एवं चमकीला देता है।
* रज गुण गति या सक्रियता देता है।
* तम गुण मोह व आलस्य या भारी एवं गहरा देता है।
* पुरूष निष्क्रिय होता है।
* सत्व गुण हमारे मन में सकारात्मक विचार के प्रतीक है।
* सांख्य दर्शन में सात्व, रजस् और तमस् - ये तीन गुण बताये गये हैं।

26. A statement is considered to be contingent when :/किसी कथन को आपतिक के रूप में विचार किया जाता है जब :
(a) It is always true/यह सदैव सत्य होता है
(b) It is always false/यह सदैव असत्य होता है
(c) Some times true and sometimes false कभी-कभी सत्य और कभी-कभी असत्य
(d) It is doubtful/यह सन्देहास्पद होता है

Ans. (c) : किसी कथन को आपतिक के रूप में विचार किया जाता है। जब कभी-कभी सत्य और कभी-कभी असत्य होता है।

आकस्मिकवाद- दार्शनिक मत घटनाओं के अकारण घटित होने का सिद्धांत। यूनान के महान संचालन में अनके आकस्मिक संयोगों का विशेष महत्व हैं। अतः इस मत को आकस्मिकवाद कहा गया।

27. In the view of Sankara which pramana is of the final authority?/शंकर के विचार में, कौन-सा प्रमाण अन्तिम रूप में मान्य है?

(a) Pratyaksa/प्रत्यक्ष (b) Arthapatti/अर्धापत्ति
(c) Anumana/अनुमान (d) Sabda/शब्द

Ans. (d) : आदि शंकर के विचार में 'शब्द' प्रमाण अन्तिम रूप में मान्य है। ये भारत के एक महान दार्शनिक एवं धर्मप्रवर्तक थे। उन्होने अद्वैत वेदान्त को ठोस आधार प्रदान किया।

* भारतीय दर्शन में प्रमाण उसे कहते हैं, जो सत्य ज्ञान करने में सहायता करे। अर्थात् वह बात जिससे किसी दूसरी बात का यथार्थ ज्ञान हो। प्रमाण न्याय का मुख्य विषय है। 'प्रमा' नाम है, यथार्थ ज्ञान का। यथार्थ ज्ञान का जो कारण हो अर्थात् जिसके द्वारा यथार्थ ज्ञान हो उसे प्रमाण कहत हैं। गौतम ने चार प्रमाण मानें हैं-

(1) प्रत्यक्ष (2) अनुमान (3) उपमान (4) शब्द।

28. The fundamental discovery of Merlean-Ponty is :/मार्ले पोन्टी की मूल खोज है :

(a) The body-mind/शरीर-मन
(b) The body-subject/शरीर-ज्ञाता
(c) Theory of intentionality/सकर्मकत्व का सिद्धांत
(d) Theory of Perception/प्रत्यक्षज्ञान का सिद्धांत

Ans. (b) : मार्ले-पोन्टी की मूल खोज शरीर-ज्ञाता है।

* मार्ले-पोंटी, फ्रांसीसी दार्शनिक और सार्वजनिक बुद्धिजीवी, युद्ध के फ्रांस में अस्तित्ववाद और घटना विज्ञान के अग्रणी अकादमिक प्रस्तावक थे।
* मार्ले-पोंटी की स्थिति को भोले यथार्थवाद के रूप में गिना जाता है।
* **शरीर-ज्ञाता-** शरीर-वस्तु से उनका तात्पर्य चिकित्सा विज्ञान द्वारा निर्धारित एवं पूर्वानुमानित शरीर से है। शरीर-विषय से मार्ले-पोंटी का अभिप्राय उस शरीर से है जैसा कि हम इसका अनुभव करते है। यहाँ तक कि इसके बारे में जानने से पहले भी। यह हमारा पूर्व-प्रतिबिंम्ब शरीर है, जो हमारे आस-पास की दुनिया को अर्थ देता है।

29. Select the code correctly considering the magnitude of dravyas admitted by the Vaisesikas?
वैशेषिक दर्शन के द्वारा स्वीकार्य द्रव्यों की महत्ता पर विचार करते हुए सही ढ़ंग से सुमेलित कूट का चयन कीजिए।

(a) Kala, atma and manas/काल, आत्मा और मनस्
(b) Akasa, Kala and atma/आकाश, काल और आत्मा
(c) Paramanu, dik and kala/परमाणु दिक और काल
(d) Akasa, manas and atma
आकाश, मनस् और आत्मा

Ans. (b) : वैशेषिक दर्शन के प्रवर्तक महर्षि कणाद है। उनकी कृति वैशेषिक सूत्र इस दर्शन का मूल प्रमाणिक ग्रन्थ है।

वैशेषिक दर्शन- यह प्रमेयों का विशेष विचार है। इस शास्त्र के अनुसार तत्वों का विचार करने में लौकिक दृष्टि से दूर भी शास्त्रकार जाते है। इनकी दृष्टि सूक्ष्म जगत् के द्वार तक जाती है। इसलिए इस शास्त्र में प्रमाण का विचार गौण समझा जाता है। वैशेषिक मत में सात पदार्थ हैं और 9द्रव्य है।

* कोई भी गुण या कार्य बिना आधार के नहीं रह सकता। उनका कोई न कोई आधार अवश्यमेव होने चाहिए। यह आधार द्रव्य है। वैशेषिकों ने 9 द्रव्यों को मान्यता दी है- (1) पृथ्वी (2) जल (3) तेज/ अग्नि (4) वायु (5) आकाश (6) काल (7) दिक (8) आत्मा और (9) मन।

यह स्वीकार द्रव्य क्रमानुसार है।

* आकाश→ काल →आत्मा

30. Consider the following syllogism and identity the fallacy involved in it
निम्नलिखित न्याय वाक्य पर विचार कीजिए और इसके दोषों का पता लगाइए-
All men are mortal/सभी मनुष्य मरणशील हैं।
All poets are mortal/सभी कवि मरणशील हैं।
All poets are men/सभी कवि मनुष्य है।

(a) Illicit major/अवैध मुख्यपद
(b) Illicit minor/अवैध अमुख्यद
(c) Fallay of four terms/चतुष्पदीय दोष
(d) Undistributed middle/अव्याप्त मध्य पद

Ans. (d) : न्याय किसी भी इनाम की उम्मीद नहीं करता है। वह खुद के लिए स्वीकार करती है। इसी तरह वे सभी गुण हैं।

* कोई विलक्षण घटना सूचित करने वाली उक्ति जो उपस्थित बात पर घटती हो 'न्याय' कहलाती है।

न्याय वाक्य : एक विशेष प्रकार का तर्क करने का तरीका है। जिसमें दो अन्य कथनों के आधार पर तीसरा कथन निकाला जाता है।

* आरस्तु ने न्यायवाक्य को इस प्रकार परिभाषित किया है-

वह शास्त्रार्थ जिसमें कुछ चीजें (सत्य) मान लेने के बाद इनसे कुछ नया और भिन्न चीज व्युत्पन्न होती है। क्योंकि चीजें एसी ही हैं।

न्याय वाक्य के दोष :- यदि आधार वाक्यों में लघु पद अव्याप्त रहने पर निष्कर्ष में व्याप्त होता है, तो न्याय में अनुचित प्रक्रिया का दोष उत्पन्न हो जाता है।

* अव्याप्त मध्य पद न्यायवाक्य का दोष है।

31. The propounder of the 'doctrine of Divine illumination' was:
'दैविय प्रदीप्ति के सिद्धांत के विचारक थे:'

(a) St Thomas Aquinas/सेंट थॉमस एक्विनॉस
(b) St Anselmn/सेंट एन्सेल्म
(c) St Augustine/सेंट ऑगस्टाइन
(d) Descartes/देकार्त

Ans. (c) : दैविय प्रदीप्ति के सिद्धांत के विचारक सेंट ऑगस्टाइन थे।

दैविय सिद्धांत : राज्य की उत्पत्ति के संबंध में प्रचलित यह सिद्धांत सबसे अधिक प्राचीन है। इस सिद्धांत के अनुसार राज्य मानवीय नहीं बल्कि ईश्वर द्वारा स्थापित संस्था है।

* इस सिद्धांत में ईश्वरीय शक्ति और धर्म पर बल दिया गया है। यह तो सर्वविदित है कि सम्पूर्ण ब्रम्हाण्ड पर ईश्वर का ही शासन रहता है।
* दैवीय रोशनी के अनुसार मानव विचार की प्रक्रिया को दैवीय कृपा से सहायता की आवश्यकता होती है। यह मन और ज्ञान मीमांसा के सिद्धांत में प्रकृतिवाद का सबसे पुराना और सबसे प्रभावशाली विकल्प है।

32. Identify the figure of categorical syllogism in which middle term occupies subject position in the major premise and predicate position in the minor premise.
निरपेक्ष न्यायवाक्य के आकृति को चिह्नित कीजिए जिसमें मध्य पद मुख्य आधार वाक्य में उद्देश्य का तथा गौण आधार वाक्य में विधेय का स्थान ग्रहण कर लेता है।

(a) Figure I/आकृति I (b) Figure II/आकृति II
(c) Figure III/आकृति III (d) Figure IV/आकृति IV

Ans. (a) : किसी भी निरपेक्ष तर्क वाक्य में उद्देश्य पद के बारे में या तो कुछ स्वीकार या अस्वीकार किया जाता है। अर्थात् कुछ निश्चित बात बताई जाती है।

इस निरपेक्ष तर्क वाक्य में सभी मनुष्य मरणशील हैं।

* निरपेक्ष न्यायवाक्य के आकृति I जिसमें मध्य पद मुख्य आधार वाक्य में उद्देश्य का तथा गौण आधार वाक्य में विधेय का स्थान ग्रहण कर लेता है।

33. What is incompatible with Parmenides?
पार्मेनाइडीज़ के साथ क्या असंगत है?

(a) Being is original, permanent and imperishable
सत् मूल, स्थायी और अविनाशी है
(b) Absolute change is impossible
निरपेक्ष परिवर्तन असंभव है
(c) Being cannot come from Non-Being
सत् असत् से नहीं आ सकता है
(d) Being is a matter of faith and not of reason
सत् आस्था का विषय है, तर्क का नहीं

Ans. (d) : पारमेनाइड्स दर्शन का मानना है कि मौजूद चीजों की बहुलता, उनके बदलते रूप और गति, एक ही शाश्वत वास्तविकता (अस्तित्व) की उपस्थिति हैं। इस प्रकार पारमेनिडियन सिद्धांत को जन्म मिलता है कि ''सभी एक है।''

* पारमेनाइड्स का दर्शन ठहराव की अवधारणा पर आधारित है। जिसका अर्थ है कि ब्रम्हाण्ड निरंतर संतुलन में है, चीजें या तो मौजूद हैं या नहीं हैं, और वे बदल नहीं सकता है।

पारमेनाइड्स के साथ संगत है-

* सत् मूल, स्थायी और अविनाशी है।
* निरपेक्ष पवित्तन असंभव है।
* सत् असत् से नहीं आ सकता है।

34. Which one among the following is the samavayikarana of the colour of a cloth?
निम्नलिखि में से कौन-सा एक वस्त्र के रंग का समवायिकरण है?

(a) Threads/धागे
(b) Colour of the threads/धागे का रंग
(c) Conjunction of the threads/धागे का संयोजन
(d) The cloth itself/वस्त्र स्वयं में

Ans. (d) : किसी विशेष रंग योजना से सम्बन्धित, मिश्रित या मेल खाने वाले सभी भागों या तत्वों के साथ रंग का समन्वय है।

* एक वस्त्र के रंग का समवायिकरण वस्त्र स्वयं में है।
* कपड़ा रंग वे पदार्थ हैं, जिसका उपयोग कपड़ों को रंगने के लिए किया जाता है। रंग कपड़े में समा जाते हैं और उसे रासायनिक रूप से बदल देते है। जिसके परिणाम स्वरूप रंग बार-बार उपयोग के बाद भी स्थायी रूप से बना रहता है। यही वस्त्र के रंग का वस्त्र स्वयं में समवायिकरण है।

35. According to the Nyaya our tactual sense-organ can perceive all the objects which we perceive by our visual sense-organ except :
न्याय दर्शन के अनुसार हम स्पर्श-इन्द्रियों के माध्यम से निम्नलिखित के अतिरिक्त उन सभी वस्तुओं का अवबोध कर सकते है जिसे हम अपने चाक्षुष इन्द्रिय अंग द्वारा अवबोध करते हैं, वह है:

(a) Rupa only/रूप मात्र
(b) Rupatva only/रूपत्व मात्र
(c) Rupa and rupatva only/रूप और रूपत्व मात्र
(d) Sparsa only/स्पर्शमात्र

Ans. (c) : स्पर्श इन्द्रियों के माध्यम से शरीर की पांच पारंपरिक इंन्द्रियों में से एक है।इसे स्पर्श के अंगो द्वारा पहचाना जाता है। जो मुख्य रूप से त्वचा में पाये जाते हैं।

स्पर्श संवेदना मुख्य रूप से तापमान और दर्द को छोड़कर दबाव, कर्षण और स्पर्श की भावना पर केंद्रित है।

* **न्याय दर्शन-** भारत के छ: वैदिक दर्शनो में से एक दर्शन है। इसके प्रवर्तक ऋषि अक्षपाद गौतम हैं। जिनका न्यायसूत्र इस दर्शन का सबसे प्राचीन एवं प्रसिद्ध ग्रन्थ है।
* भारत दर्शन में प्रमाण उसे कहते हैं, जो सत्य ज्ञान करने में सहायता करे।
* न्यायदर्शन में चार प्रमाण है- प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान और शब्द।
* प्रत्यक्ष प्रमाण के दो भेद हैं- बाह्य और आभ्यंतर

(1) बाह्य प्रत्यक्ष प्रमाण- घ्राण, रसना, चक्षु त्वक, और श्रोत्र, इन इंन्द्रियों को, शरीर के बाहर ऊपरी भाग में रहने के कारण बाह्य प्रत्यक्ष प्रमाण कहते है।

(2) आंतर प्रत्यक्ष प्रमाण- मन को शरीर के भीतर आत्मा के साथ रहने तथा भीतरी पदार्थ आत्मा एवं आत्मीय गुणों का ग्राहक होने के कारण आंतर प्रत्यक्ष प्रमाण कहते है।

* प्रत्यक्ष शब्द से इंन्द्रिय, तज्जन्य ज्ञान और उनके विषय इन तीनों को बोध होता है। (1) इंद्रियम (2) इंद्रियजन्य ज्ञान (3) इंद्रिय सन्निकृष्ट विषय
* न्याय दर्शन के अनुसार हम स्पर्श-इंद्रियों के माध्यम से रूप और रूपत्व मात्र उन सभी वस्तुओं का अवबोध कर सकते है। जिसे हम अपने चाक्षुष इन्द्रिय अंग द्वारा अवबोध करते हैं।

36. Consider the following and select the code stating Antaranga of Astanga yoga
निम्नलिखित पर विचार करें और अष्टांग योग के अंतः अंग को इंगित करने वाले कूट का चयन कीजिए:

A. Pranayama, Dhyana/प्राणायाम, ध्यान
B. Dharana, Dhyana/धारणा, ध्यान
C. Pratyahara, Dharana/प्रत्याहार, धारणा
D. Samadhi/समधि

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A only केवल A
(b) B and C only/केवल B, C
(c) B and D only/केवल B, D
(d) D only/केवल D

Ans. (c) : अष्टांग योग के अंतर्गत प्रथम 5 अंग (यम, नियम, आसन, प्रणायाम तथा प्रत्याहार) 'बहिरंग' और शेष तीन अंग (धारण,ध्यान, समाधि) 'अंत:रंग' नाम से प्रसिद्ध है।
* बहिरंग साधना यथार्थ रूप से अनुष्ठित होने पर ही साधक को अंत:रंग साधन का अधिकार प्राप्त होता हैं।
* 'यम' और 'नियम' वस्तुत: शील और तपस्या के द्योतक है।
* अष्टांग योग का अन्तिम अंग समाधि है।

37. Which one among the following is not an immediate knowledge (aparoksa jnana) according to the Jainas?
जैनियों के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा प्रत्यक्ष ज्ञान (अपरोक्ष ज्ञान) नहीं है?

(a) Pratyaksha/प्रत्यक्ष (b) Avadhi/अवधि
(c) Manahparyaya/मनः पर्याय (d) Kevala/केवल

Ans. (a) : जैन दर्शन के अनुसार केवल विशुद्धतम ज्ञान को कहते है।
* राज प्रश्नीय सूत्र के अनुसार निर्ग्रंथ 5 प्रकार के ज्ञान मानते है- अभिनिबोधिक ज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मन: पर्याय ज्ञान, केवल ज्ञान।
* अवधिज्ञान, मन: पर्यायज्ञान और केवलज्ञान ही प्रत्यक्ष ज्ञान के भेद है।
* **प्रत्यक्ष ज्ञान** जो इंन्द्रियों और मन की सहायता के बिना ज्ञान होता हैं, वह प्रत्यक्ष ज्ञान कहलाता है।
* प्रत्यक्ष ज्ञान के दो प्रकार है- सकल प्रत्यक्ष और देश प्रत्यक्ष
* इसमें देश प्रत्यक्ष के दो भेद हैं- अवधिज्ञान एवं मन: पर्याय
* सकलप्रत्यक्ष केवलज्ञान को कहते हैं।

38. To whom, matter does not exist?
किसके अनुसार भौतिक द्रव्य का अस्तित्व नहीं होता है?

(a) Descartes and Berkeley/देकार्त और बर्कले
(b) Descartes/देकार्त
(c) Berkely/बर्कले
(d) Berkeley and locke/बर्कले और लॉक

Ans. (c) : भौतिकद्रव्य एक प्रकार का पदार्थ है, जिसे भौतिक विधियों द्वारा किसी दूसरे प्रकार के पदार्थों में परिवर्तित नहीं किया जा सकता है। अर्थात् पदार्थ द्रव्य का शुद्ध रूप हैं पदार्थ का संघटन सूक्ष्मतम स्तर पर एक समान होता है।
* बर्कल के अनुसार भौतिक द्रव्य का अस्तित्व नहीं होता है।
* **देकार्त-** देकार्त का आत्मा-विषयक सिद्धांत किसी प्रकार के पवित्र ग्रन्थों पर आधारित नहीं हैं। वह परम् तत्व द्रव्य है। जिसको अस्तित्व के लिए किसी अन्य वस्तु के अस्तित्व की आवश्यकता नहीं पड़ती। इस प्रकार परम् तत्व दो हैं- जड़ तत्व अथवा शरीर और मानस तत्व अथवा आत्मा।
* **बर्कले-** बर्कले के अनुसार आत्मा और उसके प्रत्ययों के अतिरिक्त कोई सत्ता नहीं। हमारे प्रत्यय ही सत्य वस्तुएँ है। बर्कले की प्रसिद्ध उक्ति है- ''मैं वस्तुओं को प्रत्यय नहीं बनाता, मैं प्रत्ययों को वस्तु बना रहा हूँ।'' प्रत्यय ही सत्य विषय हैं और उसकी सत्ता आत्मा के बाहर नहीं है।

39. In Nyaya epistemology which type of jnana is beyond the senses?/न्याय ज्ञानमीमांसा में किस प्रकार का ज्ञान इंद्रियों से परे है?

(a) Sabda/शाब्द
(b) Anumiti/अनुमिति
(c) Nirvikalpaka/निर्विकल्पक प्रत्यक्ष
(d) Pratyabhijna/प्रत्यभिज्ञा

Ans. (c) : न्याय ज्ञानमीमांसा में निर्विकल्पक प्रत्यक्ष ज्ञान इंद्रियों से परे है।
* वास्तविक ज्ञान, इंद्रियों द्वारा माना जाता है। मूल रूप से पांच इंद्रियाँ दृष्टि, गंध, स्पर्श, सुनना, और स्वाद हैं। पांच ज्ञानइंद्रियाँ → आँख, कान, नाक, जीभ,और त्वचा।
* न्याय दर्शन का अधिकांश ज्ञानमीमांसा से सम्बन्धित हैं लॉक का अनुभववाद दर्शन ज्ञान को इंद्रिय अनुभव से रहित धरातल पर अधिष्ठित करता है। वह अनुभव से परे या अनुभव से रहित ज्ञान की धारणा का निषेध करते हैं तथा किन्हीं सहज प्रत्ययों या अनुभव निरपेक्ष स्वयंसिद्धों का खण्डन करते है।
* शाब्द, अनुमिति, प्रत्याभिज्ञा ज्ञान इंद्रिय ज्ञान से सम्बन्धित हैं।

40. Which of the following pairs of books are authored by Plato?/निम्नलिखित में से पुस्तकों के कौन से युग्म प्लेटो द्वारा लिखे गये हैं?

(a) The laws and The City of God
द लॉज और द सिटी ऑफ गॉड
(b) Crito and The Laws/क्राइटो और द लॉज

(c) The City of God and Summa against the Gentiles/द सिटी ऑफ गॉड और सुम्मा अगेन्स्ट द जेन्टाइल्स

(d) Crito and Summa against the Gentiles
क्राइटो और सुम्मा अगेन्स्ट द जेन्टाइल्स

Ans. (b) : प्लेटो की सबसे प्रसिद्ध कृति, द रिपब्लिक, को व्यापक रूप से पश्चिमी दर्शन की आधारशिला के रूप में स्वीकार किया जाता है। उनकी अन्य व्यापक रूप से पढ़ी जाने वाली कृतियों में द सिम्पोजियम, क्रिटो/क्राइटो, एपोलॉजी, फेडो और द लॉज शामिल है।

41. Match List I with List II
सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

LIST-I/सूची-I		LIST-II/सूची-II	
A.	**Dharma/धर्म**	**I.**	**Aesthetically desirable सौंदर्यमूलक वांक्षनीय**
B.	**Artha/अर्थ**	**II.**	**Materialy rich भौतिक दृष्टि से संपन्न**
C.	**Kama/काम**	**III.**	**Ethically sound नैतिक रूप से गंभीर**
D.	**Moksa/मोक्ष**	**IV.**	**Spiritually free आध्यात्मिक रूप से मुक्त**

Choose the correct answer from the options given below :/निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A-III, B-II, C-I, D-IV
(b) A-IV, B-III, C-II, D-I
(c) A-II, B-I, C-III, D-IV
(d) A-III, B-I, C-II, D-IV

Ans. (a) : (A) धर्म : एक परम्परा को मानने वालों का समूह है। धर्म मानव को मानव बनाता है। धर्म का अर्थ है- कर्तव्य, अहिंसा, न्याय, सदाचरण, सद्गुण आदि।
* धर्म नैतिक रूप से गंभीर होता है।

(B) अर्थ : मनुष्याणां वृत्ति: अर्थः। अर्थात् जो विचार और क्रियाएँ भौतिक जीवन से संबंधित है, उन्हें 'अर्थ' की संज्ञा दी गयी हैं।
* अर्थ भौतिक दृष्टि से सम्पन्न है।

(C) काम : काम आत्मा से संयुक्त मन से अधिष्ठित तत्व, चक्षु, जिव्हा, घ्राण तथा इंद्रियों के साथ अपने विषय-शब्द, स्पर्श, रूप, रस तथा गंध में अनुकूल रूप से प्रवृत्ति काम है।
* काम सौंदर्यमूलक वांक्षनीय है।

(D) मोक्ष : आत्मा को अमर कहा गया है। यह एक नित्य अनादि तत्व है। जो बंधन अथवा मुक्ति (मोक्ष) की अवस्था में रहती हैं।
* मोक्ष अध्यात्मिक रूप से मुक्त है।
* यह हिन्दू धर्म में मानव जीवन के चार लक्ष्य हैं। जिसे पुरूषार्थ कहते है। विवेकशील मनुष्यों के लक्ष्यों की प्राप्ति ही पुरूषार्थ है।
* मनुष्य के लिए वेदों में चार पुरूषार्थों का नाम लिया गया है। धर्म, अर्थ, काम, और मोक्ष। महर्षि मनु पुरूषार्थ चतुष्टय के प्रतिपादक है।

42. Consider the following statement and select the code that state something which is NOT consistent with the vedic notion of rta.
निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और उस कूट को चुनिये जो कहता है जो ऋत् की वैदिक धारणा के साथ संगत नहीं है :

A. Gods follow the regulation of rta.
ईश्वर ऋत् के नियमों का पालन करते हैं।

B. Rta follows the orders of gods.
ऋत् ईश्वर के आदेशों का पालन करता है।

C. Heavenly bodies follow the orders of rta.
खगोलीय पिंड ऋतु के आदेशों का पालन करते हैं।

D. Natural phenomens follow the order fo rta.
नैसर्गिक परिघटना ऋत् के आदेशों का पालन करते हैं।

Choose the correct answer the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A only/केवल A
(b) A and B only/केवल A, B
(c) B only/केवल B
(d) B, C and D only/केवल B, C, D

Ans. (c) : ऋतु की वैदिक धारणा : ऋतु एक ब्रम्हाण्डीय शक्ति है। इसके नियमों के अधीन देवता भी हैं। ऋतु और यज्ञ दो अवधारणाएँ हैं,जो प्रारम्भिक हिंदु सामाजिक और नैतिक विचारों के पूरे ताने-बाने में ताना-बाना की तरह चलती हैं। ऋतु का अर्थ उतना ही है जितना ब्रम्हाण्ड की भौतिक व्यवस्था, साथ ही बलिदान का उचित क्रम और दुनिया में नैतिक कानून।
* ईश्वर ऋतु के नियमों का पालन करते हैं।
* खगोलीय पिंड ऋतु के आदेशों का पालन करते हैं।
* नैसर्गिक परिघटना ऋतु के आदेशों का पालन करते हैं।

43. Leibnitz's view of the universe in inconsistent with which one of the following:
निम्नलिखित में से कौन-सा एक लाइबनित्ज के ब्रह्मांड विचार के साथ असंगत है:

(a) The universe is a harmonious whole.
ब्रह्मांड स्वयं में सामंजस्यपूर्ण व्यवस्था है।

(b) The universe is governed by mathematical and logical principles./ब्रह्मांड गणितीय और तार्किक सिद्धांतों से संचालित होता है।

(c) The universe is something deal and inactive.
ब्रह्मांड निठ्प्राण और अक्रिय है।

(d) Demonstrative method is the true method of Philosophy./निदर्शनात्मक पद्धति दर्शनशास्त्र की सही पद्धति है।

Ans. (c) : लाइबनित्ज के ब्रम्हाण्ड विचार- इनके अनुसार लीबनिज का मानना था कि अंतरिक्ष पूर्णत: सापेक्ष वस्तु है। अंतरिक्ष सह-अस्तित्व का क्रम है।

* लीबनिट्ज की परिभाषाएँ जर्मन दार्शनिक और गणितज्ञ जिन्होनें ब्रम्हाण्ड को स्वतंत्र भिक्षुओं से युक्त माना और जिन्होनें न्यूटन से स्वतंत्र कैलकुलस की एक प्रणाली तैयार की।
* ब्रम्हाण्ड स्वयं में सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था है।
* ब्रम्हाण्ड गणितीय और तर्किक सिद्धांतों से संचालित होता है।
* निदर्शनात्मक पद्धति दर्शन शास्त्र की सही पद्धति है।

44. It A and B are true statements and X and Y are false statements, determine which one of the following is true.
यदि A और B सत्य कथन हैं और X तथा Y असत्य कथन हैं, सुनिश्चित कीजिए कि निम्नलिखित में से कौन सा सत्य है।

(a) $[(A \vee X) \supset Y] \supset [(A \supset X). (A \supset Y)]$
(b) $B \supset (B \sim B)$
(c) $[(A. X) \supset B] \supset (A \supset X)$
(d) $(A. X) \vee (\sim A. \sim X)$

Ans. (a) : A और B सत्य है। X और Y असत्य है।
तो $[(AvX) \supset Y] \supset [(A \supset X).(A \supset Y)]$

45. Which one of the following is the correct aversion of the the proposition "Some metals are conductors?"
निम्नलिखित में से कौन सा इस तर्क वाक्य ''कुछ धातुएँ संवाहक होती हैं'' का सही प्रतिवर्तन है?

(a) No metals are conductors
कोई भी धातु संवाहक नहीं होती है
(b) No metals are non-conductors
कोई भी धातु गैर-संवाहक नहीं होती है
(c) Some metals are non-conductors
कुछ धातुएँ गैर-संवाहक होती हैं
(d) Some metals are not non-conductors
कुछ धातुएँ गैर-संवाहक नहीं होती हैं

Ans. (d) : इस तर्क वाक्य ''कुछ धातुएँ संवाहक होती हैं'' का सही प्रतिवर्तन ''कुछ धातुएँ गैर-संवाहक नहीं होती हैं।'' है।

तर्कवाक्य : एक ऐसा वाक्य होता है,जिसके बारे में सत्यता और असत्यता के प्रश्न महत्वपूर्ण होते हैं। सभी तर्कवाक्य किसी वस्तु द्वारा दूसरे वस्तु का या तो दृढ़ता से दावा करते हैं या उनका खण्डन करते हैं। जिसके बारे में एक अभिकथन होता है। उसे कर्ता कहा जाता है। और वह जो कर्ता के बारे में कहा जाता है। उसे विधेयक कहा जाता है।

* तर्क वाक्य वह वाक्यात्मक उद्घोषणा है, जो यातो सत्य होती है या फिर असत्य परन्तु सत्य-असत्य दोनों नहीं।

46. Which system of philosophy advocates the motion of Sabda nityatva?
दर्शनशास्त्र की कौन सी पद्धति शब्द नित्यत्व की धारणा का समर्थन करती है?

(a) Vaisesika/वैशिषिक
(b) Samkhya/साँख्य
(c) Purva-mimamsa/पूर्व मीमांसा
(d) Yoga/योग

Ans. (c) : दर्शनशास्त्र की पूर्व मीमांसा शब्द नित्यत्व की धारणा का समर्थन करती है।

* यह मीमांसा दार्शनिक प्रणाली का एक सिद्धांत है कि वेद अपौरूषेय अमानवीय मूल का है। यह नित्य शाश्वत सार्वभौमिक भी है। नित्यत्व शाश्वतता सार्वभौमिकता है। इसके अलावा, जैसा कि अकसर देखा गया हैं। वेद को एस आब्दा कहा जाता था।

पूर्व मीमांसा और उत्तर मीमांसा दोनों शब्द ध्वनि तो एक साधारण विस्तार से अपौरूषेयत्व और नित्यत्व भी एस आब्दा से सम्बन्धित है।

पूर्व मीमांसा- इसके संस्थापक जैमिनी थे। इसके अनुसार धर्म सदाचार, नैतिकता या कर्तव्य के रूप में किया जा सकता है। पूर्व मीमांसा स्कूल धर्म के ज्ञान के स्त्रोत को न तो इंद्रिय-अनुभव या अनुमान में, बल्कि वेदों के अनुसार मौखिक अनुभूति में खोजता है।

47. In vedic tradition yajna is performed for :
वैदिक परंपरा में यज्ञ किया जाता है :

A. The benefit of the Jagat/जगत के लाभ हेतु
B. The benefit of the rtvika/ऋत्विक के लाभ हेतु
C. The benefit of the yajmana
यजमान के लाभ हेतु
D. The repayment of devearna
देवऋण के प्रतिदान हेतु

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिग गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A only/केवल A
(b) A and B only/केवल A, B
(c) B and C only/केवल B, C
(d) C and D only/केवल C, D

Ans. (d) : हिन्दु धर्म में यज्ञ की परम्परा वैदिक काल से चली आ रही है। हिन्दु धर्म में ग्रंथों में मनोकामना पूर्ति तथा अनिष्ट को टालने के लिए यज्ञ करने के कई प्रसंग मिलते हैं। रामायण व महाभारत में भी अनेक राजाओं ने यज्ञ किये हैं। देवताओं को प्रसन्न करने के लिए भी यज्ञ किये जाने की परंपरा है।

वैदिक परम्परा में यज्ञ- * यजमान के लाभ हेतु।
* देवऋण के प्रतिपादन हेतु।

* यज्ञ मानव जीवन के लिए प्रेरणा दी गई है। यज्ञ ही संसार में श्रेष्ठतम कर्म है और संसार का श्रेष्ठतम कर्म यज्ञ है।

48. God in his pure form is 'Thinking on thinking'. Whose view is this?
''ईश्वर अपशुद्ध रूप में चिंतन पर चिंतन है''

(a) Kant/कांट
(b) Ploto/प्लेटो
(c) Aristotle/अरस्तू
(d) St Augustine/सेंट आंगस्टाइन

Ans. (c) : ''ईश्वर अपशुद्ध रूप में चिंतन पर चिंतन है'' यह आरस्तू का मत है।

* आरस्तू ने ईश्वर को शुद्ध रूप माना, अंतिम कारण के रूप में और प्रमुख प्रस्तावक के रूप में माना है।
* आरस्तू अपने सबसे मुख्य दर्शन तत्वमीमांसा में कहा कि एक अलग और अपरिवर्तनीय अस्तित्व होना चाहिए। जो अन्य सभी प्राणीयों का स्रोत है।

49. In Nyaya epistemology which one among the following can be the object of samanyalaksana pratyaksa?
न्याय दर्शन की ज्ञानमीमांसा में निम्नलिखित में कौन सामान्यलक्षण प्रत्यक्ष विषय हो सकता है:

(a) A particular case of smoke
धूम्र की विशेष अवस्था
(b) Some cases of smoke/धूम्र की कुछेक अवस्थाएँ
(c) Somkeness/धूमत्व
(d) All cases of smoke/धूम्र की सभी अवस्थाएँ

Ans. (d) : जिस साधन के द्वारा हम अपने विवक्षित (ज्ञेय) तत्व के पास पहुँच जाते हैं। उसे जान पाते हैं, वही साधन न्याय है। दूसरे शब्दों में,जिसकी सहायता से किसी सिद्धांत पर पहुँचा जा सके, उसे न्याय कहते हैं।

प्रमाणों के आधार पर किसी निर्णय पर पहुँचना ही न्याय है। यह मुख्य रूप से तर्कशास्त्र और ज्ञानमीमांसा है।

* न्याय दर्शन में प्रत्यक्ष पहला प्रमाण है। प्रत्यक्ष स्वयं निर्विवाद है। अत: कहा भी गया है कि ''प्रत्यक्षे किं प्रमाणम्''।
* महर्षि गौतम के अनुसार, प्रत्यक्ष इन्द्रिय और विषय के सन्निकर्ष से उत्पन्न होने वाला वह ज्ञान है। जो अव्यपदेश्य, अन्यभिचार और व्यवसायात्मक होता है।

सामान्य लक्षण प्रत्यक्ष विषय : सामान्यलक्षण प्रत्यक्ष से सामान्य का ज्ञान होता है। जैसे- गोत्व का ज्ञान,

* धूम्र की सभी अवस्थाएँ सामान्य लक्षण प्रत्यक्ष से होता है।

50. Which one of the combinations represents K.C. Bhattacharya's Philosophy appropriately?
के.सी. भट्टाचार्य के दर्शन को उपयुक्त तरीके से कौन सा युग्म प्रस्तुत करता है?

(a) Empirical consciousness, objects consciousness and spiritual consciousness/आनुभविक चेतना, वस्तुनिष्ठ चेतना और आध्यात्मिक चेतना
(b) Objective consciousness, transcendental consciousness and empirical consciousness
वस्तुनिष्ठ चेतना, अनुभवातीत चेतना और आनुभाविक चेतना
(c) Objective consciousness, spiritual consciousness and transcendental consciousness/वास्तुनिष्ठ चेतना, आध्यात्मिक चेतना और अनुभवातीत चेतना
(d) Objective consciousness, empirical consciousness and transcendental consciousness
वस्तुनिष्ठ चेतना, आनुभविक चेतना और अनुभवातीय चेतना

Ans. (c) : K.C. भट्टाचार्य के अनुसार सैद्धान्तिक चेतना के चार स्तर हैं।

जैसे- अनुभवजन्य विचार, वस्तुनिष्ठ विचार, व्यक्तिपरक या आध्यात्मिक विचार और पारलौकिक विचार।

* केसी भट्टाचार्य का मानना है कि दर्शन करना, सख्ती से कहें तो, विल्कुल भी सोचना नहीं हैं। बल्कि केवल बोलना है।
* केसी भट्टाचार्य के दर्शन को वस्तुनिष्ठ चेतना, आध्यात्मिक चेतना और अनुभवातीत चेतना के युग्म को प्रस्तुत करता है।

51. Consider the following and select code for correct sequence :/निम्नलिखित पर विचार कीजिए और सही अनुक्रम वाले कूट का चयन कीजिए :

A. Pranayama/प्राणायाम
B. Asana/आसन
C. Yama/यम
D. Niyam/नियम

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, B, C, D (b) C, D, B, A
(c) D, A, B, C (d) A, D, B, A

Ans. (b) : अष्टांग योग पतंजलि का शास्त्रीय योग का वर्गीकरण है, जैसा कि उनके योग सूत्र मे बताया गया है। उन्होंने आठ अंगों को यम, नियम,आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि के रूप में परिभाषित किया है। आठ अंग बाहर से भीरत तक का एक क्रम बनाते हैं।

* (C) योग
* (D) नियम (आत्मअनुशासन का अभ्यास).
* (B) आसन (योग मुद्राओं का अभ्यास)
* (A) प्राणायम (श्वास नियंत्रण करना)
* प्रत्याहार (इंद्रिय प्रत्याहार करना)
* ध्यान (ध्यान प्राप्त होने से अभ्यास करने वाला समाधि की स्थिति में प्रवेश करता है।)

52. Which among the following is rejected by Immanuel Kant?/निम्नलिखित में से किसे इमैन्युएल कांट ने अस्वीकार किया है?

(a) Both Rationalists and empiricists are right in what they affirm/बुद्धिवादी और अनुभववादी दोनों सही हैं जिसे वे स्वीकार करते हैं
(b) Both are wrong in what both deny
लेकिन वे जिससे असहमत हैं उसमें दोनों ही गलत हैं
(c) Knowledge begins in sense experience but does not end with sense experience
ज्ञान इन्द्रियानुभव से आरंभ होता है लेकिन इससे यह इन्द्रियानुभव उत्पन्न नहीं होता है।
(d) Knowledge of God is possible
ईश्वर का ज्ञान संभव है।

Ans. (d) : <u>इमैन्युएल कोट का सिद्धांत</u> : आंतरिक रूप से एक शुभ संकल्पना ही शुभ कार्य है। एक कार्य केवल तभी शुभ हो सकता है। यदि उसके पीछे सिद्धांत हो-कि नैतिक नियमों का पालन एक कर्तव्य कि तरह किया जाये।

* कांट का दावा है कि हम अपने अनुभव की वस्तुओं के बारे में कुछ महत्वपूर्ण बातें जानते हैं। इन्होंने कहा हम अपनी इंद्रियों से अपनी वस्तुओं के बारे में कोई संरचनात्मक जानकारी प्राप्त नहीं करते है।
* इनके तीन सूत्र है-

(1) सार्वभौमिक और आवश्यक दिखाया जाना चाहिए।

(2) सार्वभौमिक और आवश्यक रूप से वांछित दिखाया जाना चाहिए।

(3) नहीं दिखाया जाना चाहिए किसी पूर्ण या अपूर्ण कर्तव्य द्वारा खण्डन किया जाना।

* बुद्धिवादी और अनुभववादी दोनों सही हैं, जिसे वे स्वीकार करते हैं।
* लेकिन वे जिससे असहमत हैं, उसमें दोनों ही गलत है।
* ज्ञान इन्द्रियाँनुभाव से आरम्भ होता हैं, लेकिन इससे यह इन्द्रियानुभाव उत्पन्न नहीं होता है।

53. Who among the following contemporary Indian thinkers accredited with the view that the element of intellect in the human kind corresponds to the moral duty related to kama?
निम्नलिखित समकालीन भारतीय चिंतकों में से कौन से इस विचार को मान्यता देते हैं कि मानव बुद्धि की मात्रा काम से संबंधित नैतिक कर्तव्य के समरूप होती हैं।

(a) Radhakrishanam/राधाकृष्णन
(b) Ambedker/अम्बेडकर
(c) Gandhi/गाँधी
(d) Deendayal Upadhyaya/दीनदयाल उपाध्याय

Ans. (d) : भारतीय चिंतक दीनदयाल उपाध्याय ने इस विचार को मान्यता देते है कि मानव बुद्धि की मात्रा काम से सम्बन्धित नैतिक कर्तव्य के समरूप होती है।

* उन्होंने भारत की सनातन विचार धारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद नामक विचार धारा दी।
* पं. दीनदयाल एक भारतीय राजनीतिज्ञ, एकात्म मानववाद विचारधारा के समर्थक और भारतीय जनता पार्टी के अग्रदूत, राजनीतिक दल भारतीय जनसंघ के नेता थे।

54. Which one among the following is the gun of soul accruing to the Jainas?
जैनमत के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा एक आत्मा का गुण है?

(a) Iccha and caitanya/इच्छा और चैतन्य
(b) Dvesa and sukha/द्वेष और सुख
(c) Caitanya only/चैतन्य मात्र
(d) Sukha and dhukha/सुख और दुख

Ans. (c) : जैनमत के अनुसार चैतन्य मात्र आत्मा का गुण है।

* जैन धर्म के अनुसार हर आत्मा का असली स्वभाव भगवंता है और हर आत्मा में अनंत दर्शन, अनंत शक्ति ज्ञान और अनंत सुख है। आत्मा और कार्य पुद्गल के बन्धन के कारण यह गुण प्रकट नहीं हो पाते। सम्यक् दर्शन, सम्यक् ज्ञान, सम्यक् चरित्र के माध्यम से आत्मा के इस राज्य को प्राप्त किया जा सकता है। इसे पूर्ण चेतना भी कहते है।
* यही चैतन्य (मोक्ष) पाने का साधन है।

55. Which schools of the following approve Svatopramamya of cognition.
निम्नलिखित में से कौन सा मत ज्ञान के स्वतप्रामाण्य की पुष्टि करता है?

(a) Nyaya only/न्याय मात्र
(b) Samkhya only/सांख्य मात्र
(c) Samkhya and minamisa only
सांख्य और मीमांसा मात्र
(d) Mimamsa only/मीमांसा मात्र

Ans. (c) : <u>स्वतः प्रमाण्यः-</u> स्वत: प्रामाण्य एक विचार प्रक्रिया की सत्यता है। स्वत: प्रामाण्य के सिद्धांत को ज्ञानमीमांसा के ठोस विश्लेषण के रूप में देखा जा सकता है।

स्वत: प्रामाण्य सिद्धांत वह आधार बनाता है। जिस पर मीमांसा दर्शन की पूरी संरचना आधारित है।

न्यायदर्शन इस सिद्धांत में विश्वास करती है की कोई भी वस्तु अपना उचित कार्य स्वयं नहीं कर सकती।

* स्वत: प्रामाण्य की पुष्टि सांख्य और मीमांसा मात्र करता है।
* सांख्य और मीमांसा दोनों अनीश्वरवादी हैं, पर वेद की प्रामाणिकता दोनों मानते हैं। भेद इतना है कि सांख्य प्रत्येक कल्प मे वेद का नवीन प्रकाशन मानता है। और मीमांसा उसे नित्य अर्थात् कल्पात्त में भी नष्ट न होने वाला कहते हैं।

56. Good as a simple and unanalyzable notion is a case of"/सरल एवं अविश्लेषणीय धारणा के रूप में शुभ विषय निम्न में से है :

(a) Prescriptivism/नियोगवाद
(b) Naturalism/प्रकृतिवाद
(c) Objectivism/यथार्थवाद
(d) Emotivism/संवेगवाद

Ans. (d) : सरल एवं अविश्लेषणीय धारणा के रूप में शुभ विषय संवेगवाद है।

* अवधारणात्मक विश्लेषण आमतौर पर मस्तिष्क और मन की एक विशिष्ट प्रक्रिया है। जो अंतत: आदत, संवेदीकरण और ज्ञान की सुविधा प्रदान करती है।
* चित्त को किसी एक विचार में बांध लेने की क्रिया को धारणा कहा जाता है।

57. Among the following which one is not an item of Brahma-vihara :/निम्नलिखित में से कौन-सा ब्रह्म-विहार का एकांश नहीं है?

(a) Maitri/मैत्री (b) Karuna/करुणा
(c) Nidra/निद्रा (d) Mudita/मुदिता

Ans. (c) : बौद्ध धर्म में चार ब्रम्ह विहार हैं- कृपा, करूणा, प्रशंसनीय आनंद और समभाव के रूप में जाना जाता है। क्योंकि भगवान ब्रम्हा को प्रेम के इन चार रूपों में निवास कहा जाता है। उन्हें ब्रम्ह विहार के रूप में जाना जाता है।

* ब्रम्हविहार चार बौद्ध गुणों और उन्हें विकसित करने के लिए की गई ध्यान प्रथाओं की एक शृंखला है। उन्हें चार अथाह के रूप में जाना जाता है।

(1) प्रेम-कृपा या परोपकार (2) करूणा

(3) सहानुभूतिपूर्ण आनंद (मुदिता) (4) समभाव (उपेक्खा)

58. Which one of the following represents the relation between the proposition provided below?
नीचे दिये गये तर्कवाक्य के मध्य संबंध निम्नलिखित में से किसमे प्रस्तुत होता है?

No pens are red
कोई भी कलम लाल नहीं है

Some pens are not red
कुछ कलम लाल नहीं हैं

(a) Sub-altern/उपाश्रित
(b) Sub-Contrary/उप-विपरीतक
(c) Contrary/विपरीतक
(d) Contradictory/व्याघाती

Ans. (a) : तर्कवाक्य- एक ऐसा वाक्य होता है। जिसके बारे में सत्यता और असत्यता के प्रश्न महत्वपूर्ण होते हैं।

* वह वाक्यात्मक उद्घोषणा है, जो या तो सत्य होती है या फिर असत्य परन्तु सत्य-असत्य दोनों नहीं। एक तर्कवाक्य सदैव किसी वाक्य की सहायता से अभिव्यक्त किया जाता है।

(1) उपाश्रित - औपनिवेशिक कालखण्ड में आभिजात्य, अधिकारिक स्रोत से इतर जनता द्वारा, जनता के लिए, जनता का इतिहास विनिर्मित करने की प्रविधि है।

(2) उपविपरीतक - उपविपरीतियाँ एक साथ झूठी नहीं हो सकतीं, हालाँकि, जैसा कि आरस्तु ने टिप्पणी की थी। वे एक साथ सच हो सकती है।

(3) विपरीतक - जो मेल में या अनुरूप न हो। जो विपर्याय के रूप में हो।

(4) विघ्नकारक - विघ्नकारक

59. Which among the following theories of punishment?
दण्ड का निम्नलिखित में से कौन सा सिद्धान्त मृत्युदंड का अनुमोदन करता है?

A. Reformative theory/सुधारात्मक सिद्धांत
B. Retributive theory/प्रतिशोधात्मक सिद्धांत
C. Deterrent theory/निवारक सिद्धांत

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A only/केवल A (b) B only/केवल B
(c) C only/केवल C (d) B and C only/केवल B, C

Ans. (d) : मृत्युदण्ड का अनुमोदन निवारक सिद्धांत और प्रतिशोधात्मक सिद्धांत करता है।

* **निवारक सिद्धांत-** से पता चलता है कि सजा, बदला लेने के लिए नहीं, बल्कि भविष्य के अपराधियों को आतंकित करने के लिए बनाई गई है। इस प्रकार अपराधी को फांसी देने की आवश्यकता को समझाया गया है।
* **प्रतिशोधात्मक सिद्धांत-** दण्ड का प्रतिशोधात्मक सिद्धांत प्रतिशोध या बदले की भावना पर आधारित है। इस सिद्धांत के अनुसार अपराधी को उसके अनुपात में ही दण्डित किया जाना चाहिए।

60. Which one of the following conversions is not correct?
निम्नलिखित में से कौन सा रूपान्तरण सही नहीं है?

(a) Some women are writers-Some writers are women/कुछ महिला लेखक हैं- कुछ लेखक महिला हैं
(b) No men are angels- No angels are men/कोई भी पुरुष देवदूत नहीं हैं- कोई भी देवदूत पुरुष नहीं हैं
(c) All dogs are animals- Some animals are doge/सभी कुत्ते पशु हैं- कुछ पशु कुत्ते हैं
(d) Some students are not honest- Some honest persons are not students./कुछ छात्र ईमानदार नहीं हैं- कुछ ईमानदार व्यक्ति छात्र नहीं हैं

Ans. (d) : * कुछ महिला लेखक हैं- कुछ लेखक महिला हैं

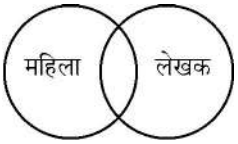

* कोई भी पुरूष देवदूत नहीं हैं- कोई भी देव दूत पुरूष नहीं हैं।

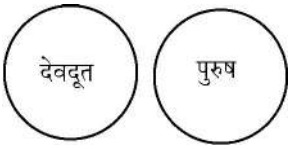

* सभी कुत्ते पशु हैं- कुछ पशु कुत्ते हैं।

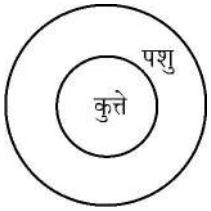

* ये तीनों तर्क सही रूपान्तरण है।

*कुछ छात्र ईमानदार नहीं हैं- कुछ इमानदार व्यक्ति छात्र नहीं हैं।

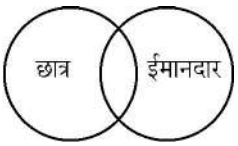

* यह रूपान्तरण गतल है। जब कुछ छात्र ईमान्दार नहीं है। तो कुछ इमानदार व्यक्ति छात्र है। यह सही होगा।

61. "a will that wills nothing"
who among the following holds view regarding Kant's good will?
''ऐसी इच्छा जिसे कोई भी इच्छा नहीं होती'' कांट की सदिच्छा के अनुसार निम्नलिखित में से कौन उपरोक्त विचार को धारण करते हैं?

(a) J.S. Mill/जे.एस. मिल (b) Jacobi/जेकोबी
(c) Bentham/बेन्थम (d) Sidgwick/सिजविक

Ans. (b) : ऐसी इच्छा जिसे कोई भी इच्छा नहीं होती'' कांट की सदिच्छा के अनुसार जेकोबी भी इस विचार को धारण करते हैं।

* जेकोबी गणितीय प्रतिभाशाली व्यक्ति थे। ये कांट के विचारों को मानते थे।
* कांट का मानना है कि बुद्धि मानव स्वभाव का आवश्यक तत्व है। तथा इंद्रियपरता मनुष्य के अन्दर पाशविकता का अवशोषण है। वह उसकी वास्तविक प्रकृति के लिए विजातीय है।
* **कांट का सिद्धांत** नैतिकता न तो मनुष्य की इच्छाओं या भावनाओं से सम्बन्धित होती है। और न ही कार्यों के परिणामों से, नैतिकता का एक मात्र संबंध कर्त्तव्य की चेतना से होता है।
* जैकोबी सिद्धांत की एक उल्लेखनीय विशेषता, विहित परिवर्तन पूरी तरह से एक एकल उत्पन्न करने वाले फंक्शन, S. द्वारा विशेषता है।

62. In mimamsa philosophy bliss uninterrupted by sorrow is regards as :
मीमांसा दर्शन में आनन्द का दुख से अविरत होना, इस रूप में समझा जाता है :

(a) Apavarga/अपवर्ग (b) Dharma/धर्म
(c) Svarga/स्वर्ग (d) Apurva/अपूर्व

Ans. (c) : मीमांसा दर्शन में आनन्द का दुख से अविरत होना है। स्वर्ग समझा जाता है।

* किसी विषय पर गहराई से किये गये विचार-विमर्श को मीमांसा दर्शन कहते है।
* आनन्द मीमांसा सुख की परिभाषा और जो विषयातीत होकर आत्मा पर आधारित है। इसलिए जीवन की समग्रता एवं गम्भीरता को महसूस करने वालों के लिए ही यह मीमांसा की गई है।

स्वर्ग : हिन्दू मान्यताओं के अनुसार ब्रम्हाण्ड के उस स्थान को कहते हैं। जहाँ हिन्दू देवी-देवताओं का वास है।

Given below are two statements :
नीचे दो कथन दिए गए हैं :

Consider the following with reference to Iqbal on intuition.
अंत:प्रज्ञा पर इकबाल के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार कीजिए :

Statement I: Intuition is an unanalyzable unity
कथन I : अंतः प्रज्ञा एक अविश्लेषणीय कार्यान्विति है
Statement II: In intuition the knower becomes one with the know and there by realizes it
कथन II : अंतः प्रज्ञा में ज्ञाता का ज्ञान के साथ एकाकार हो जाता है और इस प्रकार उसकी अनुभूति करता है।

63. In the light of the above statements, choose the correct answer from the options Given below :
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) Both Statement I and Statement II are true
कथन I और II दोनों सत्य हैं
(b) Both Statement I and Statements II are false
कथन I और II दोनों असत्य है
(c) Statement I is true but Statement II is false
कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है
(d) Statement I is false but Statement II is true
कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

Ans. (a) : अन्त: प्रज्ञा : बिना तर्क किये और बिना अनुमान के ही ज्ञान प्राप्त करने की क्षमता अन्त: प्रज्ञा कहलाती है। ज्ञान का वह स्रोत जिसके बारे में कुछ कह नहीं सकते।

* इकबाल के विचार के अनुसार, व्यक्ति एक व्यक्ति समाज से अपृथकरणीय है। उसके वास्तविक अहं को समाज में पूर्णता प्राप्त होती है। व्यक्ति का सर्वोच्च उद्देश्य समाज से संयोजन स्थापित करना है।
* अंत: प्रज्ञा एक अविश्लेषणीय कार्यान्विति है।
* अंत: प्रज्ञा में ज्ञाता का ज्ञान के साथ एकाकार हो जाता है और इस प्रकार उसकी अनुभूति करता है।
* कथन I और II दोनों सत्य है।

64. In which school of Indian philosophy the notion of Adrsta is taken to prove the existence of God?
भारतीय दर्शन के किस संप्रदाय में ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए अदृष्ट की घटना का सहारा लिया गया है?

A. Samkhya/साँख्य **B. Yoga/योग**
C. Nyaya/न्याय **D. Vaisesika/वैशेषिक**

Choose the correct answer from the options given below :
नीचे दिये गये विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A only/केवल A
(b) A and B only/केवल A, B
(c) B and C only/केवल B, C
(d) C and D only/केवल C, D

Ans. (d) : भारतीय दर्शन के वैशेषिक और न्याय सम्प्रदाय में ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए अदृष्ट की घटना का सहारा लिया गया है।

* कणाद के वैशेषिक सूत्र का पाँचवाँ अध्याय क्रिया की धारणा और प्रयास की जुड़ी अवधारणा से सम्बन्धित है, और प्रकृति की विभिन्न विशेष घटनाओं से लेकर अति संवेदनशील शक्ति, जिसे अदृष्ट कहा जाता है। अदृष्ट का शाब्दिक अर्थ 'न देखा हुआ'।
* वैशेषिक दर्शन में प्रमेयों का विशेष विचार है। इस शास्त्र के अनुसार तत्वों का विचार करने में लौकिक दृष्टि से दूर भी शास्त्रकार जाते है। वैशेषिक मत में 7 पदार्थ और 9 द्रव्य हैं।
* न्याय के अर्थ में, यह विचार, अवधारणा या संप्रत्यय है कि लोगों को वह मिले जिसके वे योग्य या पात्र हों।

65. What is correct in the view of Anaximander?
अनेक्ज़ीमेंडर के अनुसार सही क्या है?

(a) Being is Reality./सत् वास्तविकता है।
(b) Water is the fundamental shift of the universe.
जल ब्रह्माण्ड का मौलिक उपादान है।
(c) Apeiron is the fundamental shift of the universe./एपीरॉन ब्रह्माण्ड का मौलिक उपादान है।
(d) Fire is the source of the universe.
अग्नि ब्रह्माण्ड का स्रोत है।

Ans. (c) : अनेग्जीमेण्डर के अनुसार एपीरॉन ब्रम्हाण्ड का मौलिक उपादान है।

* **अनेग्जीमेण्डर-** यह थेल्स का शिष्य था। उसने सर्वप्रथम एक बेबीलोनियन यन्त्र नोमोन बनाया जो सूर्य घड़ी का कार्य करता था। इसने ब्रम्हाण्ड विज्ञान को विकसित किया। इसने ब्रम्हाण्ड उत्पत्ति का सिद्धांत और नक्षत्रों का उल्लेख किया। इन्होने बताया की पृथ्वी ब्रम्हाण्ड के मध्य ठोस रूप में है तथा चपटी ना होकर गोलाकार है। इन्होंने पृथ्वी के लम्बाई को चौड़ाई से तीन गुणा अधिक बताया है। और एक मानचित्र भी बनाया।
* विश्व का मानचित्र बनाने वाला पहला भूगोल वेत्ता एनाक्जीमेंडर था।

66. Which one among the following codes state the cardinal virtues as per Plato:
निम्नलिखित में से कौन-सा एक कूट प्लेटो के अनुसार मुख्य सद्गुणों को इंगित करता है?

A. Wisdom/प्रज्ञान **B. Courage/साहस**
C. Temperance/संयताचार **D. Justice/न्याय**

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A and B only/केवल A, B
(b) B and D only/केवल B, D
(c) B, C and D only/केवल B, C, D
(d) A, B, C and D only/केवल A, B, C, D

Ans. (d) : प्लेटो ने 'चार' प्रमुख सद्गुणों की पहचान की है। जो एक खुशहाल व्यक्ति के लिए आवश्यक हैं और जो एक अच्छे समाज के लिए आवश्यक हैं। उनका यह भी मानना था कि आदर्श राज्य ऐसे ही सद्गुणों वाले लोगों वाला होना चाहिए।

चार प्रमुख सद्गुण हैं- विवेक, न्याय, संयम और धर्म (साहस)

* प्लेटों के लिए बुद्धिमान व्यक्ति नैतिक वास्तविकता को समझने के लिए दिमाग का उपयोग करता है और फिर अपने दैनिक जीवन में लागू करता है।

(A) विवेक (प्रज्ञान) (B) साहस (धर्म) (C) संयताचार (संयम) (D) न्याय

67. Madhva totally rejects the advocacy of which one of the following?/मध्य निम्नलिखित में से किस एक के समर्थन को पूर्णतया अस्वीकार करते हैं?

(a) Sadeha Mukti/संदेह मुक्ति
(b) Videha Mukti/विदेह मुक्ति
(c) Brahma-Jiva-bheda mukti/ब्रह्म-जीव-भेद मुक्ति
(d) Sarupya mukti/सारुप्य मुक्ति

Ans. (a) : माधव एक प्रसिद्ध केरल गणितज्ञ - खगोलज्ञ थे। द्वैतवाद, वेदान्त की तीन प्रमुख दर्शनों में एक है। माध्वाचार्य को वायु का तृतीय अवतार माना जाता है। माध्वाचार्य कई अर्थों में अपने समय के अग्रदूत थें।

* माधवाचार्य की शिक्षाएँ इस आधार पर बनी हैं कि आत्मा और ब्रम्ह के बीच बुनियादी अंतर है। व्यक्तिगत आत्मा ब्रम्ह पर निर्भर है।
* माधवाचार्य विदेह मुक्ति ब्रम्ह -जीव-भेद मुक्ति, सारूप्य मुक्ति के समर्थन को पूर्णतया स्वीकार किये हैं।
* **विदेह मुक्ति :** मृत्यु के बाद मुक्ति या वस्तुत: शरीर से मुक्ति मोक्ष को संदर्भित करता है।
* **सारूप्य मुक्ति :** परमात्मा के अस्तित्व में विलीन हो जाना। सारूप्य मुक्ति का अर्थ है।

68. What is incompatible to Empedocles?
कौन सा एम्पेडोक्लस से असंगत है?

(a) There are only four elemental particles.
मात्र चार तात्विक कण होते है।
(b) The elemental particles have definite qualities./उनके निश्चित गुण होते हैं।
(c) There are countless number of elemental particles./तात्विक कणों की अनगिनत संख्या होती है।
(d) The mythological forces of love and hate separate the four elemental particles.
प्रेम और घृणा की मिथकीय शक्तियाँ चार तात्विक कणों को जोड़ती और अलग करती हैं।

Ans. (c) : एम्पेडोक्लस ने तर्कसंगत दर्शन के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

* ये तत्व कभी भी जगह को बदलने के लिए कभी नहीं रूकते हैं। अब वे सभी एक दूसरे से प्यार से एकजुट होते हैं। अब हर एक संघर्ष में घिरे घृणा से अलग होता है। जब तक वे एकता में एक साथ नहीं आते है।
* मात्र चार तात्विक कण होते है।
* उनके निश्चित गुण होते हैं।

* प्रेम और घृणा की मिथकीय शक्तियाँ चार तात्विक कणों को जोड़ती और अलग करती है।
* वास्तविकता की प्रकृति के मुद्दे पर एम्पेडोक्लस का दृष्टिकोण मानता है। जो स्थिर एम्पेडोक्लस वास्तविक स्थित और स्थायी है, क्योंकि मूल तत्व, या भौतिक कण जो वास्तविकता की वस्तुओं को बनाते हैं जैसे कि पानी, अग्नि, वायु और पृथ्वी अपरिवर्तनीय है।
* एम्पेडोक्लस एक यूनानी दार्शनिक थे। जो अपने इस विश्वास के लिए जाने जाते हैं कि सभी पदार्थ चार तत्वों से बने हैं।

अग्नि, वायु, जल और पृथ्वी।

69. Given below are some conditions of anumana in Nyaya epistemology, consider them and select the code which states only those conditions where inference is possible.
न्याय दर्शन की ज्ञान मीमांसा में अनुमान की कुछ अवस्थाएँ नीचे दी गई हैं। उन पर विचार करें -

A. The absence of will to infer accompanied by the sadhya
साध्य के ज्ञान के साथ अनुमान करने के लिए इच्छा का अभाव

B. The absence of will to infer accompanied by the absence of the knowledge of the sadhya
साध्य के अभाव के साथ अनुमान करने के लिए इच्छा का अभाव

C. The presence of will to infer accompanied by the knowledge of the sadhya
साध्य के ज्ञान के साथ अनुमान करने के लिए इच्छा का भाव

D. The presence of will to infer accompanied by the absence of knowledge of the sadhya
साध्य के ज्ञान के अभाव के साथ अनुमान करने के लिए इच्छा का भाव

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, B, C, D only/केवल A, B, C, D
(b) A, B and C only/केवल A, B, C
(c) B and C only/केवल B, C
(d) B, C and D only/केवल B, C, D

Ans. (d) : अनुमान प्रमाण की वह विधि जो केवल अनुमान पर आधारित हो अनुमान कहलाती है।
* अनुमान दर्शन और तर्कशास्त्र का पारिभाषिक शब्द है। भारतीय दर्शन में ज्ञानप्राप्ति के साधनों का नाम प्रमाण है। अनुमान भी एक प्रमाण है। चार्वाक दर्शन को छोड़कर प्राय: सभी दर्शन अनुमान को ज्ञानप्राप्ति का एक साधन मानते है। अनुमान के द्वारा जो ज्ञान प्राप्त होता है, उसका नाम अनुमिति है।
* प्रमाणों के आधार पर किसी निर्णय पर पहुँचना ही न्याय है। यह मुख्य रूप से तर्कशास्त्र और ज्ञान मीमांसा है।
* अनुमान प्रमाण के दो भेद है- स्वार्थानुमान और परार्थानुमान जिस अनुमान से अपने संशय का निराकरण या अपने आप को साध्य का निश्चय होता है, उसे स्वार्थानुमान कहते हैं।

जिस अनुमान से अन्य व्यक्ति - जिज्ञासु, प्रतिवादी या मध्यस्थ-के संशय का निराकरण या साध्य का निश्चर होता है, उसे 'परार्थानुमान' कहा जाता है।
* न्याय दर्शन की ज्ञान मीमांसा में अनुमान अवस्था को इंगित करता है-
* साध्य के अभाव के साथ अनुमान करने के लिए इच्छा का अभाव।
* साध्य के ज्ञान के साथ अनुमान करने के लिए इच्छा का भाव
* साध्य के ज्ञान के अभाव के साथ अनुमान करने के लिए इच्छा का भाव।

70. Sunyata according to the Madhyamikas is :
माध्यमिक दार्शनिकों के अनुसार शून्यता है :

(a) Sat/सत्
(b) Asat/असत्
(c) Sadasat/सद्असत
(d) Catuskotimukta/चतुष्कोटिमुक्त

Ans. (d) : शून्यवाद या शून्यता बौद्धों की महायान शाखा माध्यमिक नामक विभाग का मत या सिद्धांत है। जिसमें संसार को शून्य और उसके सब पदार्थों को सत्ताहीन माना जाता है।'माध्यमिक न्याय' ने शून्यवाद को दार्शनिक सिद्धांत के रूप में अंगीकृत किया है। इसके अनुसार ज्ञेय और ज्ञान दोनों ही कल्पित हैं।
* माध्यमिक दार्शनिकों के अनुसार शून्यता चतुष्कोटिमुक्त है।

71. According to A.J. Ayer, ethical statements are unverifiable and so without meaning, because:
ए.जे. अय्यर के अनुसार नैतिक कथन अप्रमाणनीय हैं और बिना अर्थ के हैं। क्योंकि-

(a) They are used to express attitudes.
वे मनोवृत्ति को प्रदर्शित करने के लिए होते हैं।
(b) They are used to express attitudes and to state truths./वे मनोवृत्ति को प्रदर्शित करने और सत्य को कहने के लिए होते हैं।
(c) They are used to express attitudes and not to state truths./वे मनोवृत्ति को प्रदर्शित करने और सत्य को न कहने के लिए होते हैं।
(d) They are used to state truths.
वे सत्य को कहने के लिए होते हैं।

Ans. (c) : A.J. अय्यर के अनुसार ज्ञान यह है कि जो ज्ञात है। वह सत्य होना चाहिए। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है, तबभी नहीं, जब हम इसमें यह शर्त भी जोड़ दें कि व्यक्ति जो जानता है। उसके बारे में उसे पूरी तरह से अश्वस्त होना चाहिए।
* इनका आध्यात्मिक कथन है कि पारलौकिक वास्तविकता के बारे में कथन की वस्तुनिष्ठ वैधता नहीं है। इसलिए वे अर्थहीन होते हैं।
* A.J. अय्यर के अनुसार नैतिक कथन अप्रमाणनीय है और बिना अर्थ के हैं। क्योंकि वे मनोवृत्ति को प्रदर्शित करने और सत्य को न कहने के लिए होते हैं।

72. Whose philosophical thought results in Paralogism?/किसकी दर्शनशास्त्रीय अवधारणा तर्काभास में परिणामित होती है?

(a) Hume/ह्यूम (b) Descartes/देकार्त

(c) Kant/कांट (d) Hegel/हेगेल

Ans. (c) : (1) ह्यूम : ये एक ब्रिटिश राजनीतिक सुधारक, पक्षी विज्ञानी, सिविल सेवक और वनस्पतिशास्त्री थे। जिन्होंने ब्रिटिश भारत में काम किया था। उन्होंने भारतीयों के द्वार स्वशासन के विचारों का समर्थन किया और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना की।

(2) देकार्त : देकार्त स्पष्ट कहते हैं कि हम ये नहीं कहते कि हमारे मन में ईश्वर की भावना है। इसलिए ईश्वर की सत्ता है, बल्कि ईश्वर है, इसलिए हमारे अन्दर ईश्वर की भावना है।

* देकार्त ने प्रत्येक बात को बुद्धि एवं तर्क से निश्चित करने का प्रयास किया। जिसकी झलक अन्य बुद्धिवादी दार्शनिकों में ही नहीं बल्कि अनुभववादी दार्शनिकों में भी देखने को मिलती है।

(3) कांट : नैतिकता न तो मनुष्य की इच्छाओं या भावनाओं से सम्बन्धित होती है और न ही कार्यों के परिणामों से, नैतिकता का एकमात्र संबंध कर्तव्य की चेतना से होता है।

(4) हेगेल : किसी को भी बाह्य ज्ञान तभी होता है, जब पहले ज्ञेय पदार्थ का विषय द्वारा ज्ञात या विषयी का विरोध होता है।

* जिन्होंने मौलिक रूप से प्रभावशाली विचार प्रणाली का निर्माण किया।

73. Write the correct sequence with regard to the stages of Moksa in Dvaita vedanta'
द्वेत वेदान्त में मोत्र की अवस्था के संदर्भ में सही अनुक्रम बताइए :

A. Samipya/सामीप्य **B. Salokya/सालोक्य**

C. Sarupya/सारुप्य **D. Sayujya/सापुज्य**

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, B, C, D (b) B, A, C, D

(c) D, C, B, A (d) A, C, B, D

Ans. (b) : द्वैत वेदान्त माध्वाचार्य द्वारा प्रतिपादित तथा उनके अनुयायियों द्वारा उपबृंहित द्वैतवाद रामानुज के विशिष्ट द्वैतवाद से काफी मिलता-जुलता है।

* ईश्वर के पास वायु के ही माध्यम से पहुँचा जा सकता है। ईश्वर का अनुग्रह सबको नहीं मिलता-वह कुछ लोगों को मुक्ति के लिए चुनता है। जिनको वह उनकी भक्ति के अनुसार मोक्ष देता है, वे ईश्वर में लीन नहीं होते। उनको ईश्वर की सन्निधि मिलती है। मुक्त जीव ईश्वर की समानता भी नहीं प्राप्त कर सकते। भक्ति की तीब्रता के अनुसार मुक्ति चार प्रकार की मानी गई है।

(1) सालोक्य (2) सामीप्य (3) मारूप्य (4) सायुज्य।

* यही द्वैत वेदांत में मोक्ष की अवस्था का सही क्रम है।

74. What is incompatible with St Thomas Aquinas?
सेंट थॉमस एक्विनॉस के साथ क्या असंगत है?

(a) Arguments for the immortality of soul
आत्मा की अमरता के लिए तर्क

(b) Analysis of the relation between Reason and Faith/तर्क और आस्था के मध्य संबंध का विश्लेषण

(c) The Christian the appliance to Aristotelian ideas/अरस्तूवादी प्रत्ययों को ईसाई समापन

(d) Identification of Theology and Philosophy
अध्यात्म विद्या और दर्शनशास्त्र का एकात्मीकरण

Ans. (d) : सेंट थॉमस एक्विनास ने ग्रीक दर्शन और ईसाई सिद्धांत को मिश्रित करते हुए सुझाव दिया कि तर्कसंगत सोच और प्रकृति का अध्ययन रहस्योद्घाटन की तरह, ईश्वर से सम्बन्धित सत्य को समझने के वैध तरीके थे। इनके अनुसार ईश्वर स्वयं को प्रकृति के माध्यम से प्रकट करता है। इसलिए प्रकृति के अध्ययन करना ईश्वर का अध्ययन करना है।

* सेंट थॉमस एक्विनास के साथ संगत हैं-
  * आत्मा की अमरता के लिए तर्क
  * तर्क और आस्था के मध्य सम्बन्ध का विश्लेषण
  * आरस्तूवादी प्रत्ययों का ईसाई समापन।

75. "There is no such thing as knowledge which cannot be carried into practice, for such knowledge is really no knowledge at all."
''ज्ञान जैसी इस प्रकार की कोई वस्तु नही है जो व्यवहार्य न हो, क्योंकि इस प्रकार ज्ञान जैसा कोई ज्ञान नहीं होता है''

Which one of the following fallacies does the above argument involve?/उपरोक्त युक्ति में निम्नलिखित कौन-सा एक दोष पाया जाता है?

(a) Petition principia/आत्माश्रय दोष

(b) Fallacy of equivocation/अनेकार्थक दोष

(c) Fallacy of Amphiboly/वाक्य छल

(d) Fallacy of argument from ignorance
अज्ञानयुक्त युक्ति दोष

Ans. (a) : (1) आत्माश्रय दोष : एक तर्कदोष, जो तब उत्पन्न होता है। जब निश्कर्ष आधारवाक्यों में पहले से ही निहित होता है। J.S. मिल ने एरिस्टॉटल के न्यायवाक्य में उपर्युक्त दोष का निरूपण किया।

* ज्ञान जैसी इस प्रकार की प्रकार की कोई वस्तु नहीं है,जो व्यवहार्य न हो, क्योंकि इस प्रकार ज्ञान जैसा कोई ज्ञान नहीं होता है''। इसमें आत्माश्रय दोष है।

(2) अनेकार्थक दोष : शब्द के अर्थ में दोष हों।

(3) वाक्य छल : किसी वाक्य का वक्ता के अभिप्राय से भिन्न अर्थ कल्पित किया जाता है, वह वाक छल कहलाता है।

(4) अज्ञानयुक्त युक्ति दोष : यह दोष तब होता है, जब कोई किसी के तर्क करने वाले व्यक्ति के किसी पहलू पर अप्रासंगिक रूप से हमला करता है।

76. The wholeness and unity of 'Dasein' in not determined by :/'डिज़ाइन की समग्रता एवं एकता का निर्धारण निम्न के द्वारा नहीं होता है :'

(a) An underlying subject only
केवल अंतर्निहित कर्ता द्वारा

(b) An underlying object only
केवल अंतर्निहित वस्तु द्वारा

(c) Both by an underlying subject and object
अंतर्निहित कर्ता और वस्तु दोनों के द्वारा

(d) Neither by an underlying subject nor by an underlying object/न तो अंतर्निहित कर्तो द्वारा न ही अंतर्निहित वस्तु द्वारा

Ans. (a) : समग्र डिजाइन : जब डिजाइन टीमें उपयोगकर्ता अनुभव डिजाइन में समग्र डिजाइन करती है।

* एकता की भावना पैदा करने के लिए एक रचना में अलग-अलग हिस्सा के एक साथ काम करने में है।
* योजना के अनुसार बनाना, फैशन करना, क्रियान्वित करना या निर्माण करना।
* डिजाइन की समग्रता का निर्धारण → * केवल अंतर्निहित कर्ता द्वारा होता है।
* अंतनिर्हित कर्ता और वस्तु दोनों के द्वारा
* न तो अन्तर्निहित कर्तो द्वारा न ही अतंर्निहित वस्तु द्वारा होता है।

77. 'Space and time are empirically real but transcendently ideal' who holds this view?
देश और काल इंद्रियानुभविक रूप से सत् है। लेकिन प्रागनुभविक रूप से आदर्श परक होते हैं?

(a) Leibnitz/लाइबनिज (b) Kant/कांट
(c) Locke/लॉक (d) Hume/ह्यूम

Ans. (b) : कांट समय और स्थान का वर्णन न केवल आनुभाविक रूप से वास्तविक बल्कि पारलौकिक रूप से आदर्श कांट का तर्क है कि सचेत विषय अनुभव की वस्तुओं को उस रूप में नहीं पहचानता है। जैसे वे अपने आप में नहीं हैं, बल्कि केवल उसी तरह से वे हमें हमारी संवेदनशीलता की शर्तो के तहत दिखाई देते है।

* देश और काल इंद्रियानुभविक रूप से सत है, लेकिन प्रागनुभविक रूप से आदर्श परक होते हैं। यह कांट का दृष्टिकोण है।

78. According to Jean-Paal Sartre :
ज्यां पॉल सार्त्र के अनुसार :

(a) Consciousness and ego are same
चेतना और अहं समान हैं

(b) Consciousness lacts an ego
चेतना में अहं का अभाव होता है

(c) Consciousness has an ego/चेतना में अहं होता है

(d) Consciousness and ego same and lacks an ego
चेतना और अहं समान हैं और अहं का अभाव होता है

Ans. (c) : ज्यां पॉल सार्त्र के अनुसार चेतना में अहं होता है।

* सार्त्र ने अस्तित्ववाद को मानव की स्वतंत्रता के साथ जोड़ा है। सार्त्र के अनुसार मानव को अपने आप पर, दूसरों के साथ और दूनिया के साथ एक पूर्ण जिम्मेदारी होने की शर्त के साथ, बिल्कुल स्वतंत्र होना चाहिए।
* व्यक्तिगत संतुष्टि की खोज ही जीवन जीने का एक मात्र सार्थक तरीका हैं।
* इनका यह मानना था कि स्वतंत्र प्राणी के रूप में, लोग स्वयं के सभी तत्वों, अपनी चेतना और अपने कार्यों के लिए जिम्मेदार है।

79. Consider the following and select the code status the items acceptable only to the carvakas
निम्नलिखित पर विचार कीजिए और उस कूट को चुनिए जो केवल चार्वाक मत को स्वीकार्य तथ्यों को इंगित करते हैं :

A. Earth, water, fire and air
पृथ्वी, जल, अग्नि और वायु

B. Sukhavada/सुखवाद

C. Syatvada/स्यादवाद

D. Bhutacaitanyavada/भूतचैतन्यवाद

Choose the correct answer from the options given below :/नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, B and C only/केवल A, B, C
(b) A, B only/केवल A, B
(c) B and D only/केवल B, D
(d) A, and D only/केवल A, D

Ans. (c) : चार्वाक दर्शन के अनुसार पृथ्वी, जल, तेज तथा वायु ये चार ही तत्व सृष्टि के मूल कारण हैं। इनके विपरित चार्वाक दर्शन केवल चार तत्वों को मानता है। चार्वाक पृथ्वी, जल, वायु, और अग्नि इन चार महाभूतों को स्वीकार करते हैं। आकाश का प्रत्यक्ष नहीं होता।

* चार्वाक जो कुछ बाहरी इंद्रियों से दिखाई देता है, अनुभूत होता है। उसी की सत्ता को स्वीकार करते है।
* चार्वाक दर्शन के अनुसार मृत्यु ही मोक्ष है। मृत्यु के पश्चात कुछ भी नहीं है, ऐसा वे कहते हैं। वे परलोक और पूनर्जन्म को स्वीकार नहीं करते हैं।

चार्वाक मानते हैं-
* पृथ्वी, तेज, वायु, जल तत्व हैं।
* उनके कारण चैतन्य है।
* चैतन्यविशिष्ट शरीर ही पुरूष है।
* काम अर्थ पूरूषार्थ है।
* मृत्यु मोक्ष है।

* चार्वाक दर्शन सुख को ही जीवन का परम् उद्देश्य मानता हैं। चार्वाक का मूल मंत्र है- खाओं, पियो और मौज करो।
* भूत चैतन्यवाद पृथ्वी,जल,तेज, वायु के सहयोग से ही शरीर में चैतन्य प्राप्त करता है।

80. Match List I with List II
सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

LIST I/सूची-I		LIST II/सूची-II	
A.	Sophists/सोफिस्ट	I.	Atomism/अणुवाद
B.	Leucippus and Democritus/ल्यूसिपस एण्ड डेमोक्रिट्स	II.	Knowledge is impossible ज्ञान असंभव है
C.	Plato/प्लेटो	III.	Actus Purus विशुद्ध कर्म
D.	St Thomas Aquinas सेंट थॉमस एक्विनास	IV.	The ideal of Republic/गणराज का आदर्श

Choose the correct answer form the options given below :/निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-I, B-III, C-II, D-IV
(c) A-II, B-I, C-IV, D-III
(d) A-I, B-IV, C-III, D-II

Ans. (c) : (A) **सोफिस्ट** वह व्यक्ति होता है,जो चतुर, लेकिन भ्राकम और भ्रामक तर्कों से तर्क करता है। प्राचीन यूनानी दर्शन काल में ज्ञानाश्रयी दार्शनिक ही सोफिस्ट थे। इनका मानना था कि ज्ञान असम्भव है।

(B) **ल्यूसिपस के और डेमोक्रिट्स** सबसे पहले यूनानी परमाणु विज्ञानी थे। परमाणु सिद्धांत को प्रवर्तक, ल्यूसिपस को पहले क्रम का एक काल्पनिक विचार माना जाता है। लेकिन डेमोक्रिट्स के इसके विस्तृत अनुप्रयोग पर काम करने का श्रेय दिया जाता है। ये दोनों अणुवाद के समर्थक हैं।

(C) **प्लेटो** का मानना था कि वास्तविकता एक पूर्ण आदर्श का अपूर्ण प्रतिबिंब है। जिसे रूप कहा जाता है। कोई राज्य उस समय आदर्श राज्य का रूप लेता है, जब उसका शासन सर्वाधिक ज्ञानी और बुद्धिमान व्यक्तियों के द्वारा किया जाता है। तभी गणराज्य का आदर्श होगा।

(D) **सेंट थॉमस एक्विनास** स्कोलास्टिक दार्शनिकों में सबसे महान थे। इन्होनों कई दार्शनिक और धार्मिक सवालों के जबाब दिये और आस्था और ज्ञान के बीच कई विरोधाभासों को दूर किया। इन्होने कई विशुद्ध कर्मों को दूर करने का विचार दिया है।

81. Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R
नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (Asseriton A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

Assertion A: Red herring is an informal fallacy in which attention is deliberately deflected away from the issue under discussion
अभिकथन A: भ्रामक संकेत एक अनौपचारिक दोष है जिसमें ध्यान को विचार-विमर्श वाले मुद्दे से जान बूझकर विक्षेपित कर दिया जाता है

Reason R: The effectiveness of red herring lies in misrepresentation of opponent's position.
कथन R: प्रतिपक्षी की स्थिति के मिथ्या निरूपण में भ्रामक संकेत की प्रभावशीलता विद्यमान होती है।

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Both A and R are correct and R is the correct explanation of A/A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है
(b) Both A and R are correct but R NOT the correct explanation of A/A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A is correct but R is not correct
A सही है लेकिन R सही नहीं है
(d) A is not correct but R is correct
A सही नहीं है। लेकिन R सही है

Ans. (c) : एक भ्रामक संकेत एक असंगत बिष्कर्ष दोष है। जिसमें प्रतिपक्षी की स्थिति को अस्पष्ट करने के लिए तर्क में एक विकर्षण तत्व पेश किया जाता है।

* भ्रामक संकेत का उपयोग अक्सर दर्शकों को हेरफेर करने या भ्रामक धोखा देने के लिए किया जाता है। जिससे उत्पादक, केंद्रित बातचीत करना मुश्किल हो जाता है।
* भ्रामक संकेत एक अनौपचारिक दोष है। जिसमें ध्यान को विचार विमर्श वाले मुद्दे से जान बूझकर विक्षेपित कर दिया जाता है।
* अनौपचारिक भ्रम प्राकृतिक भाषा में गलत तर्क को दर्शाती है।
* A सही है, लेकिन R सही नहीं है।

82. Consider the following and find out the correct code from given below :
When an action conforms to a moral rule of law of conduct, it is said to be------
निम्नलिखित पर विचार कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही कूट का पता लगाइए:
जब कोई कर्म आचरण के नैतिक नियम अथवा विधि की पुष्टी करता है तो इसे कहा जाता है :

(a) Wrong/गलत (b) Right/सही
(c) Good/शुभ (d) Bad/अशुभ

Ans. (b) : जब कोई कर्म आचरण के नैतिक नियम अथवा विधि की पूष्टी करता है, तो इसे 'सही' कहा जाता है।

नैतिकता- किसी व्यक्ति या व्यवहार को नैतिक अर्थ में सही-सच्चा, निष्पक्ष और ईमानदार बताती है। नैतिकता मनुष्य का वह गुण है, जो उसे मानव बनाता है।

* नैतिक शिक्षा छात्रों के चरित्र-निर्माण का एक माध्यम है, क्योंकि चरित्र ही मनुष्य के जीवन का मूल आधार है। इसलिए चरित्र की रक्षा करना नैतिक शिक्षा का मूल उद्देश्य हैं।
* इसके नियम में सूचित सहमति, सत्य-कथन और गोपनीयता स्वायत्तता के सिद्धांत उत्पन्न होते है।
* इसके 4 मुख्य सिद्धांत उपकार, अहित, स्वायत्तता और न्याय है।

83. 'The process of induction ends up in the production of provisional definitions'. _____ who held this view?
''अस्थाई परिभाषाओं के उत्पादन में आगमन की प्रक्रिया समाप्त हो जाती है।'' यह मत किसका है?

(a) Protagoras/प्रोटैगोरस
(b) Socrates/सुकरात
(c) Thracymachus/थ्रेसीमैच्यूस
(d) Gorgios/जॉर्जिअस

Ans. (b) : ''अस्थाई परिभाषाओं के उत्पादन में आगमन की प्रक्रिया समाप्त हो जाती है।'' यह मत सुकरात है।

* सुकरात के विचार- अगर आप मजबूत बनना चाहते हैं तो सबसे पहले अपनी कमजोरीयों को दूर करें।
* सुकरात कहते है मनुष्यों में सबसे बुद्धिमान वह व्यक्ति है, जो अपनी अज्ञानता से अवगत है। सुकरात की नैतिक बौद्धिकता का चरित्र यूडेमोलॉजिकल है। सुकरात का मानना है कि अच्छे जीवन के लिए तर्क आवश्यक है।

(1) प्रोटैगोरस : प्रोटैगोरस एक और यूनानी दार्शनिक हैं, जिन्होंने मानव और संस्कृति के बारे में ज्ञान में योगदान दिया है। उसकी राय में ''मनुष्य सभी चीजों का मापक है। वह सापेक्षवाद सिद्धांत को प्रस्तावित करने वाले पहले व्यक्ति थे।

(3) थ्रेसीमैच्यूस : एक नैतिकवादी अहंकारी बन जाता है। जो इस बातपर जोर देता है कि न्याय दूसरे की भलाई है और इस प्रकार किसी के स्वार्थ की पूर्ति के साथ असंगत है।

(4) जॉर्जिअस : ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए बनाया गया एक ग्राहक सहायता मंच (गोर्गियास) है।

84. Which of the following is unacceptable to Spinoza?
निम्नलिखित में से कौन सा स्पिनोजा को अस्वीकार्य है?

(a) Everything follows necessarily from the god
प्रत्येक वस्तु ईश्वर से अनुप्राणित है।
(b) God has personality and Consciousness
ईश्वर में व्यक्तित्व और चेतना है।
(c) Identification of God with the universe is endorsed/ब्रह्मांड के साथ ईश्वर का तादात्म्य है।
(d) The highest good consists in the intellectual love of God/ईश्वर के बौद्धिक प्रेम में हमारा सर्वोच्च शुभ सम्मिलित होता है।

Ans. (b) : स्पिनोजा : सम्पूर्ण सृष्टि ईश्वर से ही व्याप्त है। स्पिनोजा का मानना है कि ईश्वर ब्रम्हाण्ड के प्राकृतिक और भौतिक नियमों का योग है और निश्चित रूप से कोई व्यक्ति इकाई या निर्माता नहीं है।

* स्पिनोजा अंतर्ज्ञान द्वारा प्राप्त ज्ञान को सबसे शक्तिशाली और वांछनीय प्रकार का मानते है।
* स्पिनोजा ने समझा, ईश्वर एक अनन्त पदार्थ है, जिसके पास अनंत संख्या में गुण हैं। जिनमें से प्रत्येक उसकी प्रकृति के शाश्वत पहलू को व्यक्त करता है।
* स्पिनोजा ने स्वीकार किया है-
  * प्रत्येक वस्तु ईश्वर से अनुप्राणित है।
  * ब्रम्हाण्ड के साथ ईश्वर का तादाम्य।
  * ईश्वर के बौद्धिक प्रेम में हमारा सर्वोच्च शुभ सम्मिलित है।

85. Heraclitus was concerned with which one of the following?/हेराक्लिटस निम्नलिखित में से किस एक के साथ संबद्ध था?

(a) The problem of being/सत् की समस्या
(b) The problem of change/परिवर्तन की समस्या
(c) The problem of number/संख्या की समस्या
(d) The problem of nous/नाउस की समस्या

Ans. (b) : हेराक्लिटस का सिद्धांत : हेराक्लिटस ने माना कि दूनिया एक सुसंगत प्रणाली के रूप में मौजूद है। जिसमें एक दिशा में परिर्वतन अंतत: दूसरे में संबंधित परिवर्तन से संतुलित होता है। हेराक्लिटस का विचार, जीवन में एक मात्र स्थिरांक परिवर्तन है। इसकी प्रसिद्ध कहावत है कि ''कोई भी एक ही नदी में दो बार कदम नहीं रखता''।

* हेराक्लिटस परिवर्तन समस्या से सम्बन्ध था।

86. Given below are two statement: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R
नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

Assertion A: According to the Nyaya we cannot perceive tow objects at a time
अभिकथन A: न्याय दर्शन के अनुसार हम एक ही समय में दो वस्तुओं का अनुभव नहीं कर सकते।

Reason R: Mind according to Nyaya is atomic in magnitude
कारण R: न्याय दर्शन के अनुसार परिणाम में मनस आण्विक होता है।

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options Given below:
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Both A and R are correct and R is the correct explanation of A/A और R दोनों सही हैं और R,A की सही व्याख्या है
(b) Both A and R are correct but R NOT the correct explanation of A/A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है
(c) A is correct but R is not correct
A सही है लेकिन R सही नहीं है
(d) A is not correct but R is correct
A सही नहीं है लेकिन R सही है

Ans. (a) : न्याय दर्शन के अनुसार ज्ञान का अधिकरण होने पर भी जीवात्मा स्वभाव से ज्ञान रहित है। अर्थात् स्वभावत: वह जड़ है। इसमें स्वभाव से चैतन्य नहीं है। मन के विशेष संयोग से उसमें ज्ञान उत्पन्न होता है। ज्ञान आत्मा का आगन्तुक धर्म है।

न्याय दर्शन में चार प्रमाण है- प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान और शब्द।

* न्यायदर्शन के अनुसार हम एक ही समय में दो वस्तुओं का अनुभव नहीं कर सकते।

* A और R दोनों सही हैं और R,A की सही व्याख्या है।

87. Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R
नीचे दो कथन दिए गए हैं एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित में तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

Assertion A : In Prabhakara's epistemology Akhyati has no place
अभिकथन A : प्रभाकर की ज्ञानमीमांसा में अख्याति को कोई स्थान नहीं है

Reason R : In Prabhakara's epistemology there is no room for false cognition
कारण R : प्रभाकर की ज्ञानमीमांसा में असत्य संज्ञान के लिए कोई स्थान नहीं है।

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) Both A and R are correct and R is the correct explanation of A/A और R दोनों सही हैं और R,A की सही व्याख्या है।
(b) Both A and R are correct but R NOT the correct explanation of A/ A और R दोनों सही हैं और R,A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A is correct but R is not correct A सही है लेकिन R सही नहीं है।
(d) A is not correct but R is correct A सही नहीं है लेकिन R सही है।

Ans. (d) : प्रभाकर दर्शन ज्ञान के सबसे विश्वासनीय स्त्रोत के रूप में धारणा को पहचानते है और ज्ञान के 5 स्त्रोत पर विचार किये हैं।

(1) धारणा (2) अनुमान (3) तुलना और सादृश्यता (4) साक्ष्य (5) प्रकल्पन/अभिधारणा

* प्रभाकर के अनुसार धारणा हमेशा प्रत्यक्ष और तत्काल अनुभूति होती है। दूसरी ओर अनुमान और स्मृति हमेशा अप्रत्यक्ष संज्ञान होते है। धारणा में वस्तु, ज्ञान, स्वयं ज्ञाता ज्ञान सभी एक साथ प्रकट होते है।

* प्रभारक की ज्ञान मीमांसा में असत्य संज्ञान के लिए कोई स्थान नहीं है।

* चित्त को किसी एक विचार में बांध लेने कि क्रिया को धारणा कहा जाता है।

* A सही नहीं है, लेकिन R सही है।

88. According to whom unperceived and unperceivable entities cannot exist?
किसके अनुसार अलक्षित और अलक्ष्य सत्व अस्तित्ववान नहीं हो सकते?

(a) Descartes and Spinoza/देकार्त और स्पिनोजा
(b) Descartes and Berkeley/देकार्त और बर्कले
(c) Berkeley only/बर्कले मात्र
(d) Hume only/ह्यूम मात्र

Ans. (c) : बर्कले के अनुसार अलक्षित और अलक्ष्य सत्व अस्तित्ववान नहीं हो सकते है।

बर्कले के अनुसार चीजें केवल दो प्रकार की होती हैं: आत्माएँ और विचार। आत्माएँ सरल सक्रिय प्राणी हैं, जो विचारों का उत्पादान और अनुभव करती है। विचार निष्क्रिय प्राणी हैं, जो उत्पन्न होते हैं और समझे जाते हैं। बर्कल के ज्ञानमीमांसा सिद्धांत को अभौतिकवाद कहा जाता हैं। इस सिद्धांत में नकारात्मक थीसिस शामिल है, कि भौतिक पदार्थ या सब्सट्रेट नहीं है। और हो भी नहीं सकते है और सकारात्मक थीसिस है, कि निकायों का अस्तित्व उनके बोध में निहित है।

89. Test the following amumana after Nyaya and select the code stating the mumana correctly:
Anumana: Manimayah parvato vahniman dhumat
न्याय दर्शन के अनुसार निम्नलिखित का परीक्षण कीजिए और सही ढ़ंग से अनुमान के बारे में इंगित करने वाले कूट का चयन कीजिए:
अनुमान: मणिमय: पर्वतो वह्निमान धूमात्

(a) Valid anumana/वैध अनुमान
(b) Asrayasiddha hetvabhasa/आश्रयासिद्ध हेत्वाभास
(c) Asadharana savyabhicara hetvabhasa असाधारण सव्याभिचार हेत्वाभास
(d) Badhita hetvabhasa/बधित हेत्वाभास

Ans. (b) : न्यायदर्शन के प्रवर्तक ऋषि अक्षपाद गौतम है। जिनका न्याय सूत्र इस दर्शन का सबसे प्राचीन एवं प्रसिद्ध ग्रन्थ है। इसमें चार मुख्य प्रमाण है- प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान एवं शब्द।

* **अनुमान: मणिमय:पर्वतो वह्निमान धूमात**, आश्रयासिद्ध हेत्वाभास को इंगित करता है।

* अनुमान प्रमाण से उन सभी पदार्थों का ज्ञान किया जाता है, जो इंद्रिय द्वारा ज्ञात होने की योग्यता रखते हुए भी दूरस्थ या अविद्यमान होने के कारण इंद्रिय से ज्ञात नहीं होते।

न्याय दर्शन के पाँच अवयव माने गये है- प्रतिज्ञा, हेतु, उदाहरण, उपनय और निगमन।

(1) पर्वतो वह्निमान् ⇒ प्रतिज्ञा (2) धूमात् ⇒ हेतु (3) तथा चायम् ⇒ उपनय (4) यो यो धूमवान स स वह्निमानं ⇒ उदाहरण (5) तस्माद् वह्निमान् ⇒ निगमन।

* इसी पंचवयवात्मक वाक्य को वात्स्यायन ने परम न्याय कहा है।

* **हेत्वाभास-** जिसके ज्ञान से अनुमिति उसके कारण भूत व्याप्तिज्ञान या पक्षधर्मताज्ञान का प्रतिबंध होता है। उसे हेतुगदोष के अर्थ में - हेत्वाभास कहा जाता है।

90. Given below are two statements: one is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R
नीचे दो कथन दिए गए हैं एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

Assertion A: Formation of stereotypes involves the fallacy of defective induction.
अभिकथ I : रूढ़धारणाओं की रचना में सदोष आगमन का दोष निहित होता है।

Reason R : Stereotypes are hasty generalizations
कारण R : रूढ़धारणाएँ अविचारित सामान्यीकरण होती हैं।

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

(a) Both A and R are correct and R is the correct explanation of A/A और R दोनों सही हैं और R,A की सही व्याख्या है।
(b) Both A and R are correct but R NOT the correct explanation of A/A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A is correct but R is not correct
A सही है लेकिन R सही नहीं है।
(d) A is not correct but R is correct
A सही नहीं है लेकिन R सही है।

Ans. (a) : * रूढ़धाराओं की रचना में सदोष आगमन का दोष निहित होता है।
* रूढ़धारणाएँ अविचारित सामान्यीकरण हेती हैं।
* तथ्यों का संकलन करने के माध्यम को सामान्यीकरण कहते है। अनुसंधानकर्ता तथ्यों को सही दीशा में प्रक्षेपित करने का प्रयास करता है।
* A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।

"Most champion of democracy have been rather reticent in suggesting that democracy would itself promote development and enhancement of social welfare-they have tended to see them as good but distinctly separate and largely independent goals. The detractors of democracy , on the other hand, seemed to have been willing to express their diagnosis of what they see as serious tensions between democracy and development….. To deal with these issues, we have to pay particular attention to both the contents of what can be called development and to the interpretation of democracy. The assessment of development cannot be divorced from the lives that people can lead and the real freedom that they enjoy. Development can scarcely be seen merely in terms of enhancement of inanimate objects of convenience. Their value must depend on what they do to the lives and freedom of the people involved….. The relation between development and democracy has to be seen partly in term of their constitutive connection. We must not miss the crucial recognition that political liberties and democratic rights are among the 'constitutive components of development'

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें:

लोकतंत्र के अधिकांश समर्थक सुझाव देने में चुप्पी साध लेते है कि लोकतंत्र अपने आप ही विकास और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देगा। वे उसे अच्छे के रूप में देखने की ओर प्रवृत्त लेकिन स्पष्ट रूप से अलग और व्यापकता में स्वतंत्र लक्ष्य वाले होते हैं। लोकतंत्र के निंदकों में अपनी दूसरी तरफ लोकतंत्र और विकास के मध्य गंभीर तनाव के रूप में जो देखते हैं। उसे व्यक्त करने की इच्छा प्रतीत होती है... इन मुद्दों से निपटने के लिए जिसे हम विकास कह सकते हैं और लोकतंत्र की व्याख्या दोनों पर विशेष ध्यान देना होगा। लोग जिससे आगे बढ़ सके और जो वास्तविक स्वतंत्रता उन्हें मिल रही है। उसे विकास के निर्धारण के लिए छोड़ा नहीं जा सकता है।

सुविधा की जड़ वस्तुओं की वृद्धि के रूप में सिर्फ न के बराबर विकास देखा जा सकता है। उनकी मात्रा सम्मिलित लोगों की स्वतंत्रता और जीवन के साथ जो करते है, पर आवश्यक रूप से निर्भर करती है। विकास और लोकतंत्र के मध्य अंगभूत संबंध के भाग के रूप में देखा जा सकता है। हमें जटिल अभिज्ञान को नहीं भूलना चाहिए। जो राजनैतिक स्वतंत्रताओं और लोकतांत्रिक अधिकारों के ''विकास के अंगभूत घटक'' है।

91. What is the relation between development and democracy?
विकास और लोकतंत्र के मध्य क्या संबंध है?

(a) In terms of their constitution components
उनके अंगभूत घटकों के रूप में
(b) In terms of their constitutive connection
उनके अंगभूत संबंध के रूप में
(c) Partly in terms of their constitutive connection
उनके अंगभूत संबंध के भाग के रूप में
(d) Partly in terms of political freedom
राजनैतिक स्वतंत्रता के भाग के रूप में

Ans. (c) : विकास और लोकतंत्र के मध्य अंगभूत संबंध के भाग के रूप में देखा जा सकता है।
* लोकतंत्र और विकास के बीच का सम्बन्ध जटिल और बहुआयामी है। लोकतंत्र को विकास के कारण और प्रभाव दोनों के रूप में देखा जा सकता है और दोनों आपस में घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए है।

92. The detractors of democracy think one of the following:
लोकतंत्र के निंदक निम्नलिखित में से सोचते है:

(a) There is a serious tension between democracy and development/लोकतंत्र और विकास के बीच गम्भीर तनाव है।
(b) Democracy promotes development
लोकतंत्र विकास को प्रोत्साहन देता है।

(c) Democracy enhances social welfare
लोकतंत्र सामाजिक कल्याण को बढ़ाता है।

(d) Development can be understood in terms of political liberty/विकास को राजनैतिक स्वतंत्रता के रूप में समझा जा सकता है।

Ans. (a) : लोकतंत्र के निंदको में अपनी दूसरी तरफ लोकतंत्र और विकास के मध्य गंभीर तनाव के रूप में जो देखते हैं। उसे व्यक्त करने की इच्छा प्रतीत होती है। इन मुद्दों से निपटने के लिए जिसे हम विकास कह सकते हैं और लोकतंत्र की व्याख्या दोनों पर विशेष ध्यान देना होगा।

* लोकतंत्र के निंदक लोकतंत्र और विकास के बीच गंभीर तनाव है, ऐसा सोचते हैं।

93. How does one assess development?
विकास का निर्धारण कैसे किया जा सकता है?

(a) By assessing the freedom of the people
लोगों की स्वतंत्रता के निर्धारण द्वारा

(b) By looking at the enhancement of inanimate objects of convenience/सुवनिधा की जड़ वस्तुओं को बढ़ते जाने द्वारा

(c) By assessing the lives that people can read the real freedom they enjoy/लोग जैसे बढ़ सकें और जो वास्तविक स्वतंत्रता उन्हें मिल रही है उसके निर्धारण द्वारा

(d) By assessing the social welfare programmes of the government/सरकार के सामाजिक कल्याण कार्यक्रम के निर्धारण द्वारा

Ans. (c) : लोग जिससे आगे बढ़ सकें और जो वास्तविक स्वतंत्रता उन्हे मिल रही है। उसे विकास के निर्धारण के लिए छोड़ा नहीं जा सकता है।

* विकास का निर्धारण लोग जैसे बढ़ सके और जो वास्तविक स्वतंत्रता उन्हें मिल रही है। उसके निर्धारण द्वारा किया जा सकता है।

94. What is the general intent of this paragraph?
इस गद्यांश का सामान्य उद्देश्य क्या है?

(a) Political liberty and democratic rights
राजनैतिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक अधिकार

(b) Development and democracy
विकास और लोकतंत्र

(c) Development, democracy and freedom of people/विकास, लोकतंत्र और लोगों की स्वतंत्रता

(d) Development and social welfare.
लोकतंत्र और सामाजिक कल्याण

Ans. (c) : गद्यांश का सामान्य उद्देश्य विकास, लोकतंत्र और स्वतंत्रता के लिए स्वतंत्रता है।

* इस गद्यांश में लोगो के विकास, लोकतंत्र और स्वतंत्रता के लिए एक सूझाव के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

95. What are the 'constitutive components' of development?
विकास के 'अंगभूत घटक' क्या है?

(a) Enhancement of inanimate objects of convenience/सुविधा की जड़ वस्तुओं को बढ़ाना

(b) Political liberties and democratic rights
राजनैतिक स्वतंत्रताएँ एवं लोकतांत्रिक अधिकार

(c) Political freedom and democracy
राजनैतिक आजादी और लोकतंत्र

(d) Individual freedo0m and democracy
वैयक्तिक आजादी और लोकतंत्र

Ans. (b) : हमें जटिल अभिज्ञान को नहीं भूलना चाहिए। जो राजनैतिक स्वतंत्रताओं और लोकतांत्रिक अधिकारों के विकास के अंगभूत घटक राजनैतिक स्वतंत्रताएँ एवं लोकतांत्रिक अधिकार हैं।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें:

पिछल दशक से यु.एस. में गहरे और सामाजिक पारिस्थिकीविदों के मध्य विवादात्मक विनियम आमूल परिवर्तनवादी पारिस्थिकी का व्यापक भाग के रूप में देखाय गया है। इसके विपरीत ब्रिटेन में जो पारिस्थिकी देखी जाती है जहाँ जोनाथन पोरिट एक सुधारक जोकि मीडिया प्रबलता की ओर ज्यादा जाते हुए प्रतीत होते हैं। लेकिन इस विवाद में मई 1989 में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया जब एफ.बी.आई. द्वारा एक पारिस्थिकी विद कार्यकर्ता डेविड फोरमैन को गिरफ्तार कर लिया गया जिन्होनें खाली पड़े वन क्षेत्र की वन्यता को बचाने हेतु अहिंसक प्रत्यक्ष कार्यवाही का समर्थन किया। फोरमैन अर्थ फर्स्ट ग्रुप के संस्थापकों में से एक रहे थे, जो कि मर्रे बुकचिन और डेव फोरमैन के बीच विवाद के रूप में बाहर आया जिसमें फोरमैन ने गहरी पारिस्थिकी की मुख्य आलोचना के बडे भाग पर काम किया और कट्टर पूँजीवादी विरोधी हो गए और बहुत ही मानववादी तथ्यों को लेकर आए। बुकचिन ने सामाजिक पारिस्थिकी के इस प्रकार को तीव्र ढंग से बार-बार इसे बताना जारी रखा जिसमें किवे सालों से इसका समर्थन और विकास कर रहे थे और इसका प्रकारनयी राजनीति पर बहस प्रारंभ किए। सामाजिक आंदोलन के लिए आवश्यक जो कि प्रभावशाली तरीके से रोक सकती थी और अन्ततः राष्ट्र राज्य और व्यावसायिक पूँजीवाद को बदल सकती थी। अपने दार्शनिक वैश्विक मंत्र को रेखांकित करने में और पारिस्थिकी चेतना के समर्थन में नेस ने बहुत ही मज़ेदार और महत्वपूर्ण बात को कहना चाहा। गेंस्टॉल्ट और संबंधात्मक तरीके की आवश्यकता पर और वैकल्पिक अंटुलॉजी के मुख्य मानकों की सुस्पष्ठता से व्याख्या और उससे बचना। शुद्ध रूप से सहायक मानकों और सभी सम्मिलित वाद में पारिस्थिकी स्वयं की समस्या पर जैसा कि यह सार्वभौमिक विज्ञान के रूप में रहा था। निश्चित रूप से मानव रोटीमात्र पर आश्रित नहीं था न तो केवल उस को खाद्य और शरणस्थल के बारे में चिन्ता नही करना था, और कुछ हद तक स्वायत्तता, उच्च स्तर के अन्तिम उद्देश्य जैसे आनन्द, खुशी और पूर्णता के शब्द में कल्याण के रूप में परिभाषित कर सकते हैं।

96. Naess in his philosophical world view, argued for one the following:
नेस ने अपने दर्शनशास्त्रीय वैश्विकमत के निम्नलिखित में किस एक पर तर्क किए:

(a) Ecological consciousness/पारिस्थिकीय चेतना
(b) An alternative anthology/एक वैकल्पिक अंटुलॉजी
(c) An alternative outlook/एक वैकल्पिक दृष्टिकोण
(d) Universal science/सार्वभौमिक विज्ञान

Ans. (*) : अपने दार्शनिक वैश्विक मत को रेखांकित करने में और परिस्थितिकी चेतना के समर्थन में नेस ने बहुत ही मजेदार और महत्वपूर्ण बात को कहना चाहा। गेंस्टॉल्ट और संबंधात्मक तरीके की आवश्यकता पर और वैकल्पिक अंटुलॉजी के मुख्य मानकों को सुस्पष्ठता से व्याख्या और उससे बचना ।
* **आयोग ने इसका उत्तर माना :** नेस ने अपने दर्शनशास्त्रीय वैश्विक मत एक वैकल्पिक अंटुलाजी पर तर्क किये है।
* **सही उत्तर :** नेस ने अपने दर्शन शास्त्रीय वैश्विकमत पारिस्थिकीय चेतना पर तर्क किये हैं।

97. How does Naess define well being?
नेस कल्याण को किस प्रकार परिभाषिक करता है

(a) Sufficient food and shelter
पर्याप्त खाद्य और शरणाश्रय।
(b) Pleasure happiness and perfection
आनंद खुशी और पूर्णता
(c) Certain degree of autonomy
स्वायत्तता की निश्चित मात्रा
(d) Good degree of circumstances
पारिस्थितियों की उचित (गुड़) मात्रा।

Ans. (b) : Naess ने लिखा, पृथ्वी पर मानव और गैरमानवीय जीवन की भलाई और समृद्धि के अपने आप में मूल्य हैं और ये मूल्य मानवीय उद्देश्य के लिए गैर-मानवीय दुनिया की उपयोगिता से स्वतंत्र है।
Naess का मानना था कि मानव जीवन के फलने-फूलने के लिए पृथ्वी पर सभी जीवन के आनंद, खुशी और पूर्णता है।
* नेस कल्याण को आनन्द, खुशी और पूर्णता के रूप में परिभाषित करता है।

98. What is the outcome of the debate between Bookchain and Foreman?/बुकचेन और फोरमैन के मध्य वाद-विवाद का परिणाम क्या है?

(a) A stand in support of nation-state
राष्ट्र-राज्य के समर्थन में खड़े होना।
(b) A new politics of ecological movement
पारिस्थिकीय आन्दोलन की एक नयी राजनीतिक व्यवस्था।
(c) Case for replacing corporate capitalism and nation-state/व्यावसायिक पूँजीवाद और राष्ट्र-राज्य के बदले में कॉक।
(d) Criticism against deep ecology
गहरे पारिस्थिकी की आलोचना।

Ans. (c) : मर्रे बुकचिन और डेव फोरमैन के बीच विवाद के रूप में बाहर आया। जिसमें फोरमैन ने गहरी परिस्थिकी की मुख्य आलोचना के बड़े भाग पर काम किया और कट्टर पँजीवादी विरोधी हो गये और बहुत मानवता वादी तथ्यों को लेकर आये। अन्तत: राष्ट्र राज्य तथ्यों और व्यावसायिक पूँजीवाद को बदल सकती थी।
* बुकचिन और फोरमैन के मध्य वाद-विवाद का परिणाम व्यवसायिक पूँजीवाद और राष्ट्र-राज्य के बदलने में कॉक किया गया।

99. Naess's philosophical world view of ecological consciousness consists of:
पारिस्थिकीय चेतना के नेस अपने दर्शनशास्त्रीय वैश्विक मत में इसे सम्मिलित करता है:

(a) Making ecology as the science of the universe
ब्रह्मांड के विज्ञान के रूप में पारिस्थिकी का निर्माण करना
(b) Making ecology as an encompassing 'ism'
'वाद' को सम्मिलित करने के रूप में पारिस्थिकी निर्माण करना
(c) Making ecology as a positive science
सकारात्मक विज्ञान के रूप में पारिस्थिकी निर्माण करना।
(d) Making ecology devoid of human concem
मानव संबंधित पारिस्थिकी विहीन निर्माण।

Ans. (b) : अपने दार्शनिक वैश्विकमत को रेखांकित करने में और पारिस्थिकी चेतना के समर्थन में नेस ने बहुत ही मजेदार और महत्वपूर्ण बात को कहना चाहा। पिछले दशक U.S. में गहरे और सामाजिक पारिस्थिकीविदों के मध्य विवादात्मक विनिमय आमूल परिवर्तनवादी पारिस्थिकी का व्यापक भाग के रूप में दिखायी देता हैं।
* पारिस्थिकीय चेतना के नेस अपने दर्शनशास्त्रीय वैश्विक मत में वाद को सम्मिलित करने के रूप में पारिस्थिकी निर्माण करना है।

100. What does the author wants to convey in this paragraph?
इस अवतरण में लेखक क्या बताना चाहता है?

(a) Importance of social ecology
सामाजिक पारिस्थिकी का महत्व
(b) Importance of radical ecology
आमूल परिवर्तनवादी पारिस्थिकी का महत्व
(c) Non-violent direct action to protect wilderness
वन्यता के बचाव हेतु अहिंसक निर्देश
(d) Prominence of shallow ecology
सतही पारिस्थिकी की प्रबलता।

Ans. (b) : पिछले दशक से U.S. में गहरे और सामाजिक पारिस्थिकीविदों के मध्य विवादत्मक विनिमय आमूल परिवर्तन वादी पारिस्थिकी को व्यापक भाग के रूप में देखा गया है। इसके विपरित ब्रिटेन में जो पारिस्थिकी देखी जाती है। जहाँ जोनाथन पोरिट एक सुधारक जो कि मीडिया प्रबलता की ओर ज्यादा जाते हुए प्रतीत होते हैं।
* इस अवतरण में लेखक आमूल परिवर्तनवादी पारिस्थिकी का महत्व बताता है।

NTA यू.जी.सी. नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2022

दर्शनशास्त्र (PHILOSOPHY)

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल (परीक्षा तिथि : 24.02.2023)

1. According to the charvakas water flows downward because of:
चार्वाक दर्शन के अनुसार पानी अधोगामी (नीचे की ओर) बहता है :

(a) The Law of gravitation
गुरुत्वाकर्षण के नियम के कारण

(b) The movement of earth/पृथ्वी की गति के कारण

(c) The shape of the earth/पृथ्वी के आकार के कारण

(d) The nature of water
पानी के स्वभाव (प्रकृति) के कारण

Ans. (d) : चार्वाक दर्शन के अनुसार, पानी अपनी प्रकृति (स्वभाव) के कारण अधोगामी (नीचे की ओर) बहता है। भारतीय दार्शनिक परम्परा में चार्वाक दर्शन को नास्तिक दर्शन की श्रेणी में रखा जाता है। चार्वाक दर्शन अनीश्वरवादी है। वह प्रत्यक्ष को एक मात्र प्रमाण मानता है, इसकी उक्ति है कि 'प्रत्यक्षमेव प्रमाणम'। प्रत्यक्ष के बाहर वह किसी भी वस्तु को प्रमाण नहीं मानता है चार्वाक के अनुसार प्रत्यक्ष द्वारा ज्ञेय विषय ही एकमात्र सत्य है।

2. According to which Smrti is a pramana
किस संप्रदाय (मत) के अनुसार स्मृति एक प्रमाण के रूप में मान्य है?

(a) Nyaya/न्याय (b) Mimarnsa/मीमांसा

(c) Jaina/जैन (d) Samkhya/सांख्य

Ans. (c) : जैन मत के अनुसार स्मृति एक प्रमाण के रूप में मान्य है। जैन दर्शन ज्ञान के दो प्रकार मानता है- अपरोक्ष ज्ञान और परोक्ष ज्ञान। अपरोक्ष ज्ञान तीन प्रकार का होता है- अवधि मनः पर्याय तथा केवल ज्ञान। परोक्ष ज्ञान दो प्रकार का होता है- मति और श्रुत। मति ज्ञान उसे कहते है। जो इन्द्रिय और मन के द्वारा प्राप्त होता है तथा श्रुत ज्ञान उसे कहते है जो सुने हुए वचनों तथा प्रामाणिक ग्रंथों से प्राप्त होता है।

3. Which type of abhava is the abhava of a pot on the ground at this moment according to the Vaisesikas?
वैशेषिकों के अनुसार इस क्षण में भूमि पर घट का अभाव किस प्रकार का अभाव है?

(a) Atyantabhava/अत्यन्तभाव

(b) Pragabhava/प्रागभाव

(c) Dhvamsabhava/ध्वंसाभाव

(d) Anyonyabhava/अन्योन्यभाव

Ans. (a) : वैशेषिक दर्शन के अनुसार, इस क्षण में भूमि पर घट का अभाव अत्यन्तभाव है। दो वस्तुओं के संबंध का अभाव जो भूत, वर्तमान और भविष्य में रहता है अत्यंतभाव कहलाता है जैसे- रूप का वायु में अभाव। अभाव वैशेषिक दर्शन में सातवाँ पदार्थ है अन्य छः पदार्थ जो भाव पदार्थ हैं क्रमशः द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष और सामान्य निरपेक्ष हैं।

4. Which system holds the view that jnana is intrinsically valid but its invalidity is due to extraneous conditions?
निम्नंकित किस दर्शन संप्रदाय का यह मत है कि ज्ञान स्वतः प्रमाणित होता है किंतु इसकी अप्रमाण्यता बाह्य उपाधि (अवस्था) के कारण होती है?

(a) Samkhya/सांख्य (b) Bauddha/बौद्ध

(c) Mimamsa/मीमांसा (d) Jaina/जैन

Ans. (c) : मीमांसा दर्शन का मत है कि ज्ञान स्वतः प्रमाणित होता है किन्तु सभी अप्रमाणयता बाह्य उपाधि के कारण होती है। कुमारिल का मत है कि ज्ञान का प्रमाण उसके बोध स्वरूप होने से है और ज्ञान का अप्रमाण्य तब होता है जब उसके कारणों के दोषों का ज्ञान होता है।

5. Who holds the view that the jnata, jneya and jnana are simultaneously revealed in every act of cognition?
निम्नांकित में से किसका यह मत है कि ज्ञाता, ज्ञेय एवं ज्ञान, संज्ञान के प्रत्येक व्यवहार (कार्य) में युगपद (सहकालिक रूप में) प्रकट होते हैं?

(a) Kumarila/कुमारिल (b) Prabhakara/प्रभाकर

(c) Gautama/गौतम (d) Kapila/कपित

Ans. (b) : प्रभाकर का मत है, कि ज्ञाता, ज्ञेय और ज्ञान-संज्ञान के प्रत्येक व्यवहार में युगपद (सहकालिक) रूप से प्रकट होते हैं। प्रभाकर का ज्ञान सिद्धान्त त्रिपुटी प्रत्यक्षवाद के नाम से जाना जाता है। प्रभाकर कहते है कि ज्ञान स्वयं को प्रकाशित करता है तथा यह ज्ञाता और ज्ञेय को भी प्रकाशित करता है। प्रत्येक ज्ञान में तीन तत्वों का रहना अनिवार्य वे हैं ज्ञाता, ज्ञेय और ज्ञान।

6. By which sannikarsa according to Nyaya, do we perceive the relation between a pen and its colour?
न्याय दर्शन के अनुसार किस सन्निकर्ष के माध्यम से हम किसी कलम एवं इसके रंग के मध्य संबंध का प्रत्यक्ष करते हैं?

(a) Samyoga/संयोग

(b) Jnanalaksana/ज्ञानलक्षण

(c) Samanyalaksana/सामान्यलक्षण

(d) Visesanata/विशेषणता

Ans. (d) : न्याय दर्शन के अनुसार, विशेषणता नामक सन्निकर्ष के माध्यम से हम किसी कलम और इसके रंग के मध्य संबंध का प्रत्यक्ष करते है। सन्निकर्ष का अर्थ है इन्द्रियों का वस्तुओं के साथ संबंध।

7. Given below are some statements. Consider them and select the code that signifies correct statements only.
नीचे कुछ कथन दिए गए हैं। उन पर विचार कीजिए और उस कूट को चुनिए जो केवल सही कथन को निरुपित करता है।

(A) Asatkaryavada is upheld by Samkhya
असत् कार्यवाद सांख्य द्वारा मान्य है।

(B) Anvitabhidhanavada is upheld by Prabhakara
अन्विताभिधानवाद प्रभाकर द्वारा मान्य है।

(C) Asatkhyativada is upheld by Prabhakara
असत् ख्यातिवाद वसबन्धु द्वारा मान्य है।

(D) Sabdanityatvavada is upheld by Mimamsa
शब्दनित्यत्ववाद मीमांसा द्वारा मान्य है।

Choose the correct answer from the options given below :
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A and B only/केवल A और B
(b) B and D only/केवल B और D
(c) A, B and C only./केवल A, B और C
(d) A, B, C and D only./केवल A, B, C और D

Ans. (b) : अन्विताभिधानवाद प्रभाकर द्वारा मान्य है तथा शब्दनित्यत्ववाद मीमांसा द्वारा मान्य है। अन्वितामिधानवाद के अनुसार जब आज्ञार्थक वाक्य अन्य शब्दों से अचित (संबंधित) होता है तभी वह अर्थविशेष का अभिधान करता है। प्रत्येक शब्द अर्थ का बोध कराने में अक्षम है किन्तु व्यवहार के कारण शब्द का अर्थ सीमित हो जाता है। शब्द का अर्थ वाक्य पर अवलंबित रहता है। इस सिद्धान्त के अनुसार वाक्य ही भाषा की इकाई है।

8. Which type of hetvabhasa is committed by anumana : Sabdah nityah sabdatvat?
अनुमान में किस प्रकार का हेत्वाभास है: शब्दः नित्यः शब्दत्वात् ?

(a) Sadharana savyabhicara/साधारण सव्यभिचार
(b) Asadharana savyabhicara/असाधारण सव्यभिचार
(c) Svarapasiddha/स्वरूपासिद्ध
(d) Asrayasiddha/आश्रयासिद्ध

Ans. (b) : अनुमान में असाधारण सव्यभिचार के हेत्वाभास है- शब्द, नित्य, शब्दत्वात। असाधारण सब्यभिचार में हेतु अव्याप्त होता है, जैसे-शब्द नित्य है। क्योंकि यह सुनाई पड़ता है। साधारणतः हेत्वाभास का अर्थ है हेतु का आभास।

9. Which one among the following is not a kind of 'klesa' in Patanjali yoga ?
निम्नलिखित में से कौन एक पंतजलि के योग में 'क्लेश' का एक प्रकार नहीं है?

(a) Nidra/निद्रा (b) Asmita/अस्मिता
(c) Raga/राग (d) Dvesa/द्वेष

Ans. (a) : निद्रा, पतंजलि के योग में क्लेश का एक प्रकार नहीं हैं पतंजलि योग के अनुसार, क्लेशों की कुल संख्या पाँच है यथा- अविद्या, अस्मिता, राग, द्वेष और अभिनेवेश।

10. In Nyaya epistemology, we perceive a snake for a rope by:
न्याय, ज्ञानमीमांसा में निम्नलिखित में से किसके द्वारा हमें किसी रज्जु में सर्प का प्रत्यक्ष होता है?

(a) Sarhyoga sannikarsa/संयोग सन्निकर्ष
(b) Samanyalaksana sannikarsa
सामान्यलक्षण सन्निकर्ष
(c) Jnanalaksana sannikarsa/ज्ञानलक्षण सन्निकर्ष
(d) Samavaya sannikarsa/समवाय सन्निकर्ष

Ans. (c) : न्याय ज्ञान मीमांसा के अनुसार ज्ञान लक्षण सन्निकर्ष के द्वारा हमें किसी रज्जु में सर्प का प्रत्यक्ष होता है। न्याय दर्शन में भ्रम की व्याख्या ज्ञान लक्षण प्रत्यक्ष के द्वारा की जाती है। जब हम रस्सी को सांप समझ लेते हैं तो नैयायिकों के अनुसार इसकी व्याख्या यह है कि हमारे पूर्व अनुभूत सॉप की स्मृति वर्तमान अनुभूत वस्तु रस्सी की अनुभूति से इस प्रकार मिल जाती है कि रस्सी को स्मृति की वस्तु साँप से हम पृथक नही कर पाते। भ्रम, ज्ञान लक्षण प्रत्यक्ष का भ्रामक रूप कहा गया है।

11. Anyonyaprativimbavada is upheld by:
अन्योन्यप्रतिबिंबवाद की मान्यता किसने दिया है?

(a) Isvarakrsna/ईश्वरकृष्ण
(b) Vijnanabhiksu/विज्ञानभिक्षु
(c) Vacaspati Misra/वाचस्पति मिश्र
(d) Kapil/कपिल

Ans. (b) : अन्योन्यप्रतिबिम्बवाद की मान्यता विज्ञान भिक्षु ने दिया है। विज्ञान भिक्षु सांख्य दर्शन के अंतिम आचार्य माने जाते हैं। इन्होंने योग दर्शन के व्यासभाष्य पर योग वर्तिका नामक ग्रन्थ की रचना की है।

12. By which sense-organ do we perceive external substances?
निम्नांकित किस ज्ञानेन्द्रिय द्वारा हमें बाह्य द्रव्यों का अनुभव होता है?

(a) Visual sense-organ/चक्षुरीन्द्रिय
(b) Tactual sense-organ/स्पर्शेन्द्रिय
(c) Both visual sense-organ and tactual sense-organ/चक्षुरीन्द्रिय एवं स्पर्शेन्द्रिय, दोनों
(d) Visual, tactual and internal sense-organ
चाक्षुष, स्पर्श एवं आंतरिक ज्ञानेन्द्रिय

Ans. (c) : चक्षुरीन्द्रिय और स्पर्शेन्द्रिय द्वारा हमें वाह्य द्रव्यों का अनुभव होता है।

13. **Which one is the asamavayikarana of jnana in Nyaya epistemology?**
न्याय ज्ञानमीमांसा के अनुसार कौन-सा एक ज्ञान की असमवायीकारण है?

(a) Atma/आत्मा

(b) Atmamanosamyoga/आत्ममनोसंयोग

(c) Indriyamanasamyoga/इन्द्रियमनसंयोग

(d) Atma-indriya samyoga/आत्मा-इन्द्रियसंयोग

Ans. (b) : न्याय ज्ञानमीमांसा के अनुसार आत्ममनोसंयोग ज्ञान का असमवायीकरण है। न्यायदर्शन में तीन प्रकार के कारण माने गये हैं- 1. उपादान कारण 2. असमवायी कारण 3. निमित्त कारण।
असमवायीकारण उस गुण या कर्म को कहते हैं जो उपादान कारण में समवेत रहकर कार्य की उत्पत्ति में सहायक होता है। जैसे कपड़े का निर्माण सूतों के संयोग से होता है। यही सूतों का संयोग (कर्म) कपड़े का असमवायी कारण है।

14. **According to the Vaisesikas, karya is :**
वैशेषिक मतानुयायियों के अनुसार कार्य है:

(a) Dhamsabhava pratiyogi/ध्वंसाभाव प्रतियोगी

(b) Anyonyabhava pratiyogi/अन्योन्याभाव प्रतियोगी

(c) Atyantabhava pratiyogi/अत्यन्ताभाव प्रतियोगी

(d) Pragabhava pratiyogi/प्रागभाव प्रतियोगी

Ans. (d) : वैशेषिक मतानुयायियों के अनुसार, कार्य प्रागभाव प्रतियोगी होता है।

15. **Which among the following runs under the guidance of rta?**
निम्नलिखित में से कौन-सा ऋत के निर्देशन के अंतर्गत संचालित होता है?

(A) Courses of natural phenomena
नैसर्गिक परिघटनाओं का पथ

(B) Alteration of day and night
दिन और रात का विकल्पन

(C) Domain of human behaviour
मानव व्यवहार का अनुक्षेत्र

(D) Regular movements of rivers
नदियों का नियमित संचलन

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A only/केवल A

(b) A and B only/केवल A और B

(c) A, B and C only/केवल A, B और C

(d) A, B, C and D only/केवल A, B, C और D

Ans. (d) : ऋत अर्थ है जगत की व्यवस्था। ऋत वह नियम है जो प्राकृतिक और नैतिक जगत में कार्यान्वित है। ऋत नियम के द्वारा ही वैदिक ऋषि विश्व की व्यवस्था तथा नैतिक जगत की व्यवस्था की व्याख्या कर पाते थे। ऋत निमय का उल्लंघन देवता भी नही कर सकते हैं।

16. **Which dharma/s among the following is/are NOT jati in Vaisesika metaphysics?**
वैशेषिक तत्वमीमांसा में निम्नलिखित में से कौन-सा/से धर्म जाति नहीं है/हैं?

(A) Akasatva/आकाशत्व

(B) Gotva/गोत्व

(C) Dravyatva/द्रव्यत्व

(D) Udbhutatva/उद्भूतत्व

Choose the correct answer from the option given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A only/केवल A

(b) B and C only/केवल B और C

(c) A and C only/केवल A और C

(d) A and D only/केवल A और D

Ans. (d) : वैशेषिक तत्वमीमांसा में आकाशत्व और उद्भूतत्व धर्म जाति नहीं है। जबकि गोत्व और द्रव्यत्व का संबंध धर्मजाति से है। सभी जातिवाचक शब्दों में कुछ सामान्य गुण पाए जाते हैं जिसके आधार पर उन्हें भिन्न-2 वर्गों में रखा जाता है। जैसे संसार के समस्त गायों में गोत्व सामान्य के निहित रहने के कारण उन्हें गाय कहा जाता है तथ गाय वर्ग में रखा जाता है। इस विवेचन से सिद्ध होता है कि सामान्य, व्यक्तियों या वस्तुओं में समानता प्रस्तावित करती है। इसी प्रकार 'द्रव्यत्व भी सभी द्रव्यों में रहने वाला समान्य हैं।

17. **Which among the following is/are menas of Saktigraha ?**
निम्नांकित में से शक्तिग्रह का आशय कौन-सा है?

(A) Aptavakya/आप्तवाक्य

(B) Tatparya/तात्पर्य

(C) Vrdhavyavahara/वृद्धव्यवहार

(D) Tarka/तर्क

Choose the correct answer form the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A and B only/केवल A और B

(b) A and C only/केवल A और C

(c) A only/केवल A

(d) A, B and D only/केवल A, B और D

Ans. (b) : प्रश्नगत विकल्पों के अनुसार आप्तवाक्य और वृद्धव्यवहार शक्तिग्रह का आशय है।

18. According to Ramanuja, Aprthak Siddhi is a relation between :
रामानुज के अनुसार, किसके मध्य अपृथक् सिद्धि का संबंध होता है?

(A) Brahman and jiva only/केवल ब्रह्म एवं जीव में
(B) Brahman and jagat only/केवल ब्रह्म एवं जगत में
(C) Brahman and jiva and Braham and jagat only/केवल ब्रह्म और जीव एवं ब्रह्म और जगत में
(D) Jiva and jagat only/केवल जीव एवं जगत में

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A only/केवल A (b) B only/केवल B
(c) C only/केवल C (d) D only/केवल D

Ans. (c) : रामानुज के अनुसार केवल ब्रह्म और जीव एवं ब्रह्म तथा जगत के मध्य अपृथक सिद्धि का संबंध होता है।

19. In Purva Mimamsa, the point of difference between the Kumarila and the Prabhakara Schools is, with regard to:
पूर्व मीमांसा में, निम्नांकित में से किसके संबंध में कुमारिल एवं प्रभाकर संप्रदायों (शाखाओं) के मध्य भिन्नता है?

(a) Authority of the Vedas/वेदों की सत्ता
(b) Intrinsic nature of knowledge
ज्ञान की स्वतः प्रमाण्यता
(c) Nature of Vidhi/विधि की प्रकृति
(d) Khyativada/ख्यातिवाद

Ans. (d) : पूर्वमीमांसा में ख्यातिवाद में कुमारिल और प्रभाकर संप्रदायों के मध्य भिन्नता पाई जाती है। भ्रम, भ्रांति या मिथ्याज्ञान के विवेचन को ख्यातिवाद कहा जाता है। कुमारिल का दर्शन विपरीत ख्याति के नाम से जबकि प्रभाकर का मत अख्यातिवाद के नाम से जाना जाता है।

20. Match List I with List II
सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

List-I/सूची-I	List-II सूची-II
A. Caitanya is the guna of the self चैतन्य आत्मा का गुण है।	I. Vedanta वेदांत
B. Caitanya is an agantuka guna of the self चैतन्य आत्मा का आगन्तुक गुण है।	II. Nyaya न्याय
C. Caitanya is bliss/चैतन्य आनन्द है।	III. Jaina जैन
D. Caitanya is epiphenomenon चैतन्य अनघटना (प्रतिफलन) है।	IV. Charvaka चार्वाक

Choose the correct answer from the option given below :
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(a) A-III, B-II, C-I, D-IV
(b) A-I, B-III, C-II, D-IV
(c) A-II, B-III, C-I, D-IV
(d) A-IV, B-III, C-II, D-I

Ans. (a) : सही सुमेल निम्नलिखित है-

सूची-I	/सूची-II
A. चैतन्य आत्मा का गुण है।	III. जैन
B. चैतन्य आत्मा का आगन्तुक गुण है।	II. न्याय
C. चैतन्य आनन्द है।	I. वेदांत
D. चैतन्य अनघटना (प्रतिफलन) है।	IV. चार्वाक

21. Write the correct sequence with reference to the states of experience:
अनुभव की अवस्थाओं के सन्दर्भ में सही अनुक्रम चुनिए:

(A) Prajna/प्रज्ञा
(B) Advaita/अद्वैत
(C) Taijasa/तेजस
(D) Vaiswanara/वैश्वानर

Choose the correct answer from the options given below:
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A, B, C, D (b) D, C, A, B
(c) B, A, D, C (d) C, D, B, A

Ans. (b) : अनुभव की अवस्था का सही अनुक्रम इस प्रकार हैं–
D. वैश्वानर
C. तेजस
A. प्रज्ञा
B. अद्वैत

22. "To say that there could be nirguna Brahman is like the dumb saying that he is dumb". Whose saying is this?
''यह कहना कि निर्गुण ब्रह्म हो सकता है, यह उक्ति गूंगे के उस कथन के समान है कि वह गूंगा है।'' यह किसकी उक्ति है?

(a) Ramanujacharya/रामानुजाचार्य
(b) Samkaracharya/शंकराचार्य
(c) Madhvacharya/मध्वाचार्य
(d) Vacaspati Misra/वाचस्पति मिश्र

Ans. (c) : यह कहना की निर्गुण ब्रह्म हो सकता है यह उक्ति गूँगे के उस कथन के समान है कि वह गूँगा है। यह उक्ति मध्वाचार्य की है।